MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 17 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-74

युद्धपोतों का कवच

हमारे जहाजों को सुरक्षा दे रही नौसेना

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए भारतीय नौसेना ने बड़ा कदम उठाया है। नौसेना ने दो टास्क फोर्स यानी युद्धपोतों के विशेष समूह तैनात किए हैं, जो व्यापारिक जहाजों और तेल-गैस लेकर आने वाले टैंकरों को सुरक्षित रास्ता दिलाने में मदद कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ये जहाज ईरान के पास स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत की ओर आते हैं। यह इलाका दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस की सप्लाई होती है।

तेल-गैस ला रहे जहाजों की मिली सुरक्षा

भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन जहाजों को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, यानी उनके साथ चलते हुए उन्हें सुरक्षा दे रहे हैं ताकि किसी तरह का खतरा न हो। जरूरत पड़ने पर नौसेना इन जहाजों को हर तरह की सहायता और समर्थन भी दे रही है। सूत्रों का कहना है कि इस कदम का मकसद भारत आने वाले तेल और गैस के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और देश की ऊर्जा सप्लाई को बिना रुकावट बनाए रखना है।

इससे पहले पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर संकट के बीच भारत ने अपना रुख साफ किया था। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए युद्धपोत भेजने को लेकर भारत और अमेरिका के बीच कोई द्विपक्षीय चर्चा नहीं हुई है। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों से इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए युद्धपोत भेजने की अपील की है।

होर्मुज से भारतीय जहाज शिवालिक पहुंचा भारत

होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर संकट के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। एलपीजी गैस लेकर आने वाला भारतीय जहाज शिवालिक सुरक्षित तरीके से गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पहुंच गया है।

इस जहाज के सुरक्षित पहुंचने को ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से अहम माना जा रहा है, क्योंकि हाल के दिनों में क्षेत्र में तनाव के कारण समुद्री मार्ग पर जोखिम बढ़ गया था।

भारत ने खारिज की अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट

भारत ने अमेरिकी संस्था यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम (यूएस-सीआईआरएफ) की ताजा रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हुए इसे पक्षपाती और प्रेरित करार दिया है।

रिपोर्ट में अमेरिका से कहा गया था कि वह भारत के साथ सुरक्षा सहयोग और द्विपक्षीय व्यापार को धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दे से जोड़े।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यूएससीआईआरएफ ने भारत की स्थिति को विकृत और चुनिंदा तरीके से पेश किया है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट में संदिग्ध स्रोतों और वैचारिक कथनों पर भरोसा किया है।

रिपोर्ट में यह भी सिफारिश की गई थी कि भारत को 'कंट्री ऑफ पार्टिकुलर कंसर्न' यानी विशेष चिंता वाले देश की श्रेणी में रखा जाए। इस रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरए-सएस) और भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

जायसवाल ने कहा कि इस तरह के बार-बार किए जाने वाले गलत और भ्रामक आकलन से आयोग की विश्वसनीयता ही कमजोर होती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की आलोचना करने के बजाय यूएस-सीआईआरएफ को अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमलों और भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ बढ़ती असहिष्णुता जैसे मामलों पर ध्यान देना चाहिए।

यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2025 में भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति और खराब हुई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और सख्त किया गया है।

भारत ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि इस तरह की चुनिंदा आलोचना वास्तविक तथ्यों को नजरअंदाज करती है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इससे आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं।

तेलंगाना राज्यपाल ने बजट सत्र संबोधन में

तेलंगाना राइजिंग 2047 पर दिया ज़ोर

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने सोमवार को बजट सत्र के पहले दिन विधानसभा एवं विधान परिषद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की उपलब्धियों, नीतियों और राज्य के लिए भविष्य के रोडमैप पर प्रकाश डाला।

तेलुगु, अंग्रेजी और हिंदी में एक घंटे से अधिक समय तक चले अपने भाषण में, राज्यपाल ने सरकार का विजन दस्तावेज तेलंगाना राइजिंग 2047 प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य 2047 तक राज्य को तीन ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, जिसमें 2034 तक एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का अंतरिम लक्ष्य शामिल है।

राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना का वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 17.82 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जबकि प्रति व्यक्ति आय 4.18 लाख रुपये हो चुकी है। राज्य की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदान है, जो सकल लाभ (जीवीएसी) का 68.6 प्रतिशत है, जबकि आईटी निर्यात 3.13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिससे 9.39 लाख से अधिक रोजगार सृजित हो रहे हैं।सरकार की विकास रणनीति पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य ने संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए क्योर-प्योर-रेयर मॉडल को अपनाया है। क्योर (कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी) हैदराबाद में सतत शहरी विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा, प्योर (पेरी-अर्बन रीजन इकोनॉमी) आउटर रिंग रोड एवं रीजनल रिंग रोड के बीच विनिर्माण एवं रसद को बढ़ावा देगा, और रेयर (रूरल एग्रीकल्चर रीजन इकोनॉमी) कृषि एवं ग्रामीण आजीविका को मजबूत करेगा।

राज्यपाल ने प्रमुख शहरी पहलों में जीएचएमसी का साइबरबाद, मलकाजगिरि और जीएचएमसी में त्रिविभाजन, 55 किलोमीटर लंबी मूसी नदी तट बदलाव परियोजना, फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी का गठन और 30,000 एकड़ में फैले हरित क्षेत्र वाले स्मार्ट शहर भारत फ्यूचर सिटी के विकास का उल्लेख किया।उन्होंने हैदराबाद-अमरावती ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कनेक्टिविटी और वारंगल एवं आदिलाबाद में नए हवाई अड्डों की स्थापना पर भी प्रकाश डाला। राज्यपाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र में सरकार ने 2025-26 के लिए 26,684 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें 236.87 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न ▶10 पर

बिहार : पाँचों ऊंगलियाँ घी में

राज्यसभा चुनावों में एनडीए का परचम

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

देश के 10 राज्यों में सोमवार को राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव हुए। सात राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में 26 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए। बाकी 11 सीटों के लिए बिहार, ओडिशा और हरियाणा में वोटिंग की जरूरत पड़ी। इनमें से बिहार में 5, ओडिशा में 4 और हरियाणा में 2 सीटें थीं। हरियाणा में मतपत्र की गोपनीयता के उल्लंघन को लेकर बीजेपी और कांग्रेस ने चुनाव आयोग में आपत्ति दर्ज कराई, जिस कारण मतगणना 5 घंटे तक रुकी रही और देर रात तक जीत-हार का फैसला नहीं हो पाया।

बिहार में कांटे का मुकाबला, एनडीए ने हासिल की सभी पांच सीटों पर जीत

सबसे ज्यादा ध्यान बिहार के राज्यसभा चुनाव ने खींचा। यहां से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर और शिवेश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में थे। वहीं महागठबंधन ने अमरेंद्र धारी सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया था। एनडीए ने बिहार की सभी पांच राज्यसभा सीटों पर जीत हासिल की। उसके सभी 202 विधायकों ने मतदान में हिस्सा लिया। नीतीश कुमार को 44 विधायकों के वोट मिले, जबकि नितिन नवीन को भी

44 विधायकों का समर्थन प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा को 42 विधायकों के वोट मिले और रामनाथ ठाकुर को भी 42 विधायकों का समर्थन मिला। पांचवीं सीट के लिए एनडीए और महागठबंधन के उम्मीदवार में कांटे का मुकाबला देखने को मिला। हालांकि, महागठबंधन के 4 विधायकों ने मतदान से दूरी बना ली, जिसका फायदा एनडीए उम्मीदवार शिवेश कुमार को मिला। उन्होंने महागठबंधन के उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह को दूसरी वरीयता के वोटों के आधार पर हरा दिया। शिवेश कुमार को 4202 टोटल वैल्यू ऑफ वोट मिला, जबकि अमरेंद्र धारी सिंह को 3700 टोटल वैल्यू ऑफ वोट मिला। प्रथम वरीयता के वोट की बात करें तो महागठबंधन उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह 37 मतों के साथ, एनडीए के शिवेश कुमार से आगे रहे।

महागठबंधन के 4 एमएलए ने नहीं डाले वोट, द्वितीय वरीयता के वोटों से पलटा नतीजा

शिवेश कुमार को 30 प्रथम वरीयता वोट प्राप्त हुए। हालांकि, द्वितीय वरीयता के वोटों की गिनती के बाद शिवेश कुमार के कुल वोटों की संख्या में वृद्धि हुई, जबकि अमरेंद्र धारी सिंह को द्वितीय वरीयता का एक भी वोट नहीं मिला। महागठबंधन के जिन विधायकों ने मतदान से दूरी बनाई, उनमें कांग्रेस के मनोहर प्रसाद, सुरेंद्र कुशवाहा, मनोज विश्वास और आरजेडी के फैसल रहमान शामिल हैं। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में नीतीश कुमार की जेडीयू, चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाली हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं।वहीं महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और वामदल शामिल हैं। हालांकि, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के 5 और बसपा के 1 विधायक ने महागठबंधन के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। अगर कांग्रेस के 3 और राजद के 1 विधायक ने मतदान से दूरी नहीं बनाई होती, तो महागठबंधन के उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह आसानी से जीत जाते।

बिहार में राज्यसभा चुनाव के फार्मूले के मुताबिक, यदि सभी 243 विधायक मतदान में हिस्सा लेते, तो प्रत्येक उम्मीदवार को जीतने के लिए कम से कम 41 वोटों की आवश्यकता होती।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 21°

रमजान में इबादत पर रोक

इजराइल पर भड़के मुस्लिम देश

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान के साथ चल रहे जंग के बीच इजरायल ने मुसलमानों की सबसे पवित्र मस्जिदों में से एक अल-अक्सा मस्जिद को पिछले 16 दिनों से बंद कर रखा है। रमजान के महीने में इजरायल की इस कार्रवाई से दुनिया के मुस्लिम देशों में भारी नाराजगी है। अरब देशों के समूह अरब लीग ने रविवार को रमजान के दौरान अल-अक्सा मस्जिद बंद करने के इजरायल के फैसले की कड़ी निंदा की है।

अरब लीग ने कहा कि इजरायल को मुसलमानों को वहां इबादत करने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है। एक बयान में अरब देशों के समूह ने कहा कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। बयान में कहा गया कि इजरायल की यह कार्रवाई क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा पर गंभीर असर डाल सकती है।

अरब लीग ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी अपील की कि दुनिया के देश यरुशलम के पवित्र स्थलों पर इजरायल की कथित अवैध कार्रवाइयों को रोकने के लिए उस पर दबाव डालें। अरब लीग ने कहा कि दुनिया के देश इबादत की आजादी के सम्मान को सुनिश्चित करें।

अरब लीग का यह बयान ऐसे समय आया है जब 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल ने कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम में स्थित अल-अक्सा मस्जिद को बंद रखा हुआ है। ▶10 पर

फीकी पड़ी ट्रंप की अपील

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में ईरान के साथ लगातार बढ़ते तनाव के कारण तेल सप्लाई का यह मुख्य समुद्री रास्ता (होर्मुज जलडमरूमध्य) बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब सात देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत तैनात करने की मांग की है। ट्रंप चाहते हैं कि ये देश अपनी नौसेना भेजकर इस रास्ते की सुरक्षा करें। हालांकि, अमेरिका के करीबी सहयोगियों ने इस मांग पर बहुत ही सावधानी भरा रुख अपनाया है और कुछ ने तो इससे साफ इनकार कर दिया है। ▶10 पर

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की बेटी ने दायर किया मानहानि केस

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी ने अपनी छवि खराब करने के आरोप में कई व्यक्तियों और ऑनलाइन प्लेटफार्मों के खिलाफ 10 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अदालत में पेश किए गए इस दीवानी मुकदमे में उन्होंने हर्जाने, बिना शर्त माफी और मानहानिकारक सामग्री को स्थायी रूप से हटाने की मांग की है। आरोप है कि सोशल मीडिया पर उन्हें जेफरी एपस्टीन की आपराधिक गतिविधियों से जोड़ने वाली भ्रामक खबरें फैलाई जा रही हैं।

लगभग तीन दशकों का वैश्विक अनुभव रखने वाली निवेश पेशेवर वादी ने आरोप लगाया कि 22 फरवरी 2026 के आसपास उनके खिलाफ एक सुनियोजित और दुर्भावनापूर्ण ऑनलाइन अभियान शुरू किया गया था। मुकदमे के अनुसार, एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और लिंक्डइन जैसे प्लेटफार्मों पर वीडियो, थंबनेल और लेखों के जरिए उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास किया गया। इसमें कहा गया है कि जॉन डो अज्ञात व्यक्तियों और विभिन्न सोशल मीडिया खातों ने मिलकर एक मनगढ़ंत नैरेटिव तैयार किया, जिसमें वादी के एपस्टीन या उनके सहयोगियों के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष वित्तीय और व्यक्तिगत संबंध होने का दावा किया गया। मुकदमे में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ पोस्ट में यह झूठा दावा किया गया कि वादी या उनकी कंपनी रील्म पार्टनर्स एलएलसी को एपस्टीन के नेटवर्क से फंडिंग प्राप्त हुई थी। इसके अतिरिक्त, कुछ पोस्ट में यह भी कहा गया कि उन्होंने रॉबर्ट मिलार्ड के साथ मिलकर लेहमैन ब्रदर्स के पतन में भूमिका निभाई थी। ▶10 पर

ईरान ने पहली बार इजराइल पर दागी सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल, कहा- अमेरिका से युद्धविराम की पेशकश नहीं की

तेहरान, 16 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का 17वां दिन है। ईरान ने रविवार को इस लड़ाई में पहली बार इजराइल पर सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। यह जानकारी ईरान इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) की न्यूज एजेंसी तसनीम ने दी। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कल कहा कि ईरान ने न तो युद्धविराम की मांग की है और न ही अमेरिका से बातचीत की पेशकश की है। जब तक जरूरत होगी ईरान अपनी रक्षा करता रहेगा।

आईआरजीसी ने कहा कि सेजिल के माध्यम से इजराइल के सैन्य और रक्षा सुविधा को निशाना बनाया गया है। यह मिसाइल 2000-2500 किलोमीटर तक हमला कर सकती है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के आक्रामक युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब सेजिल मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। आईआरजीसी जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार, इस हमले के दौरान अन्य मिसाइलों का भी प्रयोग किया गया। 28 फरवरी के हमलों में पूरे ईरान में सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। इससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ और बुनियादी ढांचे को व्यापक क्षति पहुंची है। इसके जवाब में ईरानी सशस्त्र बलों ने युद्ध शुरू किया है।

वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल सीबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कल कहा कि ईरान ने न तो युद्धविराम की मांग की है और न ही अमेरिका से बातचीत की कोशिश की है। जब तक जरूरत होगी ईरान खुद की रक्षा करता रहेगा। उन्होंने कहा कि ईरान इस संघर्ष में पीछे हटने वाला नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह स्वीकार करना होगा कि यह युद्ध न्यायसंगत नहीं है। जब तक वह स्वीकार नहीं करते, तब तक ईरान जवाब देता रहेगा।

अराघची ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद देश की परमाणु सामग्री जमीन के नीचे दब गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस सामग्री को शायद निकाला जा सके, लेकिन अभी यह पहुंच से बाहर है। ईरान की फिलहाल इसे वापस निकालने की कोई योजना नहीं है। अराघची ने कहा कि हालिया तनाव बढ़ने से पहले, अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान ईरान अपनी अत्यधिक समृद्ध सामग्री के भंडार को कम करने के लिए पहले तैयार था।

न्यूज ब्रीफ

भारत और साइप्रस की ब्रसेल्स में रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा

ब्रसेल्स (बेल्जियम)। भारत के विदेशमंत्री डा. एस जयशंकर और साइप्रस के विदेशमंत्री कान्स्टेंटिनोस कोम्बोस की यहां महत्वपूर्ण मुलाकात हुई है। जयशंकर ने एक्स हैंडल पर एक तस्वीर जारी करते हुए कहा कि ब्रसेल्स में साइप्रस के विदेश मंत्री कान्स्टेंटिनोस कोम्बोस से मिलकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की और पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। यूरोपीय संघ और भारत के बीच जुड़ाव को आगे बढ़ाने में साइप्रस के सहयोग की हम सराहना करते हैं। विदेशमंत्री जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के विदेशमंत्रियों के साथ वार्ता के लिए रविवार को ब्रसेल्स का दो दिवसीय दौरा शुरू किया। जनवरी में दोनों पक्षों के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर मुहर लगने के बाद भारत की ओर से ब्रसेल्स का यह पहला उच्चस्तरीय दौरा है। ब्रसेल्स में ईयू का मुख्यालय है। जयशंकर यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष काजा कैलास के निमंत्रण पर बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स पहुंचे हैं। यूरोपीय संघ के 27 देश सदस्य हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान जयशंकर यूरोपीय संघ के अध्यक्ष और बेल्जियम तथा अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे ।

खाड़ी के देशों को जंग से जुड़ी तकनीक सिखाएंगे जेलेंस्की, बदले में लेंगे पैसा और तकनीक

कीव। ईरान और खाड़ी देशों के बीच बढ़ते युद्ध के खतरों और लगातार होते मिसाइल-ड्रोन हमलों के बीच एक नया कूटनीतिक मोड़ सामने आया है। यूक्रेन ने अमेरिका और उसके खाड़ी सहयोगी देशों को सुरक्षा संबंधी मदद देने का प्रस्ताव रखा है, लेकिन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्पष्ट कर दिया है कि यह सहायता बिना शर्त नहीं होगी। यूक्रेन ने अपनी ड्रोन विशेषज्ञता साझा करने के बदले रूस से चल रहे युद्ध के लिए भारी वित्तीय सहायता और आधुनिक सैन्य तकनीक की मांग रखी है। रूस के साथ पिछले चार वर्षों से जारी भीषण युद्ध के दौरान यूक्रेन ने ईरान द्वारा डिजाइन किए गए कामिकाजे और शाहेद ड्रोन से निपटने का व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। दरअसल, शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल रूस ने यूक्रेनी शहरों और बुनियादी ढांचे को तबाह करने के लिए बड़े पैमाने पर किया है। अब यूक्रेन इसी अनुभव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक रणनीतिक संपत्ति के रूप में पेश कर रहा है। जेलेंस्की का तर्क है कि जो देश समान ड्रोन खतरों का सामना कर रहे हैं, यूक्रेन उन्हें प्रभावी ड्रोन-रोधी सुरक्षा प्रणाली विकसित करने में मदद कर सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, यूक्रेन ने कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों में अपने विशेषज्ञों की टीमें भेजी हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि प्रत्येक टीम में दर्जनों विशेषज्ञ शामिल हैं, जो स्थानीय स्थिति का आकलन कर यह बताएंगे कि ड्रोन हमलों को कैसे विफल किया जाए।

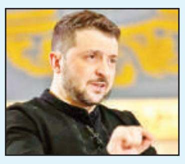

भारत से ब्रह्मोस, पाकिस्तान से लड़ाकू विमान.......आखिर क्या करना चाहता हैं ये मुस्लिम देश

जकार्ता। दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनक क्रूज मिसाइल खरीद रहा है। इसकी आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि हो गई है। लेकिन जनवरी महीने में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया था कि इंडोनेशिया पाकिस्तानी जेएफ-17 लड़ाकू विमान खरीदने के लिए भी बात कर रहा है। हालांकि इंडोनेशिया की सरकार ओर से पाकिस्तानी जेट खरीदने की रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। इंडोनेशिया ने फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान भी खरीदे हैं, जिनकी डिलीवरी भी शुरू हो चुकी है। रिपोर्ट में तब कहा गया था कि इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान एयरफोर्स चीफ जहीर बाबर सिद्धू से मुलाकात कर फाइटर जेट और ड्रोन की संभावित बिक्री पर चर्चा की। इंडोनेशियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रिको रिकार्डो सिरैत के हवाले से कहा गया कि बैठक में जनरल डिफेंस कोआपरेशन रिलेशन पर चर्चा हुई जिसमें स्ट्रेटेजिक बातचीत, डिफेंस इंस्टीट्यूशन के बीच कम्युनिकेशन को मजबूत करना और लंबे समय में अलग-अलग फील्ड में आपसी फायदे वाले कोआपरेशन के मौके शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया था कि इंडोनेशिया पाकिस्तान से 40 फाइटर जेट खरीदने पर विचार कर रहा है। जबकि इंडोनेशिया और भारत के बीच ब्रह्मोस सौदे को लेकर कई महीनों से बात चल रही थी जिसपर अब मुहर लग गई है।

ट्रंप का यूरोपीय देशों को कड़ा संदेश- नाटो ने होर्मुज की सुरक्षा नहीं की तो भविष्य बहुत बुरा होगा

वाशिंगटन, 16 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) देश होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद नहीं करते तो उनका भविष्य बहुत बुरा होगा। ट्रंप ने इस रणनीतिक जलमार्ग को लेकर यूरोपीय देशों को एक कड़ा संदेश दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने फाइनेंशियल टाइम्स को रविवार को फोन पर दिए साक्षात्कार में कहा, यह बिल्कुल सही है कि जो लोग इस जलडमरूमध्य से फायदा उठाते हैं, वे यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि वहां कुछ भी बुरा न हो। उन्होंने कहा, अगर कोई जवाब नहीं आता है तो मुझे लगता है कि यह नाटो के भविष्य के लिए बहुत बुरा होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को अमेरिका से दी गई मदद का जिक्र करते हुए कहा, हमें यूक्रेन के मामले में उनकी मदद करने की कोई जरूरत नहीं थी।अब हम देखेंगे कि क्या वे हमारी मदद करते हैं। मैं लंबे समय से कहता आ रहा हूं कि हम उनके लिए हमेशा मौजूद रहेंगे। यह पूछे जाने पर कि उन्हें नाटो से किस तरह की मदद चाहिए राष्ट्रपति ने कहा, जो भी जरूरी हो। उसमें बारूदी सुरंग नष्ट करने वाले जहाज भी शामिल हो सकते हैं।

नाटो यूरोपीय और उत्तरी अमेरिकी रक्षा गठबंधन है। इसे शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने और अपने सदस्य देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है। इसका मकसद किसी ऐसे देश की मदद करना नहीं है, जब कोई सदस्य देश खुद ही युद्ध शुरू कर दे। फ्लोरिडा से एयर फ़ोर्स वन विमान से व्हाइट हाउस लौटते समय ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया, हम हमेशा नाटो के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा देश एक बहुत ही छोटे से काम में हमारी मदद नहीं करता।

राष्ट्रपति ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के प्रति अपनी नाराजगी एक बार फिर जहिर की। उनकी नाराजगी का कारण यह था रहा स्टारमर ने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों को तुरंत अपना समर्थन नहीं दिया था। उन्होंने कहा, ब्रिटेन को शायद हमारा सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी माना जाता है। जब मैंने उनसे मदद मांगी तो वह साथ नहीं आए।

जापान अभी तटस्थ

इस मसले पर जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने सोमवार को कहा कि जापान की अभी होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद के लिए जहाज भेजने की कोई योजना नहीं है। यह बात प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने सोमवार को कही। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों से मदद का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने टोक्यो से सीधा कोई अनुरोध नहीं किया है। बावजूद इसके उनकी सरकार जरूरी कदम उठाने के तरीकों पर विचार कर रही है। उल्लेखनीय है कि ताकाइची और ट्रंप गुरुवार को वाशिंगटन में मिलने वाले हैं। वर्तमान में नाटो में कुल 32 सदस्य देश हैं। इस सैन्य गठबंधन का सबसे नया सदस्य स्वीडन है। संस्थापक सदस्य बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, आइसलैंड, इटली, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, नार्वे, पुर्तगाल, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तीसरे हफ्ते युद्ध की ज्वाला हुई और तेज

तेहरान, 16 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग की ज्वाला तीसरे हफ्ते और अधिक तेज हो गई है। ईरान ने कुवैत, तुर्किए और यूएई में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर भी मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। ईरान ने दावा किया है कि उसने चार अमेरिकी एयरबेस पर एकीकृत मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इजराइल ने कहा है कि उसकी सेना ने दक्षिणी लेबनान कई स्थानों पर हमला किया है।

अल जजीरा की रिपोर्ट में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) के हवाले से कहा गया है कि उसके नौसेना बलों ने रविवार आधीरात बाद भोर होने से पहले संयुक्त राज्य अमेरिका के एयरबेस पर चार बार समन्वित मिसाइल और ड्रोन हमले किए। हमले में अमेरिकी बलों से जुड़े कमांड सेंटर, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर और वायु रक्षा सुविधाओं को निशाना बनाया गया। ईरानी बल आईआरजीसी ने दावा किया कि सैटेलाइट तस्वीरों में निशाना बनाए गए ठिकानों को भारी नुकसान दिखाई दिया है। इस बीच, लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी एनएनए के अनुसार, इजराइली युद्धक विमानों ने दक्षिणी लेबनान में हमलों की बौछार की है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने नबातीह जिले के जबदीन शहर को निशाना बनाया। हनिन, कफ़र, ऐता अल-शाब और यातेर में भी हमलों की खबरें आईं। इससे पहले, आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि अमेरिका में मिशिगन के सिनेगाग (यहूदी प्रार्थना स्थल) पर हमले के पीछे जिस व्यक्ति का हाथ था, उसका भाई हिजबुल्लाह में एक कमांडर था। इब्राहिम पिछले सप्ताह इजराइली वायुसेना के हिजबुल्लाह के एक सैन्य ठिकाने पर किए गए हवाई हमले में मारा जा चुका है।

करोड़ों साल पहले भयंकर ठंड की स्थिति से गुजरी थी धरती: शोध

वाशिंगटन। करीब 72 से 63 करोड़ साल पहले हमारी धरती एक भयंकर ठंड की स्थिति से गुजरी थी, जिसे भूवैज्ञानिक स्नोबाल अर्थ कहते हैं। इस दौरान बर्फ ने दोनों ध्रुवों से लेकर भूमध्य रेखा तक पूरे ग्रह को ढक लिया था। नई स्टडी से यह संकेत मिला है कि इस भीषण ठंड को और भी गहरा करने में समुद्र की नमक की भूमिका महत्वपूर्ण रही। ताजा रिसर्च के अनुसार, जब समुद्र का पानी जमता था, तो उसमें से नमक बाहर निकलता और बर्फ की सतह पर क्रिस्टल बनाकर जम जाता। बर्फ के वाष्पीकरण के बाद पीछे बची नमक की परत सूरज की रोशनी को अत्यधिक परावर्तित करती थी। इसे वैज्ञानिकों ने साल्ट-अल्बेडो नाम दिया। यह पारंपरिक बर्फ से भी अधिक चमकदार होती थी और सूरज की ऊर्जा को वापस अंतरिक्ष में भेजकर ग्रह को तेजी से ठंडा कर देती थी। आइस-अल्बेडो फीडबैक पहले से ज्ञात था कि बर्फ की सतह सूर्य की रोशनी को परावर्तित कर धरती को ठंडा करती है, लेकिन अब नमक की भूमिका को भी समझा गया। क्लाइमेट माडलिंग में यह दिखा कि नमक की परत ने पृथ्वी को अपेक्षा से कहीं ज्यादा तेजी से और गहराई से जमाया और उसके पिघलने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की।

दुबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास हमला ईंधन टैंक में विस्फोट के बाद उड़ानें निलंबित

दुबई, 16 मार्च (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब और भी घातक रूप अख्तियार करता जा रहा है। सोमवार तड़के दुबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास एक भीषण ड्रोन हमला हुआ, जिसने हवाई अड्डे के समीप स्थित एक प्रमुख ईंधन टैंक को अपना निशाना बनाया। ड्रोन के टकराते ही टैंक में एक जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग की ऊंची लपटें और धुएं का काला गुबार आसमान में छा गया। सुरक्षा कारणों से विश्व के सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डों में शुमार दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। दुबई मीडिया आफिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, हमले के तुरंत बाद दुबई सिविल डिफेंस और अग्निशमन दलों को मौके पर तैनात किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एयरपोर्ट के निकटवर्ती इलाके में मची अफरा-तफरी और आग की भयावहता को साफ देखा जा सकता है। हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक इस हमले में किसी के हताहत होने की कोई आधिकारिक खबर सामने नहीं आई है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को

नियंत्रित करने और आग पर पूरी तरह काबू पाने के प्रयास युद्ध स्तर पर जारी हैं। यह हमला ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को दी गई उस चेतावनी के ठीक एक दिन बाद हुआ है, जिसमें तेहरान ने यूएई के तीन प्रमुख बंदरगाहों को खाली करने के लिए कहा था। ईरान का आरोप है कि अमेरिका उसके प्रमुख तेल निर्यात टर्मिनल खार्ग द्वीप पर हमला करने के लिए यूएई के बंदरगाहों और सैन्य अड्डों का इस्तेमाल कर रहा है। उल्लेखनीय है कि इस महीने दुबई एयरपोर्ट को कई बार निशाना बनाया जा चुका है। इससे पहले 1 मार्च को हुए हमले में बुर्ज अल अरब होटल को नुकसान पहुंचा था, जबकि 7 मार्च को हुए ड्रोन हमले के बाद यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए ट्रेन टनल का सहारा लेना पड़ा था। ताजा हमला इस बात का संकेत है कि अब क्षेत्रीय संपत्तियां सीधे तौर पर इस युद्ध की आग की चपेट में आ रही हैं।

हां ये सच है कि रूस और चीन से ईरान को जंग लड़ने भारी मदद मिल रही है : विदेश मंत्री अराघची

तेहरान, 16 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में पिछले दो सप्ताह से जारी भीषण संघर्ष के बीच ईरान ने एक ऐसा दावा किया है जिसने वैश्विक राजनीति में खलबली मचा दी है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका और इजरायल के खिलाफ जारी इस जंग में ईरान को रूस और चीन जैसे महाशक्तियों का रणनीतिक समर्थन प्राप्त हो रहा है।

अराघची के अनुसार, यह सहयोग केवल कूटनीतिक या आर्थिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सक्रिय सैन्य समन्वय भी शामिल है। रविवार को दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस और चीन ईरान के भरोसेमंद साझेदार हैं और मौजूदा संघर्ष की परिस्थितियों में वे तेहरान को हर संभव मदद मुहैया करा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इस सैन्य सहयोग के विशिष्ट विवरण साझा करने से इनकार कर दिया, लेकिन यह जरूर कहा कि तीनों देशों के बीच राजनीतिक और सामरिक स्तर पर गहरा तालमेल बना हुआ है।

ईरान का यह बयान उन कयासों को और पुख्ता करता है जो पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय गलियारों में लगाए जा रहे थे। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस ओर इशारा किया था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस युद्ध में ईरान की परोक्ष रूप से मदद कर रहे होंगे। ट्रंप का मानना है कि रूस संभवतः यूक्रेन युद्ध में अमेरिका द्वारा दी जा रही सहायता के जवाब में ईरान को अमेरिकी सैन्य ठिकानों से जुड़ी संवेदनशील खुफिया जानकारी साझा कर रहा है। ईरान के इस नए दावे ने अब इस संदेह को हकीकत के करीब ला खड़ा किया है, जिससे पश्चिम एशिया का यह क्षेत्रीय संघर्ष अब वैश्विक शक्तियों के बीच प्राक्सि वार या छद्म युद्ध में तब्दील होता दिख रहा है।

इस बीच, ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह फिलहाल किसी भी तरह के समझौते के मूड में नहीं है। विदेश मंत्री अराघची ने बातचीत की संभावनाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि युद्ध तभी रुकेगा जब भविष्य में किसी भी हमले की पुनरावृत्ति न होने की पुख्ता गारंटी दी जाएगी।

ईरान ने खाड़ी देशों में हुए हमलों पर अपनी स्थिति साफ करते हुए कहा कि तेहरान की सैन्य कार्रवाइयां केवल अमेरिकी ठिकानों और उनके हितों तक ही सीमित हैं। उन्होंने पड़ोसी अरब देशों के नागरिक क्षेत्रों पर हमले के आरोपों को खारिज करते हुए इसे इजरायल की साजिश बताया। अराघची ने एक सनसनीखेज दावा यह भी किया कि अमेरिका ने ईरान के शाहिद ड्रोन की तर्ज पर लुकास नामक नया ड्रोन विकसित किया है, जिसका इस्तेमाल अरब देशों को निशाना बनाने और ईरान को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि ईरान के तेल क्षेत्रों या ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाया गया, तो वे क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी कंपनियों के ठिकानों पर सीधा हमला करने से पीछे नहीं हटेंगे।

रसोई गैस आपूर्ति पर राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोक झोंक

नयी दिल्ली 16 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम एशिया संकट के कारण देश में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने का मुद्दा सोमवार को सदन में उठाया जिस पर नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने यह कहते हुए विरोध किया कि कांग्रेस विपत्ति के समय भी राजनीति कर लोगों को भड़का रही है।

श्री खड़गे ने शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण हाहाकार मचा है और इससे विशेष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग तथा छोटे रेस्तरां प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत अपनी जरूरत की 60 प्रतिशत रसोई गैस आयात करता है और इसमें से भी 90 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आती है।

श्री खड़गे ने कहा कि आपूर्ति प्रभावित होने से सामुदायिक किचन बंद करने पड़ रहे हैं और सिलेंडर की कीमत भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि सरकार यह दावा कर रही है कि देश में गैस सिलेंडर की कमी नहीं है और लोग अफवाहों पर ध्यान ना दें तो फिर यह लाइन क्यों लग रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट के मध्य नजर जब सरकार वहां रह रहे भारतीयों के लिए परामर्श जारी कर रही थी तो आपूर्ति के लिए भी वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई और आपूर्ति क्यों नहीं बढ़ाई गई। सदन के नेता श्री नड्डा ने कहा कि यह शून्य काल है और इसमें हर सदस्य को तीन मिनट का समय अपनी बात कहने के लिए दिया जाता है लेकिन श्री खरगे नेता विपक्ष होने के बावजूद नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सभापति द्वारा श्री खरगे को अतिरिक्त समय दिए जाने के बावजूद उनके बोलते रहने पर श्री नड्डा ने कहा कि यह वैश्विक विपत्ति का समय है और इसमें भारत की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विपत्ति के समय भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है । उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सदन में पूरी स्थिति की जानकारी दी है लेकिन कांग्रेस के सदस्यों ने उसे समय उनकी बातों को नहीं सुना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश में शांतिपूर्ण स्थिति को भड़काकर अराजकता लाने का प्रयास कर रही है यह बहुत निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एक नेता सिलेंडर की जमाखोरी के मामले में भी पकड़ा गया है।

इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्य जोर-जोर से एक दूसरे का प्रतिवाद करते रहे।

जापान की पश्चिम एशिया में नौसैनिक सुरक्षा भेजने की फिलहाल कोई योजना नहीं : ताकाइची

टोक्यो, 16 मार्च (एजेंसियां)। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जापान ने जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए नौसैनिक पोत भेजने का कोई निर्णय नहीं लिया है।

संसद में बोलते हुए सुश्री ताकाइची ने कहा कि सरकार अभी भी इस बात की जांच कर रही है कि जापान की कानूनी संरचना के अंदर क्या क्या कदम उठाए जा सकते हैं और वह स्वतंत्र रूप से क्या कार्रवाई कर सकती है।

प्रधामंत्री ने कहा, हमने सुरक्षा जहाजों को भेजने के संबंध में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि जापान स्वतंत्र रूप से क्या कर सकता है और कानूनी संरचना के अंदर क्या किया जा सकता है।

सुश्री ताकाइची ने यह भी उल्लेख किया कि अमेरिका ने इस क्षेत्र में जहाजों की सुरक्षा में सहायता के लिए जापान से कोई औपचारिक अनुरोध नहीं किया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समाचार चैनलों से कहा था कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को टैंकर यातायात के लिए खुला रखने में सहायता के लिए सात देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

जापान ऊर्जा आयात के लिए पश्चिम एशिया पर बहुत ज्यादा निर्भर है इसके आयातित ऊर्जा संसाधनों का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए वहां के समुद्री मार्गों में स्थिरता महत्वपूर्ण हो जाती है।

थोक मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर 11 महीने के उच्चतम स्तर पर

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।तिलहन और खनिजों की कीमतों में भारी उछाल के साथ तंबाकू उत्पादों और बुनियादी धातुओं की कीमतों में वृद्धि से इस साल फरवरी में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 2.13 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

थोक महंगाई की यह दर पिछले साल मार्च के बाद सबसे अधिक है। मार्च 2025 में यह 2.25 प्रतिशत रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि फरवरी में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 2.19 प्रतिशत रही लेकिन गैर-खाद्य प्राथमिक उत्पादों की महंगाई दर 8.80 प्रतिशत रही। इसमें तिलहनों के दाम एक साल पहले की तुलना में 25 प्रतिशत और खनिजों के 11 प्रतिशत बढ़ गये। हालांकि कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में 2.56 प्रतिशत की नरमी रही। तंबाकू उत्पादों के दाम 6.28 प्रतिशत और कपड़ों के 3.29 प्रतिशत बढ़े। बुनियादी धातुओं की मुद्रास्फीति भी 4.35 प्रतिशत रही। खाद्य पदार्थों में सब्जियों के दाम सालाना 4.73 प्रतिशत, फलों के 3.57 प्रतिशत, दूध के तीन प्रतिशत और अंडे, मांस तथा मछलियों के दाम 5.36 प्रतिशत बढ़े हैं। प्याज की कीमत में फरवरी 2025 के मुकाबले 40.95 प्रतिशत और आलू में 27.42 प्रतिशत की गिरावट रही। दालें 5.92 प्रतिशत और गेहूं 2.44 प्रतिशत सस्ता हुआ। ईंधन एवं बिजली वर्ग में 3.78 प्रतिशत की गिरावट रही। यह लगातार तीसरा महीना है जब थोक मुद्रास्फीति शून्य से ऊपर रही है। जनवरी 2026 में यह 1.81 प्रतिशत और दिसंबर 2025 में 0.96 प्रतिशत रही थी। पिछले साल फरवरी में थोक महंगाई 2.45 प्रतिशत दर्ज की गयी थी।

दुबई हवाई अड्डे पर ड्रोन हमले के बाद उड़ानें निलंबित

दुबई, 16 मार्च (एजेंसियां)। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को ड्रोन हमले के बाद उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं। अधिकारियों ने हवाई अड्डे के पास आग लगने की घटना के बाद एहतियाती सुरक्षा उपाय के रूप में परिचालन रोक दिया।

दुबई नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम यात्रियों एवं हवाई अड्डे के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

प्राधिकरण ने एक बयान में कहा, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी उड़ानों के संबंध में नवीनतम जानकारी के लिए अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें, स्थिति की समीक्षा करने के बाद आधिकारिक चैनलों के माध्यम से आगे की जानकारी दी जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन हमले के कारण हवाई अड्डे की सीमा के पास आग लग गई जिसे आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत बुझा दिया। दुबई मीडिया कार्यालय ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों ने उड़ान संचालन को अस्थायी रूप से रोकने से पहले ही आग की घटना पर प्रतिक्रिया दी।

यह व्यवधान पश्चिम एशिया में फरवरी के अंत में अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच उत्पन्न हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप कई खाड़ी देशों में ड्रोन और मिसाइल हमले हुए हैं और हवाई क्षेत्र पर रुक-रुक कर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

क्षेत्रीय विमानन को पहले ही काफी व्यवधान का सामना करना पड़ा है, पिछली बार उड़ानों के निलंबन से दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे प्रभावित हुए थे जिसके परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में 1,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं।

दुबई से होकर गुजरने वाले भारत के कई यात्रियों सहित सभी यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपडेट उड़ान समय सारिणी की जानकारी एयरलाइन की वेबसाइटों या मोबाइल एप्लिकेशन से प्राप्त करें क्योंकि चल रही बाधाओं के बावजूद बुकिंग अभी भी सक्रिय चालू रह सकती है।

खेलो इंडिया मिशन से देशभर में खेल ढांचे को मजबूत किया जा रहा

नयी दिल्ली 16 मार्च (एजेंसियां)। सरकार ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि खेलो इंडिया मिशन के तहत देशभर में खेल ढांचे को मजबूत करने और युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय युवा एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि इस योजना के तहत देशभर में खेल ढांचे को मजबूत करने और युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शुरुआती स्तर से ही बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि हमारे हर जिले में खेलो इंडिया का सेंटर है जिसके लिए फंड उपलब्ध कराया जाता है। इसके माध्यम से ग्रास रूट स्तर पर प्रतिभावान खिलाड़ियों को चिह्नित करने में मदद मिली। खेलों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार राज्यों के साथ मिलकर काम कर रही है।

केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि अगर समाजवादी पार्टी खुद सांसद खेल महोत्सव आयोजित करना चाहती है तो इसमें मंत्रालय की जांच की जरूरत नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा युवाओं से जुड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था और इसके आयोजन में केंद्र सरकार या खेल मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का मकसद युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना है। प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने उत्तर प्रदेश में आयोजित सांसद खेल महोत्सव को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में विपक्षी सांसदों को आमंत्रित नहीं किया गया, जिससे असंतोष पैदा हुआ है। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या खेल मंत्रालय को इस बारे में जानकारी है और क्या इसकी जांच कराई जाएगी।

मसालों, फूलों की पैदावार में भारी उछाल

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। देश में मसालों, फूलों और औषधीय पौधों जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है जिससे घरेलू उपलब्धता मजबूत होने की उम्मीद है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि देश में मसालों की खेती का रकबा भी बढ़ा है और इसका क्षेत्रफल 50.24 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 2024-25 में 50.93 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है। मसालों की कुल पैदावार 124.84 लाख टन से बढ़कर 129.93 लाख टन तक पहुँच गयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफ़ेसर महमूदाबाद के ख़िलाफ़ आपराधिक कार्यवाही समाप्त की

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर अली खान महमूदबाद के ख़िलाफ़ 'ऑपरेशन सिंदूर' पर उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चल रही आपराधिक कार्यवाही समाप्त दी। इससे पहले हरियाणा सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया था कि उसने प्रोफ़ेसर के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए मंज़ूरी देने से इनकार कर दिया है।

हरियाणा पुलिस ने पिछले साल मई में प्रोफ़ेसर महमूदबाद को गिरफ़्तार किया था। यह मामला प्रोफ़ेसर महमूदबाद के ख़िलाफ़ दर्ज एक प्राथमिकी से जुड़ा था, जिसमें उन पर भारत में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले बर्ताव को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ टिप्पणियां करने का आरोप था। ये टिप्पणियां 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रेस ब्रीफ़िंग का नेतृत्व करने वाली कर्नल सोफ़िया ़रैशी की तारीफ़ के संदर्भ में की गयी थीं।

होर्मुज जलडमरूमध्य से रवाना एलपीजी जहाज 'शिवालिक' आज भारत पहुंचेगा

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास कई दिनों तक फंसे रहने के बाद एलपीजी से लदा भारतीय जहाज 'शिवालिक' अब भारत के समुद्री तट पर उतरने वाला है।

40,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी ले जा रहे इस जहाज के गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर लंगर डालने की उम्मीद है, जिससे पश्चिम एशिया संकट के कारण बाधित हुई घरेलू आपूर्ति को बहुत जरूरी राहत मिलेगी।

यह एलपीजी वाहक वर्तमान में भारतीय नौसेना के संरक्षण में है, जो भारत की ओर अपनी यात्रा के अगले चरण के दौरान इस जहाज को सुरक्षा प्रदान कर रही है।

इसी बीच एक अन्य एलपीजी टैंकर 'नंदा देवी' ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है।

शनिवार को एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्लू) के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि फारस की खाड़ी में परिचालन कर रहे भारतीय जहाज सुरक्षित हैं और शिपिंग गतिविधियों की निरंतर बारीकी से निगरानी की जा रही है।

श्री सिन्हा ने बताया कि भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी वाहक 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' ने शनिवार तड़के सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया था और अब भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ये लगभग 92,700 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आ रहे हैं। इनके 16 और 17 मार्च को मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों पर पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने आगे जोड़ा कि वर्तमान में फारस की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 22 जहाज परिचालन में हैं और अधिकारी शिपिंग कंपनियों और भारतीय मिशनों के साथ समन्वय में स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

पिछले सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी में एक मीडिया कॉन्क्लेव के दौरान ईरानी राजदूत मोहम्मद फथाली ईरान ने कहा था कि उनके देश ने दोनों देशों के बीच 'पुरानी दोस्ती' के कारण कई भारतीय जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी है।

उन्होंने कहा, हमने कुछ जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी है, लेकिन हम इस समय यह नहीं बता सकते कि कितने। मैं भविष्य में इस मुद्दे पर गौर करूंगा। ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंध और साझा हित हैं।

इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सामान्य आवाजाही बहाल करने में मदद के लिए ईरान के संपर्क में है, जो एक प्रमुख समुद्री मार्ग है और दुनिया के तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा यहीं से गुजरता है।

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, गृह सचिव को हटाए जाने के विरोध में तृणमूल का राज्यसभा से बहिर्गमन

नयी दिल्ली 16 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा राज्य के मुख्य सचिव और गृह सचिव को उनके पद से हटाए जाने के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने सोमवार को राज्यसभा से दिन भर के लिए बहिर्गमन किया।

सदन में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ' ब्रायन ने जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद शून्य काल से पहले यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि रात के अंधेरे में राज्य के मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और गृह सचिव को चुनाव आयोग द्वारा हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग का अधिकार है लेकिन उनकी पार्टी इसका कड़ा विरोध करती है और इसके विरोध में दिन भर के लिए सदन से बहिर्गमन कर रही है। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सदन से बाहर चले गए।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह चुनाव आयोग का फैसला है और सदन का इससे कुछ लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को यह शक्ति संविधान ने दी है और इस मामले को सदन में उठाने का कोई औचित्य नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने की आदत बना रखी है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने बिना बात के मुद्दे पर सदन का समय बर्बाद किया है।

आर्मेनिया ने 550 से अधिक भारतीय नागरिकों को ईरान से निकालने में मदद की

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। आर्मेनिया ने ईरान में फंसे 550 से अधिक भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में भारत की मदद की है।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोमवार को ईरान से अब तक 550 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में सहयोग के लिए आर्मेनिया सरकार और वहां के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, ईरान से अब तक 550 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी की सुविधा प्रदान करने के लिए आर्मेनिया की सरकार और लोगों को धन्यवाद। इन चुनौतीपूर्ण समय में उनके समर्थन की सराहना करता हूं।

एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दुबई की उड़ानें की रद्द

नयी दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को ड्रोन हमले की एक घटना के कारण हवाई अड्डे से उड़ान संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। इस व्यवधान के कारण, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को दुबई से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें आज के लिए रद्द करनी पड़ी। विमान कंपनियों ने कहा है कि प्रभावित यात्रियों को या तो अपनी यात्रा बाद की तारीख के लिए दोबारा बुक करने या अपने टिकट रद्द करने और बिना किसी अतिरिक्त लागत के पूरा रिफंड प्राप्त करने का विकल्प दिया जाएगा।

व्हाइट गाउन पहन ऑस्कर पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा

98 वें अकादमी पुरस्कार समारोह में देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा का जलवा देखने को मिला। उनकी किसी फिल्म ने अवॉर्ड नहीं जीता, लेकिन वे पहली भारतीय अभिनेत्री हैं जिन्हें ऑस्कर जैसे ग्लोबल अवॉर्ड फंक्शन में अवॉर्ड प्रेजेंट करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने अभिनेता जेवियर बार्डेम के साथ मिलकर बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म का अवॉर्ड 'सेंटिमेंटल वैल्यू' को दिया। जोआकिम ट्रायर के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक पिता और उसकी दो बेटियों के बीच के जटिल और तनावपूर्ण संबंधों को दर्शाती है। फिल्म की कहानी उन अनसुलझे पारिवारिक विवादों और कलात्मक विरासत के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनसे यह परिवार जूझ रहा है। नॉर्वे की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक ऐसे प्रतिष्ठित फिल्मकार की यात्रा है, जो अपने नई फिल्म प्रोजेक्ट पर काम करने के साथ-साथ अपने परिवार के साथ बिगड़े रिश्तों को सुधारने का प्रयास करता है।

अवॉर्ड शो में ही प्रियंका स्टेज पर पहुंची, और वैसी ही जेवियर बार्डेम ने माइक पर गरजते हुए कहा, फिलिस्तीन को आज़ाद करो। ऑस्कर के लिए अभिनेत्री ने खास तौर पर एक व्हाइट ऑफ-शोल्डर गाउन में नजर आईं, जिसे डिजाइनर डायोर ने डिजाइन किया। गाउन को क्लासिक हॉलीवुड शैली और आधुनिक बारीकियों के साथ तैयार किया गया। गाउन का स्लिट शेप एक्ट्रेस की खूबसूरती पर चार चांद लगा रहा था। गाउन के बड़े घेर और लंबाई ने प्रियंका को शाही लुक दिया।

गाउन के निचले हिस्से पर, काले और सफेद रंग के ट्यूल की डिटेलिंग ने किसी ब्राइडल गाउन जैसी थी। एक्ट्रेस ने गाउन के साथ डायमंड का लाइटवेट नेकलेस कैरी किया। प्रियंका का ओवरऑल लुक शानदार रहा, जबकि निक जोनस ब्लैक एंड व्हाइट थ्री पीस में नज़र आए कपल ने रेड कार्पेट पर अपनी ट्वविनिंग के साथ सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं।

बता दें कि लॉस एंजिल्स के हॉलीवुड स्थित डॉल्बी थिएटर में 98वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह का आयोजन हुआ। इस साल ऑस्कर समारोह की मेजबानी लेट-नाइट होस्ट कॉनन ओ'ब्रायन ने की, जिन्होंने 2025 के शो की भी मेजबानी की थी। निर्देशक रयान कूगलर की फिल्म 'सिनर्स' इस बार बेस्ट फिल्म, बेस्ट निर्देशक और अभिनेता सहित 16 श्रेणियों में पुरस्कार जीतने की दौड़ में सबसे आगे है।

वन बैटल आफ्टर अनदर : थॉमस पिंचन के वाइनलैंड से प्रेरित है 6 ऑस्कर जीतने वाली फिल्म

98 वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर 2026) इवेंट में पॉल थॉमस एंडरसन की फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने 6 ऑस्कर अपने नाम कर इतिहास रच दिया। इस फिल्म ने कुल 13 नामांकन हासिल किए थे और बेस्ट पिक्चर, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर, बेस्ट एडाप्टेड स्क्रीनप्ले, बेस्ट कास्टिंग और बेस्ट एडिटिंग में जीत दर्ज की। बेस्ट पिक्चर का अवॉर्ड फिल्म के निर्माताओं को मिला, जबकि पॉल थॉमस एंडरसन को बेस्ट डायरेक्टर, शॉन पेन को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर, कैसेंड्रा कुलुकुंडिस को बेस्ट कास्टिंग और एंडरसन को ही बेस्ट एडाप्टेड स्क्रीनप्ले का पुरस्कार मिला। यह फिल्म थॉमस पिंचन के 1990 के उपन्यास 'वाइनलैंड' से प्रेरित है, लेकिन एंडरसन ने इसे अपनी शैली में ढालकर एक आधुनिक मनोवैज्ञानिक डॉर्क कॉमेडी एक्शन-थ्रिलर बनाया। कहानी एक पूर्व क्रांतिकारी (लियोनार्डो डिकैप्रियो) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 16 साल बाद अपने पुराने दुश्मन (शॉन पेन) के लौटने पर अपनी किडनैप हुई बेटी को बचाने के लिए पुराने दौर में लौटता है। फिल्म 1960 के दशक के विद्रोह, काउंटरकल्चर, भ्रष्ट सैन्य अधिकारी और पारिवारिक संघर्षों को दिखाती है। एंडरसन 2000 के दशक से 'वाइनलैंड' को स्क्रीन पर लाना चाहते थे, लेकिन अंत में उन्होंने अपनी कहानियां जोड़कर इसे अलग अंदाज में बनाया। फिल्म की शूटिंग जनवरी से जून 2024 तक कैलिफोर्निया में विस्टाविजन फॉर्मेट (एक तरह की सिनेमाई तकनीक) में हुई, जो क्लासिक फॉर्मेट की बड़ी फिल्मों में से एक है। जानकारी के अनुसार, फिल्म का बजट 130-175 मिलियन डॉलर था, जो एंडरसन की अब तक की सबसे महंगी फिल्म बनी। 8 सितंबर 2025 को टीसीएल चाइनीज थिएटर में प्रीमियर के बाद 26 सितंबर को फिल्म रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 200 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई करने में सफल रही, जो उम्मीद से कम था लेकिन एंडरसन की सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म रही।

अमेरिका की नेशनल सोसायटी ऑफ फिल्म क्रिटिक्स ने इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म घोषित किया। यह फिल्म टॉप 10 फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है। स्टारकास्ट में लियोनार्डो डिकैप्रियो, शॉन पेन, बेनिसियो डेल टोरो, रेजिना हॉल, टेयाना टेलर और डेब्यू में चेस इन्फिनिटी हैं। समीक्षकों ने फिल्म की जमकर तारीफ की। इसने क्रिटिक्स चॉइस में 3, गोल्डन ग्लोब्स में 4, बाफ्टा में 6 और कई अन्य अवाड्र्स जीते।

अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट ने इसे साल 2025 की टॉप 10 फिल्मों में शामिल किया और नेशनल बोर्ड ऑफ रिव्यू से 5 पुरस्कार मिले। फिल्म खास इसलिए है क्योंकि यह पिंचन की पैरानॉइया, राजनीतिक व्यंग्य और अमेरिकी इतिहास की थीम्स को आधुनिक संदर्भ में लाती है।

टैलेंट शो से करियर शुरू करने वाली जेसी बकले के सिर सजा ऑस्कर का ताज

आयरिश अभिनेत्री जेसी बकले ने अपनी शानदार बहुमुखी प्रतिभा, बोल्ड अभिनय और गायन से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई है। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'हैमनेट' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का प्रतिष्ठित ऑस्कर अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। यह अभिनेत्री का पहला ऑस्कर अवॉर्ड है, जो इस श्रेणी में जीतने वाली पहली आयरिश अभिनेत्री बनी है। जेसी बकले ने फिल्म में विलियम शेक्सपियर की पत्नी एग्नेस का किरदार निभाया है। 'हैमनेट' क्लोई झाओ द्वारा निर्देशित एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है, जो मैगी ओ'फारेल के उपन्यास पर आधारित है। यह फिल्म विलियम शेक्सपियर (पॉल मेस्कल) और उनकी पत्नी एग्नेस हैथवे (जेसी बकले) के जीवन पर केंद्रित है, जो अपने 11 वर्षीय बेटे हैमनेट की असामयिक मृत्यु के बाद गहरे शोक और पारिवारिक उथल-पुथल से गुजरते हैं।

दर्शकों और आलोचकों ने फिल्म में जेसी की परफॉर्मेंस ने सभी के दिल को छुआ। इस अभिनय में भावनाओं पर काबू और गहराई की जरूरत थी, जो कि किरदार के अंदरूनी संघर्ष और हिम्मत को दिखाता है। फिल्म का ज्यादातर भावनात्मक भार उनके अभिनय पर निर्भर था।

अवॉर्ड जीतने के बाद अभिनेत्री बहुत भावुक नजर आईं। वह स्टेज की तरफ जाते-जाते रो पड़ीं। अपने आंसुओं को छुपाते हुए जेसी ने गेस्ट को संबोधित किया और अपनी टीम के लिए आभार जताया।

क्लोई झाओ द्वारा निर्देशित फिल्म 'हैमनेट' ने कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं, जिसमें 83वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ मोशन पिक्चर-ड्रामा शामिल है। साथ ही, इसने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पीपल्स चॉइस अवॉर्ड और 79वें ब्रिटिश अकादमी फिल्म पुरस्कार में उत्कृष्ट ब्रिटिश फिल्म का पुरस्कार भी जीता है।

जेसी बकले ने अपने करियर की शुरुआत साल 2008 में की थी। दरअसल, उन्हें सबसे पहले बीबीसी के टैलेंट शो 'आईड डू एनीथिंग' में देखा गया था। इसके बाद उन्होंने रंगमंच से लेकर फिल्मों तक का सफर तय किया। अभिनेत्री को अब तक 'वाइल्ड रोज' (2018), 'चेर्नोबिल' (2019), 'आई एम थिंकिंग ऑफ एंडिंग थिंग्स' (2020), और 'द लॉस्ट डॉटर' (2021) में उनकी भूमिकाओं के लिए सराहा गया।

इसी के साथ ही, अपने बेहतरीन काम के लिए जेसी को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। साल 2022 में, उन्होंने 'वाइल्ड रोज' के लिए बाफ्टा पुरस्कार जीता और 'द लॉस्ट डॉटर' के लिए ऑस्कर नामांकन प्राप्त किया था। हालांकि, उस दौरान वह ऑस्कर के लिए चूक गई थी।

मुश्किल वक्त को खुद पर हावी नहीं होने देता : राजपाल यादव

मुश्किल दौर से हाल ही में निकले कमीडियन व अभिनेता राजपाल यादव ने मुश्किल समय में अपनी भावनात्मक मजबूती और सकारात्मक सोच के बारे में खुलकर बात की। पिछले कुछ महीनों से चल रहे कानूनी मामलों और निजी परेशानियों के बावजूद एक्टर ने हिम्मत नहीं हारी और काम पर पूरा फोकस रखा। आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखी। राजपाल यादव से पूछा गया कि क्या ये चुनौतियां उनके काम और मनोबल पर असर डालती हैं। तो उन्होंने बताया, हर दिन एक नई शुरुआत होती है। हर दिन काम का दिन होता है। हर दिन एक नया दिन होता है।

एक्टर ने कहा कि वह मुश्किलों को खुद पर हावी नहीं होने देते, बल्कि हर सुबह नई उम्मीद के साथ उठते हैं और अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बातचीत में सकारात्मकता के लिए ईश्वर का आभार भी जताया। राजपाल यादव ने कहा, भगवान सबका भला करे। आजादी से सब सांस लें।

इससे पहले एक्टर ने बताया था कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने बताया कि ऐसी खबरें फैलाने वाले ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं।

राजपाल ने इस दौरान मुश्किल समय में मिले सहारे की भी बात की। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में इंडस्ट्री के कई लोग उनके साथ खड़े हुए और उनकी मदद की।

गौरतलब है कि राजपाल यादव को हाल ही में चेक बाउंस के एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। कोर्ट ने उन्हें अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए 18 मार्च तक की अंतरिम बेल दी। सुनवाई के दौरान राजपाल के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि एक्टर ने 1.5 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा कर दिया है। साथ ही, उन्हें अपना पासपोर्ट भी सरेंडर करने का निर्देश दिया गया। इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित है।

कैंसर मरीजों के लिए रैंप पर उतरे इब्राहिम अली खान, प्रतिभा रांटा और कुब्रा सैत

अभिनेता इब्राहिम अली खान, प्रतिभा रांटा और कुब्रा सैत हाल ही में 'केयरिंग विथ स्टाइल 2026' नामक एक चैरिटी फैशन इवनिंग में रैंप पर वॉक करते नजर आए। यह वार्षिक कार्यक्रम हर वर्ष कैंसर पेशेंट एड असोसिएशन द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य कैंसर मरीजों के लिए जागरूकता बढ़ाना और उनके समर्थन के लिए पहल को प्रोत्साहित करना है। इस खास मौके पर तीनों कलाकार फैशन लेबल 'आईटीअ-रएच' के लिए शोस्टॉपर बने थे। डिजाइनर मोहित रायऔर ऋद्धि बंसल द्वारा स्थापित इस लेबल ने इस कार्यक्रम में अपनी पांच साल की यात्रा का जश्न मनाते हुए एक विशेष कलेक्शन पेश किया। रैंप पर अपनी अलग-अलग शैली

और मौजूदगी के साथ इब्राहिम, प्रतिभा और कुब्रा ने इस शाम को और भी खास बना दिया। उनकी मौजूदगी ने न सिर्फ इवेंट में स्टार पावर जोड़ी, बल्कि उस बड़े उद्देश्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसके लिए यह आयोजन किया जाता है।

कार्यक्रम के तुरंत बाद रैंप वॉक की झलकियां सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगीं। फ़िलहाल अभिनेताओं के वॉक के वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट पर खूब चर्चा में बनी हुई है। फैन पेज से लेकर एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स तक, इस शोकेस के कई पल ऑनलाइन साझा किए गए, जहां लोगों ने न सिर्फ कलाकारों की रैंप प्रेजेंस की तारीफ की, बल्कि इस सार्थक पहल की सराहना भी की।

10 साल की मेहनत के बाद दंगल गर्ल ने खरीदा अपने सपनों का महल

गृहप्रवेश पर कराया होम टूर

अपना खुद का घर लेना हर किसी के लिए गर्व से भर देने वाला पल होता है। खासकर जब आप अपने माता-पिता के रहते हुए उन्हें खुद के खरीदे आलीशान घर में लाएं। ऐसी ही खुशी से भरी फीलिंग सान्या मल्होत्रा महसूस कर रही हैं, जिन्होंने 10 साल की मेहनत के बाद अपना खुद का आलीशान घर लिया है और अपने फैंस को अपने घर का होम टूर भी कराया है। 'दंगल' से करियर की शुरुआत करने वाली सान्या को इंडस्ट्री में आए 10 साल हो चुके हैं। प्रोफेशनल फ्रंट पर अभिनेत्री ने अपनी मजबूत पहचान बनाई है, और अब इसी मेहनत के बलबूते पर खुद का बड़ा और खूबसूरत घर खरीदकर अपने एक और सपने को पूरा कर लिया है। अभिनेत्री ने अपने गृहप्रवेश की फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो अपने माता-पिता के साथ खुश दिख रही हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने घर के कोने-कोने की खूबसूरती की फोटो डाली है, जिसका इंटीरियर बहुत एलिगेंट और कूल वाइब दे रहा है। नए घर के साथ अभिनेत्री ने अपने इमोशंस को भी साझा किया है।

उनका कहना है कि यह उनकी सालों की मेहनत का फल है, जो आज आकर मिला है। उन्होंने अपने परिवार और दोस्तों को अपनी सबसे बड़ी ताकत भी बताया। उन्होंने लिखा, हर हर महादेव। सालों के सपने, मेहनत, सीखना और विकास। इस घर की हर दीवार मुझे याद दिलाएगी कि धैर्य और विश्वास का परिणाम कितना सुंदर हो सकता है और इन सबमें मेरे परिवार व दोस्तों का भरोसा हमेशा मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है।

उन्होंने लिखा, यह सिर्फ एक घर से कहीं बढ़कर है। यह मेरी यात्रा का एक छोटा सा हिस्सा है। मेरे घर में आपका स्वागत है। बता दें, सान्या ने सिर्फ पर्सनल लाइफ में ही नहीं बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी खुद को अच्छे से ग्रो किया है। उनकी ओटीटी फिल्म 'कटहल' और 'मिसेज' के लिए उन्होंने कई अवॉर्ड अपने नाम किए। मिसेज में उनके द्वारा निभाए गए किरदार ऋचा के किरदार को खूब सराहा गया। उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट एक्ट्रेस, शोशा रील अवाड्र्स 2026 में शोशा रील अवाड्र्स 2026 और न्यू यॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 में भी बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब इसी फिल्म के लिए दिया गया था।

रौद्र संवत्सर में दिखेंगे बड़े उतार-चढ़ाव

गुरु होंगे 'राजा' और मंगल संभालेंगे 'मंत्री' पद

चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से चैत्र नवरात्रि एवं नवसंवत्सर प्रारंभ होता है। श्रद्धालु मां आदिशक्ति की पूजा आराधना करते हैं। देवी मंदिरों एवं आश्रमों में धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। प्रतिपदा पर सर्वार्थ सिद्धि योग एवं उत्तराभाद्रपद नक्षत्र रहेगा। रामनवमी 26 मार्च को मनाई जाएगी। सनातन धर्म में शारदीय नवरात्र की तरह चैत्र नवरात्र का विशेष महत्व है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से विक्रम संवत 2083 शुरू हो जाएगा। नए साल के राजा गुरु और मंत्री मंगल होंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ब्रह्मांड का मंत्रिमंडल आगामी 19 मार्च से प्रभावी रहेगा। नए संवत्सर में राजा की गद्दी देवगुरु बृहस्पति को मिलने जा रही है। वहीं, चंद्रमा को तीन मंत्रालय मिलेंगे और मंगल को सिर्फ मंत्री के पद से संतोष करना पड़ेगा, जबकि सूर्य और शुक्र को कोई भी जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। बृहस्पति के राजा बनने और वित्त, कृषि व पेट्रोलियम मंत्रालय की जिम्मेदारी भी मिलने के चलते नये व्यापारिक मार्ग खुलेंगे। बारिश तय समय पर होने से फसल अच्छी रहेगी। हालांकि साइबर ठगी की घटनाओं का ट्रेंड बदलेगा।

हिंदू धर्म में नव वर्ष विक्रम संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है। इस बार 19 मार्च 2026 से नव विक्रम संवत्सर 2083 आरंभ होगा। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्रि भी आरंभ होतीं हैं। इस नवसंवत्सर 2083 को रौद्र नामक संवत्सर के रूप में जाना जाएगा। वैदिक पंचांग की गणना के अनुसार वर्ष 2026 में हिन्दू नववर्ष (विक्रम संवत 2083) का आगाज 19 मार्च, गुरुवार से होने जा रहा है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाने वाला 'गुड़ी पड़वा' इस बार विशेष ज्योतिषीय संयोग लेकर आ रहा है। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का भी शुभारंभ होगा, जो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव 'राम नवमी' तक चलेगा। नव संवत्सर 2083 के शुरू होते ही ब्रह्मांडीय सत्ता और ग्रहों के मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल देखने को मिलेगा, जिसका सीधा प्रभाव जनजीवन और प्रकृति पर पड़ेगा।

रौद्र संवत्सर

विक्रम संवत 2083 का नाम 'रौद्र' रहेगा। हिंदू ज्योतिष में प्रत्येक वर्ष का एक विशिष्ट नाम होता है, जो उसके संभावित स्वभाव और परिणामों का संकेत देता है। इस बार नववर्ष का आरंभ उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में होगा और उस समय शुक्ल योग के साथ मीन लग्न रहेगा। 'रौद्र' शब्द का अर्थ तीव्र या उग्र प्रवृत्ति से जुड़ा माना जाता है। इसी आधार पर यह अनुमान लगाया जाता है कि वर्ष के दौरान प्राकृतिक, सामाजिक या राजनीतिक स्तर पर उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। यह देश और दुनिया में नरसंहार लेकर आएगा। मध्य एशिया में नरसंहार जारी है और अब यह दक्षिण एशिया में भी देखा जाएगा। इस दौरान मौसम में भारी बदलाव होगा और किसी बड़े भूकंप के आने या ज्वालामुखी फटने के संकेत भी मिलते हैं।

रौद्र संवत्सर मंत्रिमंडल

राजा गुरु
मंत्री मंगल
कृषिमंत्री (सश्येष) गुरु
खाद्य मंत्री (धान्येश) बुध
जलदाय मंत्री (मेघेश) चंद्रमा
उद्योग व खनिज मंत्री (रसेश) शनि
पेट्रोलियम मंत्री (नीरसेश) गुरु
वन व पर्यावरण मंत्री (फलेश) चंद्रमा
वित्तमंत्री(धनेश) गुरु
गृहमंत्री (दुर्गेश) चंद्रमा

भारत पर प्रभाव

स्थिति और संवत्सर के राजा गुरु और मंत्री मंगल के प्रभाव से भारत में विभिन्न घटनाएं घटित होंगी। भारत की राजनीति में बडे. परिवर्तन देखने को मिलेंगे। भारत में पाकिस्तानी आतंकवादी हमला होने की संभावना प्रबल है। पंजाब, बंगाल, कश्मीर, ओड़िसा और पूर्वोत्तर राज्य में समस्या उत्पन्न हो सकती है। भारत में जन आंदोलन हो सकता है जो भारत की राजनीति को अस्थिर करेगा। किसी घटना-दुर्घटना बड़ी जनहानि होने की संभावना है। भारत की सीमाओं पर तनाव बढ़ जाएगा। भारत में प्रदूषण अपने चरम पर होगा, मौसम और हवाओं से लोग परेशान रहेंगे। प्राकृतिक आपदाएं भूकंप, बाढ़,जल प्रलय की घटनाएं बढ़ जाएगी।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

इस साल भारत किसी बड़ी खोज या नई तकनीक से दुनिया का ध्यान खींच सकता है। गुरु और मंगल का संयोग कुछ विशेष परिवर्तनकारी घटनाओं का रहेगा,साथ ही गुरु की अतिचारी गति भी बहुत प्रभावित करेगी। ज्योतिष शास्त्र में इस तरह का संयोग असामान्य परिस्थितियों और तीव्र घटनाक्रमों का घातक माना जाता है। इस वर्ष प्रकृति में भी असाधारण हलचल देखने को मिल सकती हैं प्राकृतिक घटनाएं, मौसम में उतार-चढ़ाव और वातावरण में बदलाव लोगों को प्रभावित करेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष साइबर अपराधों में वृद्धि होने की संभावना है।

सतर्क रहने की आवश्यकता

तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ डिजिटल सुरक्षा को लेकर लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर समाज में धर्म और आध्यात्मिक प्रवृत्तियों का विस्तार भी देखने को मिलेगा। धार्मिक कार्यों, पूजा-पाठ और आध्यात्मिक चिंतन की ओर लोगों का झुकाव बढ़ेगा। जो व्यक्ति धार्मिक और संयमी जीवन जीते हैं, उनके लिए यह वर्ष विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो सकता है। भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है सूर्य का प्रकोप अधिक रहेगा, जिससे तापमान में असामान्य वृद्धि हो सकती है इसके बावजूद किसानों के लिए यह वर्ष सकारात्मक परिणाम देने वाला माना जा रहा है। कृषि क्षेत्र में सुधार, फसल उत्पादन में वृद्धि और मेहनत का फल मिलने के योग बन रहे हैं। परिवर्तन, संघर्ष और आध्यात्मिक उन्नति का वर्ष होगा। यह समय संयम, सतर्कता और धर्म के मार्ग पर चलने वालों के लिए उन्नति और सफलता का संदेश लेकर आएगा।

सफलता और चुनौतियों का मिश्रण

राजा बृहस्पति होने के कारण देश में आध्यात्मिक उन्नति और ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में अकल्पनीय प्रगति होगी। विशेषकर कृषि और उत्पादन सेक्टर में रिकॉर्ड सफलता मिलने के योग हैं। हालांकि, मंगल के मंत्री होने से समाज में उग्रता, विवाद और रक्त संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। न्याय के देवता शनि की दृष्टि के कारण खनिज और तेल क्षेत्रों में कुछ प्रतिकूल प्रभाव दिख सकते हैं।

आर्थिक और वैश्विक प्रभाव

चंद्रमा की स्थिति एक सफल मानसून की ओर संकेत कर रही है, लेकिन बुध के प्रभाव से महंगाई में तेजी आ सकती है। सोना और चांदी (स्वर्ण-रजत) की कीमतों में भारी उछाल और उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। सरकारी राजकोष में वृद्धि होगी, लेकिन सुरक्षा और स्वास्थ्य मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

राशियों के लिए शुभ

हिंदू नव वर्ष चार राशियों के लिए बेहद शुभ साबित हो सकता है। इस साल में गुरु और मंगल के प्रभाव के चलते मेष, वृश्चिक, धनु और मीन वालों को अनुकूल परिणाम मिलेंगे। इन राशियों को करियर के क्षेत्र में उन्नति मिलेगा और धन लाभ के भी योग बनेंगे। रोजगार के नए साधन इनको मिल सकता है। पदोन्नति और समाजिक स्तर पर आपका मान-सम्मान बढ़ने की भी संभावना है। राजनीति के क्षेत्र में हैं तो आपके शुभचिंतकों की संख्या बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन भी सुखमय रहे।

करें पूजा-पाठ और दान

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ग्रहों के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

तंत्र की देवी मां तारा-तारिणी के दर्शन से बदल जाती है किस्मत, चैत्र नवरात्र पर निकलती है भव्य यात्रा

हमारे देश में धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को दिखाते हुए शक्तिपीठ और सिद्धपीठ मंदिर मौजूद हैं, लेकिन कुछ मंदिर ऐसे हैं, जहां दर्शन मात्र के साथ ही किस्मत बदल जाती है। ऐसा ही मंदिर उड़ीसा की धरती पर मौजूद है, जिसकी गिनती 51 शक्तिपीठों में होती है। माना जाता है कि इस मंदिर में दर्शन के बाद सोई हुई किस्मत भी जाग जाती है। हम बात कर रहे हैं मां तारा-तारिणी मंदिर की, जहां चैत्र महीने में विशेष यात्रा निकाली जाती है और लाखों की संख्या में श्रद्धालु अपने बच्चों को लेकर मंदिर पहुंचते हैं।

बहरामपुर से लगभग 30 किमी दूर कुमारी पहाड़ पर ऋषिकुल्या नदी के किनारे, एक छोटी पहाड़ी पर, जुड़वां देवियों तारा और तारिणी का मंदिर स्थित है।

पौराणिक कथाओं की मानें तो कहा जाता है कि यहां मां सती के स्तन गिरे थे, जिसके बाद यहां मां तारा और तारिणी की स्थापना हुई। इस मंदिर की गिनती देश के चार बड़े आदि शक्ति पीठों और तंत्र पीठों में होती है। स्थानीय मान्यता है कि अगर आप शत्रुओं से परेशान हैं या किसी तंत्र के प्रभाव में हैं, तो यहां आकर विशेष अनुष्ठान करने से सारी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

चैत्र नवरात्रि के आगमन के साथ ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ पहुंचती है क्योंकि मंदिर में चैत्र माह में यात्रा निकलती है और महीने में पड़ने वाले प्रत्येक मंगलवार को विशेष पूजा की जाती है। मां को नए वस्त्र पहनाकर खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। इतना ही नहीं नौ दिन भक्त खास कर चैत्र नवरात्रि में बच्चों का मुंडन कराने लिए भी आते हैं।

तारा-तारिणी मंदिर सिर्फ हिंदुओं की आस्था का प्रतीक नहीं है, माना जाता है कि बौद्ध धर्म के लोग मां तारा को अपनी देवी मानते हैं और मंदिर के निर्माण में उनकी भी सहभागिता रही थी। इसी कारण है कि मां तारा को बौद्ध तारा के नाम भी जाना जाता है।

मंदिर के स्थापत्य की बात करें तो मंदिर का मुख्य द्वार देखने में काफी रंगीन है, जिस पर पारंपरिक 'रेखा' शैली से जीवंत दिखने वाली प्रतिमाओं को उकेरा गया है। मंदिर में नक्काशीदार पैनल लगे हैं। मुख्य गर्भगृह में दो पत्थर से बनी प्रतिमाएं हैं जिन्हें मां तारा और तारिणी के रूप में पूजा जाता है। मां की प्रतिमा हमेशा गहनों से लदी रहती है और हर दिन उनका भव्य शृंगार किया जाता है।

पंचतत्वों का प्रतिनिधित्व करती हैं हमारी पांच उंगलियां, जानें सक्रिय करने के आसान तरीके

यह बात तो सभी जानते हैं कि हमारा शरीर पंचभूतों से मिला है, जिसमें धरती, आकाश, जल, अग्नि और वायु सम्मिलित हैं। यह पंचभूत हमारे शरीर में विद्यमान है और माना जाता है कि मृत्यु के बाद शरीर इन्हीं पंचतत्वों में विलीन हो जाता है। इन पंचतत्वों को हमारे शरीर में संतुलन और सक्रिय रखना भी बहुत जरूरी है क्योंकि उनके तार हमारी सेहत से जुड़े हैं। हमारे हाथ की पांचों उंगुलियां शरीर के पंचतत्वों का प्रतिनिधित्व करती हैं। अंगूठा पृथ्वी तत्व, तर्जनी वायु, मध्यमा आकाश, अनामिका अग्नि और कनिष्ठा जल का प्रतिनिधित्व करती हैं। इन पंचतत्वों का सक्रिय होना भी जरूरी है। पहले बात करते हैं पृथ्वी तत्व की। पृथ्वी तत्व को सक्रिय करने प्रकृति से जुड़ना बहुत जरूरी है। इसके लिए कोशिश करें कि हरियाली के साथ समय बिताए। इसके साथ नंगे पैर घास पर चलना, मिट्टी को हाथ लगाना, और बागवानी करना पृथ्वी तत्व को सक्रिय कर सकता है। वहीं वायु तत्व को सक्रिय करने के लिए सांस से जुड़े प्राणायाम करें। इसके लिए रोजाना खुली हवा में बैठकर अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम करें। इसके साथ ही आहार में कड़वी चीजों को शामिल करें।

आकाश तत्व को संतुलित करने के लिए ध्यान और मौन दोनों की प्रक्रिया को अपनाना चाहिए। इसके लिए ध्यान की मुद्रा में बैठकर ओम का उच्चारण करें। इससे मानसिक चेतना में वृद्धि होती है और मन को भी शांति मिलती है। वहीं अग्नि तत्व पाचन से जुड़ा है। इसको सक्रिय करने के लिए पेट से जुड़े योग करें, जैसे सूर्य नमस्कार, नौकासन और कपालभाति। इसके साथ ही हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन करें। अगर शरीर में पाचन क्रिया सही है तो शरीर के आधे रोग अपने आप ही ठीक हो जाते हैं।

पांचवा और आखिरी है जल तत्व। जल तत्व हमारे शरीर का सबसे जरूरी भाग है क्योंकि हमारे शरीर का 50-65 फीसदी हिस्सा पानी से बना है। जल तत्व को सक्रिय करने के लिए खूब सारा तरल लेना फायदेमंद होता है और साथ ही जल मुद्रा का अध्ययन करना भी प्रभावी होता है। इसके साथ ही स्विमिंग करने से भी जल तत्व सक्रिय होता है।

राजस्थान का एक ऐसा अनोखा मंदिर, जहां चूहों का जूठा प्रसाद ही माना जाता है सबसे पवित्र

राजस्थान अपनी शाही संस्कृति, किलों और मंदिरों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, लेकिन यहां एक ऐसा मंदिर भी है जो अपनी अनोखी परंपरा के कारण लोगों को हैरान कर देता है। यह मंदिर है बीकानेर से करीब 30 किलोमीटर दूर देशनोक नाम की जगह पर स्थित करणी माता मंदिर, जिसे स्थानीय लोग 'चूहों वाला मंदिर' भी कहते हैं। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहां हजारों चूहे खुलेआम घूमते हैं और इन्हीं चूहों का जूठा प्रसाद सबसे पवित्र माना जाता है। मंदिर के अंदर कदम रखते ही आपको एक अलग ही दुनिया देखने को मिलती है। यहां करीब 25 हजार से ज्यादा चूहे रहते हैं, जिन्हें स्थानीय लोग प्यार से 'काबा' कहते हैं। ये चूहे मंदिर के फर्श, दीवारों और हर कोने में आराम से घूमते नजर आते हैं। कई बार तो ये भक्तों के पैरों के ऊपर से भी गुजर जाते हैं। मान्यता है कि अगर कोई चूहा आपके पैर के ऊपर से गुजर जाए, तो इसे बहुत शुभ संकेत माना जाता है। इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालु दूध, मिठाई और अनाज चूहों को खिलाते हैं। खास बात यह है कि जब चूहे इन चीजों को खा लेते हैं, तो वही बचा हुआ भोजन भक्त प्रसाद के रूप में भी ले जाते हैं। लोगों का विश्वास है कि इस प्रसाद को खाने से देवी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

इस मंदिर की कहानी भी बेहद रोचक है। मान्यता के अनुसार, करणी माता को देवी दुर्गा का अवतार माना जाता है। कहा जाता है कि एक बार उनके सौतेले बेटे लक्ष्मण की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई। तब करणी माता ने मृत्यु के देवता यमराज से प्रार्थना की कि उनके बेटे को वापस जीवित कर दिया जाए। पहले तो यमराज ने मना कर दिया, लेकिन करणी माता की भक्ति और इच्छाशक्ति से प्रभावित होकर उन्होंने लक्ष्मण समेत सभी नर बच्चों को चूहे के रूप में पुनर्जन्म दे दिया, तभी से यह माना जाता है कि इस मंदिर में रहने वाले चूहे करणी माता के वंशजों के ही रूप हैं।

मंदिर से जुड़ी एक और मान्यता है कि यहां अगर आपको सफेद चूहा दिख जाए तो इसे बहुत शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि सफेद चूहे खुद करणी माता और उनके बेटों का प्रतीक हैं। इसलिए भक्त उन्हें देखने की बड़ी कोशिश करते हैं।

इस भव्य मंदिर का निर्माण बीकानेर के राजा महाराजा गंगा सिंह ने 20वीं सदी की शुरुआत में करवाया था। मंदिर संगमरमर से बना हुआ है और इसके दरवाजे चांदी के बने हैं, जिन पर देवी से जुड़ी कहानियों की सुंदर नक्काशी की गई है।

मंगलवार को मासिक शिवरात्रि, अमृतकाल रात में, जानें भद्रा का समय

सनातन धर्म में पंचांग का विचार करने के बाद ही शुभ-अशुभ समय का निर्धारण होता है। मंगलवार, 17 मार्च को देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती की आराधना को समर्पित मासिक शिवरात्रि है। यह दिन महादेव की पूजा-उपासना के लिए बेहद खास माना जाता है।

इस दिन भक्त उपवास रखकर शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और फूल चढ़ाते हैं। पंचांग के अनुसार इस दिन कई महत्वपूर्ण योग और समय भी हैं, जो पूजा-पाठ और नए कार्य की शुरुआत के लिए शुभ माने जाते हैं। दृक पंचांग के अनुसार, 17 मार्च को सूर्योदय 6 बजकर 29 मिनट पर होगा और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 30 मिनट पर होगा। तिथि की बात करें तो कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी सुबह 9 बजकर 23 मिनट तक रहेगी, उसके बाद चतुर्दशी शुरू हो जाएगी। यह चतुर्दशी ही मासिक शिवरात्रि के रूप में मनाई जाती है।

नक्षत्र शतभिषा रहेगा, जो अगले दिन सुबह 6 बजकर 9 मिनट तक प्रभावी रहेगा, फिर पूर्व भाद्रपद नक्षत्र शुरू होगा। योग सिद्ध सुबह 8 बजकर 15 मिनट तक रहेगा, उसके बाद साध्य योग शुरू होगा जो अगले दिन सुबह 6 बजकर 22 मिनट तक चलेगा। करण वणिज सुबह 9 बजकर 23 मिनट तक रहेगा, फिर विष्टि करण शाम 8 बजकर 59 मिनट तक प्रभावी रहेगा।

शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 53 मिनट से 5 बजकर 41 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 6 मिनट से 12 बजकर 54 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 18 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 28 मिनट से 6 बजकर 52 मिनट तक रहेगा। सबसे महत्वपूर्ण अमृतकाल रात 11 बजकर 1 मिनट से देर रात 12 बजकर 36 मिनट तक रहेगा, जो पूजा और जप के लिए सर्वोत्तम माना जाता है।

अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल दोपहर 3 बजकर 30 मिनट से 5 बजकर तक, यमगंड सुबह 9 बजकर 29 मिनट से 10 बजकर 59 मिनट तक, गुलिक काल दोपहर 12 बजकर 30 मिनट से 2 बजकर तक रहेगा। भद्रा सुबह 9 बजकर 23 मिनट से शाम 8 बजकर 59 मिनट तक और पञ्चक पूरे दिन प्रभावी रहेगा। आडल योग भी पूरे दिन रहेगा।

संपादकीय

गैस का संकट तो है

होर्मुज जलमार्ग पार करके एक भारतीय जहाज 'शिवालिक' 16 मार्च, सोमवार, को 'मुंद्रा पोर्ट' (गुजरात) पर पहुंचेगा। एक और जहाज 'नंदा देवी' 17 मार्च, मंगलवार, को 'कांडला बंदरगाह' (गुजरात) पर पहुंच सकता है। दोनों घरेलू गैस एलपीजी से लदे हुए हैं। दोनों जहाजों में 1.08 लाख मीट्रिक टन एलपीजी बताई गई है। यह भारत में मात्र एक दिन की गैस है। हमारी मासिक खपत 30 लाख टन है। एलपीजी के 11 अन्य जहाज भी होर्मुज पार करके भारत आने की उम्मीद में हैं। उनमें 4,15,000 टन एलपीजी बताई जा रही है। कच्चे तेल के 8 जहाज और एलएनजी के 3 जहाज भी प्रतीक्षारत हैं कि कब ईरान इजाजत देगा और वे भारत की तरफ प्रस्थान करेंगे। होर्मुज को लेकर भारत-ईरान का कोई नया करार नहीं हुआ है। भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। भारत 2019 तक ईरान से कच्चा तेल आयात करता था। उसकी आपूर्ति में परिवहन और बीमा निःशुल्क होते थे। 'रुपए' की मुद्रा में तेल की आपूर्ति होती थी और ईरान के करीब 60,000 करोड़ रुपए भारतीय बैंकों में जमा थे। अमरीका ने ईरान पर पाबंदियां थोपीं, तो भारत पर भी दबाव बनाया गया कि वह ईरान से तेल न खरीदे। हमने अमरीका का आदेश मान लिया और ईरान से तेल का आयात बंद कर दिया। उसी तरह रूस के तेल को काफी कम किया गया। अब संकट के दौर में ईरान और रूस दोनों को 'पुरानी दोस्ती' की दुहाई दी जा रही है। वे दोस्ती निभा भी रहे हैं। आभार ईरान और रूस...! अब सरकार बार-बार दावे कर रही है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, तो कुछ सवाल मौजू लगते हैं। जिनके घरों में पाइपलाइन से पीएनजी सप्लाई की जाती है, उन्हें एलपीजी कनेक्शन से वंचित क्यों किया जा रहा है? ऐसे कनेक्शन 1.62 करोड़ हैं। देश की आबादी में चुटकी भर संख्या...! बीती 13 मार्च को 88.8 लाख बुकिंग कराई गई, जबकि एक दिन की औसत बुकिंग 55 लाख रही है। क्या पूरी 'दहशतपूर्ण बुकिंग' है? राजधानी दिल्ली में ही होटल, रेस्तरां और ढाबों में इंडक्शन चूल्हों और डीजल की भट्ठियों पर खाना क्यों बनने लगा है? सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के जरिए वैकल्पिक ईंधन की इजाजत क्यों दी है? लोगों ने घरों की छतों पर चूल्हा रख कर लकड़ी और कोयले पर खाना पकाना क्यों शुरू कर दिया है? जहरीले प्रदूषण को आमंत्रण और पर्यावरण का छिलना शुरू...! एक पेशेवर सवाल यह है कि यदि एलपीजी का कोई संकट नहीं है, तो गैस सिलेंडर के डीलरों ने फोन क्यों बंद कर रखे हैं? हॉकर के फोन भी बंद हैं, क्यों? प्रधानमंत्री मोदी आजकल चुनावी जनसभाओं में व्यस्त हैं। वह बार-बार देश का आह्वान कर रहे हैं कि अफवाहों में मत आएं और अफवाहें फैलाएं भी नहीं। देश कांग्रेस 12 साल पहले कांग्रेस और विपक्ष को खारिज कर चुका है। लगातार तीन बार संसदीय जनादेश भाजपा-एनडीए को मिला है। नतीजतन मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री हैं। 12 साल एक लंबा वक्त होता है, लिहाजा अब प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की जिम्मेदारी है कि देश संकट में घिरना नहीं चाहिए। यदि संकट वैश्विक है, तो देश को विश्वास में लेना चाहिए कि प्रयास किए जा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री का देश को संबोधित करना अनिवार्य है। सरकार कबूल करे कि तेल-गैस का संकट है और उससे पार पाने की कोशिशें की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी के दौरान कई बार देश को संबोधित किया था। अंततः कोरोना पराजित हुआ। यदि अब गैस एजेंसियों के बाहर जमा भीड़ कांग्रेस, वामपंथी, सपाई कार्यकर्ता या समर्थक हैं और गैस वाकई उपलब्ध है, तो उस भीड़ का संकट हल क्यों नहीं किया जा रहा? भीड़ कुछ हजार ही होगी। आखिर वे भी देश के नागरिक और एलपीजी के पंजीकृत उपभोक्ता हैं! आगामी दो-तीन माह के दौरान बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव हैं। इन राज्यों में कुल 18 करोड़ मतदाता हैं और 11 लाख से अधिक गैस सिलेंडर रोजाना सप्लाई किए जाते हैं। प्रधानमंत्री और भाजपा को एहसास होगा कि मतदाता का इस समय मानस क्या है? यदि देश में तेल-गैस का कोई भी संकट नहीं है, तो स्पष्ट बताएं। कांग्रेस को कोसने से संकट कम नहीं होने वाला है, प्रधानमंत्री जी! मीडिया में खबरें छप रही हैं कि कई जगहों पर रसोई गैस के लिए लंबी-लंबी कतारें लोगों की लग रही हैं। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में रसोई गैस की कमी की खबरें आ रही हैं।

एलपीजी के 11 अन्य जहाज भी होर्मुज पार करके भारत आने की उम्मीद में हैं। उनमें 4,15,000 टन एलपीजी बताई जा रही है। कच्चे तेल के 8 जहाज और एलएनजी के 3 जहाज भी प्रतीक्षारत हैं कि कब ईरान इजाजत देगा और वे भारत की तरफ प्रस्थान करेंगे। होर्मुज को लेकर भारत-ईरान का कोई नया करार नहीं हुआ है। भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। भारत 2019 तक ईरान से कच्चा तेल आयात करता था। उसकी आपूर्ति में परिवहन और बीमा निःशुल्क होते थे। 'रुपए' की मुद्रा में तेल की आपूर्ति होती थी और ईरान के करीब 60,000 करोड़ रुपए भारतीय बैंकों में जमा थे। अमरीका ने ईरान पर पाबंदियां थोपीं, तो भारत पर भी दबाव बनाया गया कि वह ईरान से तेल न खरीदे। हमने अमरीका का आदेश मान लिया और ईरान से तेल का आयात बंद कर दिया। उसी तरह रूस के तेल को काफी कम किया गया। अब संकट के दौर में ईरान और रूस दोनों को 'पुरानी दोस्ती' की दुहाई दी जा रही है। वे दोस्ती निभा भी रहे हैं। आभार ईरान और रूस...! अब सरकार बार-बार दावे कर रही है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, तो कुछ सवाल मौजू लगते हैं। जिनके घरों में पाइपलाइन से पीएनजी सप्लाई की जाती है, उन्हें एलपीजी कनेक्शन से वंचित क्यों किया जा रहा है? ऐसे कनेक्शन 1.62 करोड़ हैं। देश की आबादी में चुटकी भर संख्या...! बीती 13 मार्च को 88.8 लाख बुकिंग कराई गई, जबकि एक दिन की औसत बुकिंग 55 लाख रही है।

भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था

साझा चूल्हा : संकट से समाधान की राह

डॉ. प्रियंका सौरभ

विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है—समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहाँ कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है—"साझा चूल्हा"। साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे।

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है—समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहाँ कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है—"साझा चूल्हा"। साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे। इससे ईंधन की बचत होती थी, श्रम का बंटवारा होता था और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि समाज के लोगों के बीच संवाद और अपनापन बना रहता था। भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था। समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया। तकनीकी विकास, शहरीकरण और आर्थिक प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को धीरे-धीरे कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई और अलग चूल्हा है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का प्रतीक भी माना जाता है। लेकिन इसके साथ ही समाज में एक प्रकार की दूरी भी बढ़ी है। पड़ोस में रहने वाले लोग भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रह जाते हैं। इसी संदर्भ में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक बहस तक सीमित रहने के बजाय सामाजिक दृष्टि से भी सोचने की

आवश्यकता है। क्या हम अपनी परंपराओं से कोई ऐसी सीख ले सकते हैं जो आज की परिस्थितियों में भी उपयोगी हो? "साझा चूल्हा" का विचार इसी दिशा में एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, गुरुद्वारों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हजारों लोग एक ही रसोई से भोजन प्राप्त करते हैं। वहाँ न जाति का भेद होता है, न आर्थिक स्थिति का। सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह परंपरा केवल सेवा भावना ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और एकता का भी प्रतीक है। यदि समाज ऐसे बड़े आयोजनों में सामूहिक रसोई को सहजता से स्वीकार कर सकता है, तो फिर रोजमर्रा के जीवन में इस विचार को अपनाने में संकोच क्यों? यह आवश्यक नहीं कि हर जगह बड़े स्तर पर सामुदायिक रसोई स्थापित की जाए, लेकिन छोटे-छोटे स्तर पर भी सहयोग की भावना विकसित की जा सकती है। उदाहरण के लिए, किसी मोहल्ले या समुदाय के कुछ परिवार मिलकर सामूहिक रूप से भोजन बनाने की व्यवस्था कर सकते हैं, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब संसाधन सीमित हों या खर्च अधिक हो रहा हो। यह विचार केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है। साझा चूल्हा समाज में सहयोग और संवाद की संस्कृति को भी मजबूत कर सकता है। जब लोग एक साथ बैठते हैं, काम करते हैं और भोजन साझा करते हैं, तो उनके बीच विश्वास और समझ बढ़ती है। सामाजिक तनाव कम होते हैं और समुदाय की एकजुटता मजबूत होती है। खेती-किसानी, पशुपालन या अन्य श्रमसाध्य कार्यों से जुड़े लोग इस भावना को अधिक अच्छी तरह समझते हैं। ग्रामीण जीवन में श्रम और संसाधनों का साझा उपयोग एक सामान्य बात है। खेतों में काम के दौरान कई परिवार मिलकर भोजन की व्यवस्था करते हैं। त्योहारों और सामाजिक अवसरों पर भी सामूहिक भोजन की परंपरा देखने को मिलती है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सरल और संतुलित बनाने का एक व्यावहारिक तरीका भी है। इसके विपरीत, आधुनिक शहरी जीवन ने कई लोगों को सुविधाओं के बीच तो रखा है, लेकिन उन्हें सामाजिक ताने-बाने से कुछ हद तक दूर भी कर दिया है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी जीवन की अवधारणा ने सामूहिकता की भावना को कमजोर किया है। लोग अपने घरों में सीमित हो गए हैं और पड़ोस या समुदाय के साथ उनका संपर्क कम होता जा रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि समाज में एक प्रकार का अकेलापन और अलगाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में साझा चूल्हा केवल आर्थिक या व्यावहारिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संरचना का भी एक प्रतीक बन सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि समाज की असली ताकत केवल सरकारी नीतियों में नहीं, बल्कि लोगों के आपसी सहयोग और एकता में भी होती है। जब समाज संगठित होता है, तो वह कई समस्याओं का समाधान स्वयं खोज लेता है। बेशक, आज की परिस्थितियाँ पहले जैसी नहीं हैं। शहरों की जीवनशैली, काम के अलग-अलग समय और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के कारण हर जगह साझा चूल्हा लागू करना संभव नहीं हो सकता। लेकिन इस विचार का मूल संदेश—सहयोग और साझेदारी—आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। यदि समाज इस भावना को अपनाए, तो कई समस्याओं का प्रभाव स्वतः कम हो सकता है। दरअसल, संकट के समय समाज की असली परीक्षा होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कठिन परिस्थितियाँ आईं, भारतीय समाज ने सामूहिकता और सहयोग के बल पर उनका सामना किया है। प्राकृतिक आपदाओं से लेकर आर्थिक चुनौतियों तक, लोगों ने एक-दूसरे की मदद करके परिस्थितियों को संभाला है। यही हमारी सामाजिक संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है। आज जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक और ऊर्जा संबंधी चुनौतियाँ सामने हैं, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रहें, बल्कि सामाजिक समाधान की दिशा में भी सोचें। साझा चूल्हा इसी सोच का एक प्रतीक हो सकता है—एक ऐसा प्रतीक जो हमें बताता है कि संकट केवल समस्या नहीं, बल्कि अवसर भी हो सकता है। यदि समाज में सहयोग और साझेदारी की भावना मजबूत हो, तो कई कठिनाइयाँ आसान हो जाती हैं। जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग होता है और समस्याओं का बोझ भी साझा हो जाता है। यही कारण है कि सामुदायिक जीवन की परंपराएँ सदियों तक हमारे समाज को स्थिर और मजबूत बनाए रखती रही हैं। अंततः यह समझना आवश्यक है कि साझा चूल्हा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की एक संभावित दिशा भी हो सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि आधुनिकता और परंपरा विरोधी नहीं हैं; बल्कि यदि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए तो समाज और अधिक सशक्त बन सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी परंपराओं से मिलने वाले संदेश को समझें और उसे आधुनिक संदर्भों में लागू करने का प्रयास करें। यदि समाज सहयोग और साझेदारी की भावना को फिर से जीवित कर सके, तो केवल गैस सिलेंडर ही नहीं, बल्कि जीवन की कई अन्य चुनौतियाँ भी सहज रूप से हल हो सकती हैं।

देश दुनिया से

अर्थव्यवस्था की जरूरतों से जुड़े शिक्षा

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि इस बजट के तहत देश की शिक्षा व्यवस्था को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस जैसी अर्थव्यवस्था की नई वास्तविक जरूरतों से जोडने हेतु प्रभावी पहल की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने शैक्षणिक संस्थानों से उनके परिसरों को उद्योग सहयोग और शोध आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया, ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बजट के तहत नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) सेक्टर पर विशेष ध्यान भी दिया गया है। निःसंदेह एक अप्रैल 2026 से क्रियान्वित किए जाने वाले आगामी वर्ष के बजट आवंटनों से भारत की जेन-जी पीढ़ी (सन् 1997 से 2012 के बीच पैदाइश) एआई, स्वचालन, नए डिजिटल कौशल, नवाचार और उद्यमशीलता से देश की नई आर्थिक और तकनीकी शक्ति बनाने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के लिए जेन-जी पीढ़ी एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ है। दुनिया में सबसे अधिक जेन-जी की आबादी भारत में है। भारत में जेन-जी की आबादी लगभग 37.7 करोड़ है, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। वस्तुतः भारत में जेन-जी इंजीनियर, जेन-जी डिजाइनर, जेन-जी कोडर और जेन-जी विज्ञानी नई टेक्नोलाजी की रचना कर रहे हैं। जेन-जी भारत को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती है। यह पाया गया है कि भारत की जेन-जी पीढ़ी सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) में लगातार अधिक कामयाब हो रही है। ऐसे में सरकार के द्वारा सेवा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों के लिए जेन-जी पीढ़ी के अधिक लोगों को तैयार करना होगा। जेन-जी पीढ़ी की ऊर्जा को सही दिशा में निर्देशित किया जाना होगा, वहीं इस पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों में गहरी आस्था के साथ वैश्विक चुनौतियों के लिए भी तैयार किया जाना होगा। सरकार को नए बजट के प्रावधानों से भारत की विशाल और प्रतिभा सम्पन्न जेन-जी पीढ़ी को भारत की नई शक्ति बनाने की बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ाना होगा। निश्चित रूप से सरकार के द्वारा बजट 2026-27 के तहत युवाओं को एआई आधारित नए दौर के रोजगार मौकों के लिए तैयार करने की रणनीतिक पहल की गई है। ज्ञातव्य है कि 16 फरवरी से 21 फरवरी तक नई दिल्ली से आयोजित इंडिया ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इम्पैक्ट समिट-2026 से भारत की मुट्ठियों में जो तकनीकी और रणनीतिक मोर्चों पर बड़ी उपलब्धियां आई हैं, उनसे दुनिया के एआई नक्शे पर भारत चमकते हुए दिखाई दे रहा है। इस इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के तहत दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों और भारत के बड़े इंडस्ट्री ग्रुप्स ने 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की घोषणाएं कर यह संकेत दे दिया है कि आने वाला दशक भारत के लिए एआई बुनियादी ढांचे की ऊंचाई का दशक हो सकता है। समिट के दौरान हुए समझौतों ने यह दिखाया कि भारत सिर्फ एआई तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका बड़ा उत्पादक और निर्यातक बनने की तैयारी में है। यह बात महत्वपूर्ण है कि एआई के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गुगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। चूंकि भारत का श्रम बाजार तीव्र गति से बदलाव से गुजर रहा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के तहत भी बड़ी संख्या में पारंपरिक नौकरियां खत्म होने और एआई से जुड़ी नई नौकरियां निर्मित होने की बात कही गई है। हाल ही में प्रकाशित नीति आयोग की रिपोर्ट रोडमैप फॉर जॉब क्रिएशन इन द एआई इकोनॉमी 2025 के मुताबिक एआई के बढ़ते प्रभाव से जहां 2031 तक बड़ी संख्या में पारंपरिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, वहीं एआई से जुड़ी करीब 40 लाख नई नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा है कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई-स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ पारंपरिक नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है जिसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। ऐसे में तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव इन परिवर्तनों के कारण नई हाई-स्किल्ड नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनिया भर में उद्योगों और व्यवसायों को नया रूप मिलता हुआ दिखाई देगा। इसके मद्देनजर देश की नई पीढ़ी को एआई आधारित नौकरियों के बढ़ते अवसरों के बीच एआई पेशेवर के रूप में सुसज्जित किया जाना होगा। नई पीढ़ी को स्कूली शिक्षा के साथ प्रारंभिक स्तर से ही एआई से जोड़े जाने की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत सरकार ने तेजी से शोध और नवाचार की डगर पर आगे बढने की रणनीति प्रस्तुत की है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश के लिए बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के तेजी से बढ़ने से भारत में ख्यातिप्राप्त वैश्विक फाइनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि एक लाख करोड़ रुपए के रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन (आरडीआई) फंड लॉन्च हुआ है, उसका लाभ देश के अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को ताकत देने में किया जाना होगा। साथ ही इस फंड के माध्यम से सरकार को निजी क्षेत्र के लिए तकनीकी शोध, स्टार्टअप, इनोवेशन और औद्योगिक विकास में निवेश को प्रोत्साहित करना होगा, चूंकि भारत अब टेक्नोलॉजी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का नेतृत्वकर्ता बन चुका है, अतएव आरडीआई फंड से विज्ञान, उद्योग और शिक्षा के बीच सहयोग को नई मजबूती देते हुए वैश्विक विज्ञान नेतृत्व की दिशा में आगे बढना होगा।

आप का नज़रिया

मलबे से लैंड बैंक तक

बरसात से पहले और बरसात के बाद, हिमाचल की भौगोलिक परिभाषाएं बदल रही हैं। मौसम पहले केवल जीवन के नियम बदलता था, अब धरती से आसमान बदल रहा है। बादल कभी नाराज होते हैं, तो पूरी सर्दी में सूखा पहलवान हो जाता है। मार्च में लू की नौबत से अनुमान लगाया जा सकता है कि खड्डों पर टिका जीवन कितना असहाय हो चुका है। यह एक पक्ष है, लेकिन बादलों का दूसरा पहलू बरसात के जख्मों से भर देता है। ऐसे में पिछले सालों की त्रासदी ने कुछ नया सिखाने की कोशिश की है, तो अब विभागीय तौर पर वन व पीडब्ल्यूडी ने कुछ करने की ठानी है। वन विभाग खड्डों व नदियों से गाद हटाने की तरकीबों पर गौर करते हुए इस नतीजे पर पहुंचा है कि सर्वप्रथम ब्यास के करीब मनाली से कुल्लू तक के तीन स्थानों पर ड्रेजिंग की जाए। दूसरी ओर पीडब्ल्यूडी ने डंपिंग पालिसी की दिशा में कुछ कर दिखाने की तान छेड़ी है। नालों में फैलते मलबे के खिलाफ यह ऐलान कारगर होता है, तो पर्यावरणीय दृष्टि से सुधार की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन डंपिंग के कई आयाम हैं। सडक़ों के किनारे पहाड़ से मलबा या रास्तों को खोलने की मशक्कत में बिखरता पहाड़ ज्यों का त्यों पड़ा रहता है, तो पीडब्ल्यूडी को सबसे पहले सडक़ों पर मलबे का भंडारण रोकना पड़ेगा। दरअसल हिमाचल को लैंड बैंक बनाने की अवधारणा में मलबे से निजात पाने का सोचना होगा। लैंड स्लाइड से लैंड बैंक के बीच मलबे का समाधान है। एक तो प्राकृतिक मलबा है जो विकास का बाइ प्रोडेक्ट है। बढ़ते शहरीकरण या आधुनिक जीवनशैली ने मलबे का दबाव बढ़ाया है। ऑनलाइन शॉपिंग, फूड चेन, हाई वे टूरिज्म और नवनिर्माण की गतिविधियों ने कूड़े-कचरे और मलबे के ढेर बढ़ा दिए हैं। बेतरतीब डंपिंग के लिए सडक़ों, नालों, नालियों, खड्डों और वन भूमि का इस्तेमाल बढ़ रहा है। कहा तो जाता है कि अवैध डंपिंग रुकेगी, लेकिन वैध डंपिंग के लिए स्थान ही चिन्हित नहीं होता। डंपिंग के लिए या तो फोरेस्ट से जगह लेनी पड़ेगी या स्लाइडिंग जोन को सशक्त करने के लिए वैज्ञानिक तौर पर मलबे का इस्तेमाल करते हुए जमीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। हर शहर को भविष्य की पार्किंग, पार्क तथा सामुदायिक मैदान विकसित करने के लिए एक साथ कई डंपिंग ग्राउंड बनाने होंगे। इसी के साथ ड्रेनेज व्यवस्था सुधारनी होगी। प्रायः सडक़ों के किनारों पर पहाड़ या घाटी की तरफ जंगल हैं, जिनके ऊपर बरसाती पानी के जख्म तैरते हैं। अगर जंगल से पानी के निकास पर काम किया जाए, तो मलबा घटेगा वरना बरसात ने दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। प्रदेश की खनन नीति में अगर खड्डों, नालों व नदियों के वैज्ञानिक दोहन की परिभाषा सुदृढ़ होती है, तो मलबे में बहती रेत-बजरी मुनाफे का सौदा है। इसके लिए क्रशर उद्योग के मानदंड सही व उनके दायित्व सुनिश्चित करने होंगे। पीडब्ल्यूडी अकेला क्या करेगा, जब सडक़ों को खोदने के लिए बिजली और जल शक्ति विभाग की जिम्मेदारी तय नहीं होती। अधिकांश वाटर सप्लाई या विद्युत आपूर्ति योजनाओं के तहत जमीन पर आक्रमण हो रहे हैं। बिजली के खंभे बरसात में लैंड स्लाइडिंग के कोण को दुर्दांत बना देते हैं, तो जलापूर्ति पाइपों से हो रहे रिसाव से पहाड़ गिरने तक की आशंका बढ़ रही है। गलत रोडमैप पर हो रहा विकास घातक है। हम अभी तक यह समझ नहीं पाए हैं कि हम ही इस विनाश के कारक हैं। हर गांव से शहर तक की योजनाओं में सर्वप्रथम प्राकृतिक जल स्रोतों, नदी-नालों एवं खड्डों के मूल चरित्र को सुरक्षित बनाना होगा तथा जरूरत के मुताबिक डंपिंग ग्राऊंड से लैंड बैंक की स्थापना पर दीर्घ कालीन काम करना होगा।

वन विभाग खड्डों व नदियों से गाद हटाने की तरकीबों पर गौर करते हुए इस नतीजे पर पहुंचा है कि सर्वप्रथम ब्यास के करीब मनाली से कुल्लू तक के तीन स्थानों पर ड्रेजिंग की जाए। दूसरी ओर पीडब्ल्यूडी ने डंपिंग पालिसी की दिशा में कुछ कर दिखाने की तान छेड़ी है। नालों में फैलते मलबे के खिलाफ यह ऐलान कारगर होता है, तो पर्यावरणीय दृष्टि से सुधार की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन डंपिंग के कई आयाम हैं। सडक़ों के किनारे पहाड़ से मलबा या रास्तों को खोलने की मशक्कत में बिखरता पहाड़ ज्यों का त्यों पड़ा रहता है, तो पीडब्ल्यूडी को सबसे पहले सडक़ों पर मलबे का भंडारण रोकना पड़ेगा। दरअसल हिमाचल को लैंड बैंक बनाने की अवधारणा में मलबे से निजात पाने का सोचना होगा। लैंड स्लाइड से लैंड बैंक के बीच मलबे का समाधान है। एक तो प्राकृतिक मलबा है जो विकास का बाइ प्रोडेक्ट है। बढ़ते शहरीकरण या आधुनिक जीवनशैली ने मलबे का दबाव बढ़ाया है। ऑनलाइन शॉपिंग, फूड चेन, हाई वे टूरिज्म और नवनिर्माण की गतिविधियों ने कूड़े-कचरे और मलबे के ढेर बढ़ा दिए हैं। बेतरतीब डंपिंग के लिए सडक़ों, नालों, नालियों, खड्डों और वन भूमि का इस्तेमाल बढ़ रहा है। कहा तो जाता है कि अवैध डंपिंग रुकेगी, लेकिन वैध डंपिंग के लिए स्थान ही चिन्हित नहीं होता। डंपिंग के लिए या तो फोरेस्ट से जगह लेनी पड़ेगी या स्लाइडिंग जोन को सशक्त करने के लिए वैज्ञानिक तौर पर मलबे का इस्तेमाल करते हुए जमीन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

कुछ अलग

दो किलो गाली का मोल

वजन को देखना आसान है, लेकिन तोलना उतना ही कठिन। आजकल सोने को तोलते देखकर हम अपने वजन का अंदाजा लगा सकते हैं। अमूमन आम आदमी का वजन तो सब्जीवाला भी घटा देता है। उस दिन पाव भर जलेबी के आगे आम खरीददार कमजोर दिखाई दे रहा था। किलो भर खरीदने की उसकी चाह मोल भाव करते-करते आधा रह गई। चाहत भी अजीब सा वजन रखती है। सरकार का मानना ही जनता की उमंगें लगातार भारी पड़ रही हैं, इसलिए इनका वजन रोकने के लिए जांच शुरू हो गई। सरकारी नौकर भागे-भागे और अपना वजन बचाते-बचाते यह सुनिश्चित कर रहे थे कि कहीं आम जनता की चाह या उमंग भारी न हो जाए। तभी उन्हें एक टूटी-फूटी झोंपड़ी में एक फटेहाल व्यक्ति मिला। उसके सपने तौले गए। आश्चर्य यह कि दो कौड़ी के व्यक्ति के सपने भारी निकले। कितनी ही सरकारों के सपने उसके साथ सोये हुए थे। अधिकारी ने भारी गाली देकर झोंपड़ी वाले को सपनों से दूर हल्का करने का सोचा, लेकिन उस गरीब पर भारी गाली, भारी न पड़ी। गरीब के पास आकर गालियां इतनी हल्की हो गईं कि अधिकारी ही थक गया। गरीब के पास गाली तो क्या मुफ्त के राशन का वजन भी हल्का हो रहा था।

दृष्टि कोण

हरीश को मिला गरिमा से मरने का अधिकार

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इच्छामृत्यु की मांग से संबंधित याचिका पर बुधवार को जो ऐतिहासिक निर्णय सुनाया गया, उसके बाद से इस फैसले की चर्चा हर तरफ सुनाई दे रही है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गाजियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा के माता-पिता द्वारा दायर अपने पुत्र की इच्छामृत्यु की याचिका को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। हरीश राणा का नाम अब इतिहास में एक ऐसे शख्स के रूप में जाना जाएगा जिसको भारत में पहली बार गरिमा से मरने का अधिकार अर्थात इच्छामृत्यु मिली है। हरीश राणा पिछले तेरह वर्षों से जिंदगी से जंग लड़ रहे हैं और जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे हैं, लेकिन अब न्यायालय के आदेशों के बाद उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली से अलग कर दिया जाएगा ताकि वे प्राकृतिक रूप से अपने प्राण त्याग सकें। मौत हमेशा दुखदाई होती है, लेकिन जब जीवन में कष्ट मृत्यु से भी अधिक पीड़ादायक हो जाएं तो इनसान मृत्यु को चुनने में गुरेज नहीं करता। हालांकि हरीश ने इच्छामृत्यु को नहीं चुना क्योंकि वो इस स्थिति में ही नहीं है, लेकिन हमारे देश का इच्छामृत्यु से संबंधित कानून इस बात की इजाजत देता है कि जब कोई व्यक्ति स्वयं इस प्रकार की मृत्यु के लिए आवेदन नहीं कर सकता हो तो उसके करीबी रिश्तेदार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इतिहास के पन्नों को अगर पलटा जाए तो इच्छा मृत्यु की मांग के लिए अरुणा शानबाग का नाम एकदम से दिमाग में आ जाता है। सन् 1973 में मुंबई के एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम करने वाली अरुणा शानबाग के साथ अस्पताल के अंदर वहीं पर कार्यरत एक कर्मचारी द्वारा बलात्कार के बाद हत्या का प्रयास किया गया था जिसकी वजह से अरुणा कोमा में चली गई थीं। सालों तक कोमा में रहने वाली अरुणा शानबाग के केस में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'पैसिव युथनेसिया' को कुछ शर्तों के साथ देश में मान्यता दे दी गई थी। इस घटना के बाद उसके परिवार और रिश्तेदारों ने भी कुछ समय के बाद अरुणा से अपना नाता तोड़ लिया था। घटना के बाद से लेकर 2015 में अरुणा की मौत तक उसका इलाज उसी अस्पताल में किया गया और वहां पर काम करने वाली अन्य नर्सों द्वारा अरुणा की देखभाल भी की गई।

इसी बीच सन् 2010 में एक सामाजिक कार्यकर्ता पिंकी वीरानी द्वारा अरुणा की हालत को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में अरुणा को इच्छामृत्यु देने के लिए दलील पेश की गई जिस पर 2011 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा ये निर्णय दिया गया कि किसी ऐसे व्यक्ति को जोकि मरणासन्न अवस्था में है, उसका लाइफ सपोर्ट सिस्टम उसकी मर्जी से या उसके परिवार, रिश्तेदारों या नजदीकी दोस्तों की मर्जी से हटाया जा सकता है जिसे 'पैसिव युथनेसिया' का नाम दिया गया। हालांकि अरुणा शानबाग के दर्द को ये निर्णय खत्म नहीं कर सका क्योंकि अरुणा का न तो परिवार था और न ही रिश्तेदार, और कोर्ट ने पिंकी वीरानी को अरुणा का दोस्त मानने से इंकार कर दिया और ये कहा कि जो नर्सें अरुणा का ध्यान रखती हैं, ये निर्णय उनको ही लेना है कि अरुणा को लाइफ सपोर्ट सिस्टम से हटा दिया जाए या नहीं। उन नर्सों ने अरुणा का लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने से मना कर दिया और आखिरकार 2015 में अरुणा शानबाग की 42 वर्ष तक कोमा में रहने के बाद मौत हो गई। सन् 2018 में एक अन्य पीआईएल की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा ये कहा गया कि संविधान की धारा 21 के द्वारा दिए गए जीने के अधिकार में गरिमा से मरने का अधिकार भी शामिल है। इस फैसले में कोर्ट द्वारा अरुणा शानबाग केस में सुनाए गए पैसिव युथनेसिया के फैसले को और अधिक विस्तारित करके पैसिव युथनेसिया के साथ-साथ लिविंग विल को भी देश में मंजूरी दे दी गई। अमूमन पैसिव युथनेसिया देते समय पीड़ित व्यक्ति की मंजूरी लेना असंभव कार्य होता है, इसलिए लिविंग विल के द्वारा इस समस्या का हल ढूंढने की कोशिश की गई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा।समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं लेकिन वहां किसी अनजान शख्स से आपकी बहस होने की अशंका है जिससे आपका मूड खराब हो जाएगा। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें जिन्हें आप वाक़ई पसंद करते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें।इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरूरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

पैसा अचानक आपके पास आएगा, नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। आज आप अपने दोस्तों से जुड़ी कुछ जानकारियों को जानकर चकित हो सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपना अतिरिक्त समय नि:स्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी। आपके जीवनसाथी की बेरुख़ी दिन भर आपको उदास रख सकती है। किसी ऐसे शख़्स का फ़ोन आ सकता है जिससे आप बहुत लंबे समय से बात करना चाहते थे। बहुत–सी पुरानी यादें ताज़ा हो जाएंगी और आप समय में पीछे लौट जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक व्यायाम और वज़न घटाने की कोशिशें आपके रूप–रंग को निखारने में फ़ायदेमंद साबित होंगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक्त बचाकर रखें। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है। आज भी आपकी मन स्थिति ऐसी ही रह सकती है। आज के दिन बाहर का भोजन आपके पेट की हालात खराब कर सकता है। इसलिए बाहर खाने से आज बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा। छुट्टी के दिन भी दफ़्तर का काम करने से बुरा और क्या हो सकता है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

परिवार के इलाज से जुड़े ख़र्चों में इज़ाफ़े को नकारा नहीं जा सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा। अकेलेपन को अपने ऊपर हावी न होने दें, इससे बेहतर होगा कि आप कहीं घूमने के लिए निकल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 मार्च 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रातः 09:25 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 06:09 तक
योग : सिद्ध प्रातः 08:14 तक
करण : वणिज प्रातः 09:25 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 06:26 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 06:17 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत ,
भद्रा प्रातः 09:24 से रात्रि 08:59 तक,
वारुणी योग प्रातः 06:23 से प्रातः 09:24 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आदिवासी युवाओं को रोजगार और जनजातीय हस्तशिल्प कला के लिए हम संकल्पित : भजनलाल

डूंगरपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज अपनी समृद्ध परंपरा, विशिष्ट संस्कृति तथा प्रकृति के साथ गहरे संबंध के लिए प्रसिद्ध है। इस समाज ने ऐसे वीर सपूत दिए हैं, जिन्होंने आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। देश–प्रदेश का विकास इनकी सक्रिय भागीदारी से ही संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी के तहत राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह दिन आदिवासियों को समर्पित है। इन्होंने राजस्थान की इस विकास यात्रा में अतुलनीय योगदान दिया है। शर्मा सोमवार को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग में वृहद् राजस्थान की स्थापना हुई थी। हमारी सरकार ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही राजस्थान दिवस मनाने का निश्चय किया था। इसीलिए इस वर्ष 19 मार्च के दिन प्रदेशभर में इस दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम की ऐतिहासिक भूमि आदिवासी आस्था का सबसे बड़ा केन्द्र है। राज्य सरकार द्वारा बेणेश्वर धाम के सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जाएगा और इस संबंध में डीपीआर भी तैयार की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने अपनी आजादी से कभी समझौता नहीं किया। भगवान बिरसा मुंडा ने महज 25 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों के शोषण के विरुद्ध संघर्ष की अलख जगाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पिछले वर्ष बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में जनजातीय गौरव वर्ष मनाया। उन्होंने कहा कि हमारा हस्तशिल्प जनजातीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। पिथोरा चित्रकला, बांस की बुनाई, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी की नक्काशी आदि सभी हमारी अनमोल सांस्कृतिक विरासत हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि इन सभी कलाओं को सम्मान मिले और कलाकारों को इनका उचित मूल्य मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में जनजाति उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। छात्रावासों में मैस भत्ता ढाई हजार से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रति माह किया है। साथ ही, खेल अकादमियों में मैस भत्ते में बढ़ोतरी, कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जनजाति विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि, सीए व सीएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जनजातीय विद्यार्थियों की प्रोत्साहन राशि में वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि 244 नए मां–बाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई है तथा जनजाति किसानों को मुफ्त संकर मक्का बीज एवं मिनिकिट का वितरित किया गया है। इसी तरह प्रदेश के 8 जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों का गठन कर डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जनजाति समाज के खिलाड़ियों ने एशियन लेक्रोस गेम्स, राष्ट्रीय लेक्रोस चैंपियनशिप सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीते हैं।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने इस वर्ष के बजट में जनजातीय समाज के सशक्तीकरण के लिए अनेक घोषणाएं की हैं। वनों में निवास करने वाले जनजाति लोगों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकार के पट्टे दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इन वन अधिकार पट्टों की राजस्व रिकॉर्ड में भी प्रविष्टि सुनिश्चित की जाएगी, ताकि वे इस भूमि पर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें और बैंकों से ऋण भी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम में संगम एवं अबूदरा घाटों के निर्माण एवं वर्ष पर्यन्त जल की उपलब्धता बनाये रखने के लिए बेणेश्वर एनिकट की रिमॉडलिंग के कार्य किए जाएंगे। इसी तरह, आदिवासी बाहुल्य जिलों के ऐतिहासिक, धार्मिक स्थलों त्रिपुर सुंदरी, मानगढ़ धाम, बेणेश्वर धाम, सीतामाता अभ्यारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृ कुण्डिया आदि को सम्मिलित करते हुए 100 करोड़ रुपये से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट भी विकसित किया जाएगा।

जनजातीय क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गरीब को केंद्र में रखकर उनके उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। विकास और जनकल्याण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आदिवासियों के तीर्थ बेणेश्वर धाम का सर्वांगीण विकास होगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर एवं सिरोही जिले के 1 हजार 902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। शर्मा ने लखपति दीदी सम्मान योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली लखपति दीदियों को सांकेतिक चैक और टेबलेट सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परिसर में आयोजित विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया एवं बालिकाओं को स्कूटी भी वितरित की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने डूंगरपुर में वाल्मीक मन्दिर एवं हरि मन्दिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस दौरान राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक, अध्यक्ष राजस्थान धरोहर प्राधिकरण ओंकार सिंह लखावत, सांसद चुन्नीलाल गरासिया, सी.पी. जोशी, विधायक फूल सिंह मीणा, श्रीचंद कृपलानी, शंकर लाल ढेचा, प्रताप लाल गमेती, कैलाश मीणा, शान्ता मीणा, गोपी चन्द मीणा, समाराम गरासिया सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

दिल्ली दौरे पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

केंद्रीय मंत्रियों से अहम मुलाकातें, राजस्थान के विकास पर हुई विस्तृत चर्चा

जयपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को नई दिल्ली में विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं से शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश में सड़क, रेल, पर्यटन, न्यायिक और सामाजिक अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के विषयों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राजस्थान में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने, राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार और बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से प्रदेश के विकास को गति देने पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस दौरान राजस्थान के सर्वांगीण विकास, राज्य में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ बैठक कर राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाओं, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के विस्तार, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण तथा पर्यटन से जुड़े विकास कार्यक्रमों को और अधिक सशक्त बनाने पर विचार–विमर्श किया। बैठक में राजस्थान पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश में रेल कनेक्टिविटी को और अधिक सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के विषय पर चर्चा हुई।

पुनरीक्षण के ओरियंटेशन कार्यक्रम में उत्तराखंड पहुंचे मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीज महाजन

जयपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और मतदाता–केंद्रित बनाने की दिशा में निर्वाचन विभाग राजस्थान द्वारा किए जा रहे नवाचार अब पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत बनते जा रहे हैं। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 (डखठ) के तहत राज्य में लागू की गई तकनीकी पहल और व्यवस्थागत सुधारों ने अन्य राज्यों का ध्यान आकर्षित किया है तथा उन्हें अपनाने की पहल भी शुरू हो गई है। इसी क्रम में राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के लिए उत्तराखण्ड के दौरे पर पहुंचे। वहां उत्त–राखण्ड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने अपने कार्यालय में उनका स्वागत किया। इस दौरान आगामी डखठ अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उत्तराखण्ड निर्वाचन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी–अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदांडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी तथा सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने राजस्थान में लागू की गई प्रक्रियाओं, तकनीकी नवाचारों और प्रबंधन प्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार–विमर्श किया। उत्तराखण्ड दौरे पर गई राजस्थान की टीम में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी (आईटी) श्री एम. ए. तिवारी तथा सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नरेंद्र मीणा भी शामिल रहे।

इससे पूर्व ओडिशा और महाराष्ट्र निर्वाचन विभाग के अधिकारियों की टीमें भी राजस्थान आकर यहां संचालित डखठ कार्यों का अवलोकन कर चुकी हैं। इन टीमों ने राजस्थान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, तकनीकी रूप से उन्नत तथा पूर्णतः मतदाता–केंद्रित बताते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने यह भी माना कि मतदाता सूची की शुद्धता और व्यापकता सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान द्वारा अपनाया गया मॉडल अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श उदाहरण बन सकता है।

लोकसभा में कुमारी सैलजा ने उठाया स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में अनियमितताओं का मुद्दा, स्वतंत्र जांच करवाने की मांग

चंडीगढ़, 16 मार्च (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, कांग्रेस की महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने लोकसभा में स्मार्ट सिटी मिशन के क्रियान्वयन में सामने आई गंभीर अनियमितताओं और अधूरी परियोजनाओं का मुद्दा उठाते हुए सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के फरीदाबाद और करनाल सहित देश के कई शहरों में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का काम अपेक्षित गति से नहीं हुआ है और अनेक योजनाएं आज भी अधूरी पड़ी हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के अनुसार इन दोनों शहरों में कुल 167 परियोजनाओं में से जून 2024 तक केवल 112 परियोजनाएं ही शुरू की जा सकीं, जबकि उनमें से भी 67 परियोजनाओं में तीन से चार

वर्ष तक की देरी हुई है। नगर स्तरीय निगरानी समिति की 133 निर्धारित बैठकों के स्थान पर केवल 10 बैठकें आयोजित की गईं, जिससे परियोजनाओं की सही समीक्षा और निगरानी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार 3896.82 करोड़ रुपये की प्रस्तावित वित्तीय व्यवस्था के मुकाबले केवल 1825.86 करोड़ रुपये (लगभग 46.86 प्रतिशत) ही जुटाए जा सके। इसके अलावा करनाल में 356.87 करोड़ रुपये ऐसे कार्यों पर खर्च किए गए जो चिन्हित विकास क्षेत्र से बाहर थे। साथ ही परियोजनाओं की गुण–वत्ता का स्वतंत्र मूल्यांकन भी नहीं कराया गया। कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की कि इन अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच करवाई जाए, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा लंबित परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन चेतना के मार्गदर्शक मान्यवर कांशीराम जी को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग का कुमारी सैलजा ने समर्थन किया है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि मान्यवर कांशीराम जी का संघर्ष करोड़ों बहुजनों को अधिकार, हिस्सेदारी और आत्मसम्मान की राह दिखाने वाला रहा है।

अनुबंध कर्मचारियों के पंजीकरण सत्यापन की समय–सीमा बढ़ी

चंडीगढ़, 16 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 तथा नियम, 2025 के तहत www.securedemployees.haryana.gov.in पोर्टल पर अनुबंध कर्मचारियों के पंजीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए समय–सीमा एक माह के लिए बढ़ा दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में जारी पत्र के अनुसार, जिन अनुबंध कर्मचारियों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे 15 अप्रैल, 2026 तक पोर्टल पर पंजीकरण कर सभी संबंधित दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे। संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) 25 अप्रैल, 2026 तक, कर्मचारियों द्वारा पोर्टल पर अपलोड किए गए विवरण को सत्यापित करेंगे और विभागीय सेवा रिकॉर्ड की जांच करेंगे।

सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वित्त विभाग द्वारा पात्र अनुबंध कर्मचारियों के लिए सुपरन्यूमैरेरी पद सृजित किए जाएंगे। यह प्रक्रिया 15 मई, 2026 तक पूरी की जाएगी। इसके बाद संबंधित विभागाध्यक्ष अंतिम स्वीकृति प्रदान करते हुए पात्र अनुबंध कर्मचारियों को 15 जून, 2026 तक सेवा सुरक्षा के लिए ऑफर लेटर जारी करेंगे।

हरियाणा विधानसभा में सदन सदस्यों ने दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़, 16 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान सदन में शोक प्रस्ताव पढ़ते हुए हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की माता प्रेम कौर कल्याण के निधन तथा गुरुग्राम में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर हुए हादसे में 7 लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक–संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रेम कौर कल्याण का 13 मार्च, 2026 को हुआ निधन अत्यंत दुःखद है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री ने 9 मार्च को गुरुग्राम में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर मिट्टी के नीचे दबने से 7 लोगों की हुई दुःखद एवं असामयिक मृत्यु पर भी गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक घटना है और इस हादसे में दिवंगतों के परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। इसके अलावा जींद जिले के सफीदों क्षेत्र में हुए हादसे में महिला श्रमिकों की मृत्यु पर भी गहरा दुःख व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस दुःख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हर

संभव सहायता प्रदान की जाएगी।हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा ने भी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक व्यक्त किया। नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपनी पार्टी की ओर से दिवंगतों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।इसके पश्चात सदन के सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

एसपी नितिका पंत ने सेवानिवृत्त जवानों को किया सम्मानित

आसिफाबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमारम भीम आसिफाबाद जिले की एसपी नितिका पंत ने दो होम गार्डों को सम्मानित किया जो आसिफाबाद जिला पुलिस विभाग में सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कागजनगर टाउन पुलिस स्टेशन में कार्यरत 1984 बैच के सूर्यम और 1989 बैच के बिक्षापति को आज उनकी सेवानिवृत्ति पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, एसपी ने सूर्यम और बिक्षापति की सराहना की जिन्होंने लंबे समय तक प्रतिबद्धता के साथ पुलिस विभाग की सेवा की है। उन्होंने कहा कि सेवा के दौरान दिखाया गया अनुशासन और जिम्मेदार रवैया दूसरों के लिए मिसाल बनेगा।

साथ ही, एसपी ने मातहतों को प्रेरित किया कि वे भी अपने कार्य के प्रति इसी तरह की निष्ठा और जिम्मेदारी दिखाएं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि होम गार्डों की भूमिका महत्वपूर्ण है और समाज में उनकी सेवाएं अत्यंत आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम में होम गार्ड्स आरआई विद्यासागर, आरआई एडमिन वामनमूर्ति और अन्य स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने सेवानिवृत्त होम गार्डों को भविष्य में सुखमय जीवन की कामना की और उनके योगदान के प्रति आभार प्रकट किया।

इस तरह के सम्मान समारोहों से न केवल सेवानिवृत्त जवानों को सम्मान मिलता है, बल्कि युवा पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलती है कि वे अपने कर्तव्यों में उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ काम करें।

पीड़ितों को त्वरित न्याय सुनिश्चित करने का एसपी का निर्देश

आसिफाबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमुरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस कार्यालय में सोमवार को जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत जिला एसपी नितिका पंत ने शिकायतकर्ताओं की शिकायतें सुनीं और उन्हें कानून के अनुसार हल करने के लिए संबंधित अधिकारियों को कई सुझाव दिए।

सप्ताह के पहले दिन, पब्लिक रेडियो कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न हिस्सों से फरियादियों की शिकायतें प्राप्त हुईं। एसपी ने विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित डीएसपी/एएसपी एवं सर्किल इंस्पेक्टरों से फोन पर बात की और समस्या की स्थिति एवं उसके समाधान के संबंध में सुझाव दिए।

जिला एसपी ने स्पष्ट किया कि जिला पुलिस विभाग का उद्देश्य पुलिस को लोगों के करीब लाना और शांति एवं सुरक्षा की रक्षा करना है, ताकि लोग बिना किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी के स्वेच्छा से पुलिस सेवाओं का उपयोग कर सकें और बिना किसी हस्तक्षेप के कानून के अनुसार अपनी समस्याओं का समाधान कर सकें।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार को प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से जनसमस्याओं की शिकायतें सीधे प्राप्त की जा रही हैं और समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। एसपी ने फरियादियों को सलाह दी कि जिन लोगों को समस्या है, उन्हें प्रजावाणी कार्यक्रम का लाभ अवश्य उठाना चाहिए।

इस कार्यक्रम के माध्यम से जनता की आवाज़ सुनी जा रही है और उनके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जा रहा है, जिससे लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास का संचार हो रहा है।

जगतियाल में फिर दिखा बाघ का आतंक कोदिम्याल मंडल में दो गायों को मारा

जगतियाल, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले कुछ हफ्तों से उत्तरी तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में घूम रहे एक बाघ ने अब जगतियाल जिले में फिर से दस्तक दी है। पिछले दो दिनों में बाघ ने दो गायों को अपना शिकार बनाया है, जिससे किसानों और ग्रामीणों में भारी डर का माहौल है।

बाघ ने रविवार रात कोदिम्याल मंडल के सुरमपेटा गांव के बाहरी इलाके में गंगाराम थांडा के पास एक गाय को मार डाला। इससे पहले शनिवार रात को भी इसी गांव में एक अन्य गाय का शिकार किया गया था। कुछ दिन पहले, निजामाबाद जिले के कमारपल्ली मंडल के कोनापुर के बाहरी इलाके में राल्लावागु परियोजना के पास बाघ की आवाजाही की सूचना मिली थी। वन अधिकारियों ने पदचिह्नों (र्सिारीज़ी) की जांच के बाद पुष्टि की कि जानवर हाल ही में कथलापुर मंडल में दाखिल हुआ और कलिकोटा सुरम्मा परियोजना के रास्ते थुर्थी वन क्षेत्रों की ओर बढ़ गया।दो सप्ताह पहले: कथलापुर मंडल के कलिकोटा गांव के बाहरी इलाके में कलिकोटा सुरम्मा जलाशय के पास कृषि भूमि में बाघ के पदचिह्न पाए गए थे।21 फरवरी: किसानों ने बंदागुट्टा और मैसम्मा मंदिर क्षेत्रों के पास खेतों में बड़े बिल्ली के समान पदचिह्न देखे।22 एक सप्ताह बाद: बाघ भीमराम मंडल के मोथकुरावपेट गांव के बाहरी इलाके में दिखा और बैलों पर हमला किया। हालांकि, मवेशियों के शोर मचाने पर वह भाग गया।23 1 6 फरवरी: राजन्ना-सिरसिला जिले के इल्लंथाकुंटा मंडल में थिप्पापुर पहाड़ियों के पास चार बछड़ों पर हमला किया, जिनमें से तीन की मौत हो गई।वन विभाग की चेतावनी: वन अधिकारी लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं और ट्रैप कैमरे लगा रहे हैं। उन्होंने किसानों और ग्रामीणों को सलाह दी है कि: रात के समय अकेले बाहर न निकलें। मवेशियों को जंगल में छोड़ने के बजाय अपने घरों के पास सुरक्षित रखें।

बाघ की कोई भी हरकत दिखने पर तुरंत अधिकारियों को सूचित करें।

आसिफाबाद में गर्भवती आदिवासी महिला की हत्या, शादी का दबाव बनाने पर प्रेमी ने उतारा मौत के घाट

कुमरामभीम/आसिफाबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेंचीकलपेट मंडल के कोंडापल्ली और सुलगुपल्ली गांवों के बीच वन क्षेत्र में एक 25 वर्षीय आदिवासी महिला, जो सात महीने की गर्भवती थी, मृत पाई गई। कथित तौर पर एक व्यक्ति ने उसकी हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि वह उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी।पुलिस के अनुसार, कोंडापल्ली निवासी शंकर की बेटी आत्रम सम्मक्का की शनिवार को जयहिंदपुर बस्ती के रहने वाले केलकारी जलपति ने वन क्षेत्र में पीट-पीटकर हत्या कर दी। जलपति के भाई द्वारा स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दिए जाने के बाद जंगल से महिला का शव बरामद किया गया।पुरानी जान-पहचान: पुलिस के मुताबिक, जलपति पहले से शादीशुदा है, लेकिन पिछले चार साल से उसके सम्मक्का के साथ करीबी संबंध थे।विवाद का कारण: सम्मक्का सात महीने की गर्भवती थी और वह लगातार जलपति से शादी करने के लिए कह रही थी।

इसी बात से परेशान होकर जलपति ने उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची।साजिश: जलपति ने सम्मक्का को जयहिंदपुर में मिलने के लिए बुलाया और उसे जंगल की ओर ले गया, जहाँ उसने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी।स्वीकारोक्ति: हत्या करने के बाद, जलपति ने फोन पर अपने भाई को घटना की जानकारी दी और बताया कि उसने सम्मक्का को इसलिए मार दिया क्योंकि वह शादी के लिए उसे परेशान कर रही थी।कागजपुर रूरल इंस्पेक्टर कुमार स्वामी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सिरपुर (टी) शहर के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पीड़िता के परिवार की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने जलपति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की हत्या की धाराओं और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

मंदामारी में भाजपा द्वारा धरना प्रदर्शन

मंदामारी, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तहसीलदार कार्यालय के सामने धरना मंदामारी कस्बे के लोगों की समस्याओं को लेकर मंडल राजस्व अधिकारी के कार्यालय के सामने भाजपा के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस दौरान एक याचिका भी सौंपी गई।

धरने में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में आने के दौरान किए गए कई वादों को पूरा न करके जनता को धोखा दिया गया है। उन्होंने यह भी आलोचना की कि दो साल बीत जाने के बावजूद ये वादे पूरे नहीं किए गए हैं, जिससे जनता के बीच असंतोष पनप रहा है।भाजपा नेताओं ने मांग की कि सरकार तत्काल इन वादों को पूरा करे और जनता की समस्याओं का समाधान करे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को अनसुना किया गया, तो वे और भी बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे।इस धरने में स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या शामिल हुई, जिन्होंने अपनी आवाज उठाई और समस्याओं को समाधान के लिए सरकार का ध्यान आकर्षित किया। धरने का उद्देश्य न केवल पार्टी के मुद्दे उठाना था, बल्कि अपनी समस्याओं के प्रति जागरूकता फैलाना भी था।

मंचेरियाल में बीआरएस का झंडा फहराने की घोषणा

मंचेरियाल, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व विधायक बल्का सुमन ने कहा कि मंचेरियाल जिले की क्यातानापल्ली नगरपालिका में बीआरएस का झंडा फहराया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि बीआरएस-सीपीआई गठबंधन ने क्यातानापल्ली नगरपालिका में अधिकांश सीटें जीती हैं।

बल्का सुमन ने अध्यक्ष की अनुपस्थिति में साजिश रचने के लिए कांग्रेस की आलोचना की, यह कहते हुए कि बहुमत सीटें जीतने के बावजूद कांग्रेस ने मुद्दों को उठाने का एक नया तरीका खोज लिया है।

आज बल्का सुमन कांग्रेस सरकार द्वारा मनगढ़ंत तरीके से दायर किए गए मामले के मद्देनजर रामकृष्णपुर पुलिस स्टेशन में पेश हुए। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस को अपने क्षेत्र से प्रेम है तो उन्हें नई भूमिगत खदानें लानी चाहिए।साथ ही, उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि क्यातानापल्ली नगरपालिका के अध्यक्ष का चुनाव उच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार लोकतांत्रिक तरीके से कराया जाए। उनकी मांग है कि राजनीतिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि जनता के हितों का पालन हो सके।

रमजान के मौके पर मुस्लिम भाइयों के लिए उपहार

मंचेरियाल, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रमजान के अवसर पर मुस्लिम भाइयों के लिए उपहार देने की घोषणा करते हुए जिलाधिकारी कुमार दीपक ने कहा कि सरकार इस खास मौके पर इफ्तार भोज के साथ उपहार भी प्रदान करेगी।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा जिला केंद्र स्थित जिला परिषद बॉयज़ हाई स्कूल के मैदान में आयोजित इफ्तार भोज में मंचरियाल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव, प्रशिक्षु उप कलेक्टर मोहम्मद विलायत अली, जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की अधिकारी नीरती राजेश्वरी, जिला कल्याण विभाग के अधिकारी रऊफ खान और जिला नागरिक संबंध अधिकारी कृष्णमूर्ति भी मौजूद थे। इस भोज का आयोजन रमजान के माहौल को और भी खास बनाने के लिए किया गया, ताकि मुस्लिम समुदाय के लोगों को एकत्र होकर इफ्तार का लाभ उठाने का अवसर मिले। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर सभी को रमजान की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकता एवं सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार का प्रयास है कि समुदाय के विभिन्न वर्गों में एकजुटता और भाईचारा बढ़े, साथ ही रमजान के त्योहार का सही तरीके से मनाया जा सके।

व्यायाम को दैनिक जीवन में शामिल करें : जिलाधिकारी कुमार दीपक

मंचेरियाल, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिलाधिकारी कुमार दीपक ने कहा कि व्यायाम हर किसी के दैनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। रविवार को आदिलाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में राजस्व कर्मचारियों के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के अंतिम मुकाबले मंचरियाल कस्बे के श्री उशोदया स्कूल मैदान में संपन्न हुए, जिसमें जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) पी. चंद्रैया और प्रशिक्षु उप कलेक्टर मोहम्मद विलायत अली भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने उल्लेख किया कि राजस्व कर्मचारियों पर कार्य का दबाव अधिक होता है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी उन्हें निर्धारित कार्य घंटों से अधिक काम करना पड़ता है। ऐसे समय में, राजस्व कर्मचारियों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन उनके कार्य तनाव से राहत प्रदान करने का एक उत्तम उपाय है।

जिलाधिकारी ने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शारीरिक गतिविधियां न केवल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने में भी सहायक होती हैं। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे खेलों में हिस्सा लेकर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और टीम भावना को बढ़ावा दें।

इस खेल प्रतियोगिता ने राजस्व कर्मचारियों को एकजुट होकर प्रतिस्पर्धा करने और आपसी मेलजोल बढ़ाने का भी अवसर प्रदान किया।

क्रिमिनल केस में गिरफ्तारी के बाद कोत्तागुडेम में स्कूल सहायक निलंबित

कोत्तागुडेम, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के बुरगामपाडु स्थित सरकारी हाई स्कूल में कार्यरत स्कूल सहायक (गणित) एम. नागेश्वर राव को निलंबित कर दिया गया है।

मंडल शिक्षा अधिकारी यदुसिम्हाराजू ने सूचित किया कि जिला शिक्षा अधिकारी बी. नागलक्ष्मी के निर्देशों के बाद निलंबन आदेश जारी किए गए हैं, क्योंकि नागेश्वर राव के खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

शिक्षक को आपराधिक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था और वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है।

एमईओ ने कहा कि इसलिए सीसीए नियमों के अनुसार उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

आदिलाबाद में बीआरएस कार्यकर्ताओं को किया गया नज़रबंद

आदिलाबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। किसानों द्वारा सोमवार को इचोडा मंडल केंद्र में राज्य विधानसभा का घेराव करने के आह्वान के बाद, सोमवार को भारत राष्ट्र समिति के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को उनके घरों में नज़रबंद कर दिया गया।

बीआरएस इचोडा मंडल अध्यक्ष कृष्णा रेड्डी, पूर्व मुखरा (के) एमपीटीसी सदस्य गाडगे सुभाष और अन्य नेताओं को उनके घरों में हिरासत में लिया गया और बाद में पुलिस स्टेशन स्थानांतरित कर दिया गया। यह कार्रवाई रविवार को किसानों द्वारा दिए गए उस आह्वान के बाद की गई, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि 'रायथु भरोसा' योजना का लाभ तुरंत जारी नहीं किया गया, तो वे विधानसभा का घेराव करेंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए, कृष्णा रेड्डी ने किसानों की ओर से सरकार के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी योजना में देरी करके किसानों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार लाभ को चरणों में जारी करने के बजाय, एक ही किस्त में जारी करे।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका करेंगे एफआईएच हाकी नेशंस कप 2025-26 की मेजबानी

लाजान (स्विट्जरलैंड), 16 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ (एफआईएच) ने सोमवार को घोषणा की है कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के एफआईएच हाकी नेशंस कप 2025-26 के चौथे संस्करण की मेजबानी करेंगे। इस प्रतियोगिता के विजेता को एफआईएच हाकी प्रो लीग 2026-27 सत्र में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन शहर में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया की कई मजबूत टीमें भाग लेंगी। इन टीमों में मेजबान दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, स्काटलैंड और आयरलैंड शामिल हैं। स्काटलैंड ने एफआईएच हाकी नेशंस कप-2 के माध्यम से पदोन्नति हासिल की है, जबकि आयरलैंड 2024-25 सत्र की एफआईएच हाकी प्रो लीग से बाहर होकर इस टूर्नामेंट में उतरेगा। एफआईएच हाकी पुरुष नेशंस कप 2025-26 का आयोजन 11 से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। यह प्रतियोगिता एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होगी, जिसने 2022 में पोटचेफस्ट्रूम शहर में पुरुष वर्ग के पहले संस्करण की मेजबानी की थी। महिला वर्ग की प्रतियोगिता न्यूजीलैंड के आकलैंड शहर में 15 से 21 जून 2026 तक खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में मेजबान न्यूजीलैंड के अलावा अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्काटलैंड, फ्रांस और भारत की टीमें भाग लेंगी। फ्रांस ने एफआईएच हाकी नेशंस कप-2 से पदोन्नति हासिल की है, जबकि भारत 2024-25 सत्र की एफआईएच हाकी प्रो लीग से बाहर होकर इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। एफआईएच हाकी नेशंस कप की शुरुआत 2021 में उन शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों के लिए की गई थी, जो एफआईएच हाकी प्रो लीग में शामिल नहीं हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ऐसी टीमों को उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना है, जहां से विजेता टीम को अगले सत्र की प्रो लीग में पदोन्नति का अवसर मिलता है। महिला वर्ग में अब तक खेले गए तीन संस्करणों में भारत, स्पेन और न्यूजीलैंड खिताब जीत चुके हैं। वहीं पुरुष वर्ग में पहले संस्करण का खिताब दक्षिण अफ्रीका ने जीता था।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश के रिव्यू को लेकर पाकिस्तान ने दर्ज कराई आधिकारिक शिकायत

मीरपुर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार को खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान लिए गए विवादित रिव्यू को लेकर मैच रेफरी नेयामुर राशिद से आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह मामला मीरपुर में खेले गए मुकाबले के आखिरी ओवर से जुड़ा है, जिसमें आन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना के फैसले पर सवाल उठाए गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान टीम प्रबंधन का आरोप है कि बांग्लादेश ने आखिरी से दूसरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू का रिव्यू उस समय लिया जब उस गेंद का रिप्ले पहले ही स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जा चुका था। मुकाबले के उस समय पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों पर 12 रन की जरूरत थी। बांग्लादेश के गेंदबाज रिशाद हुसैन ने लेग स्टंप पर फ्लाइटेड गेंद डाली, जो लेग साइड की ओर घूमती हुई बल्लेबाज शाहीन शाह अफरीदी से दूर निकल गई। अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। इसके बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने आपस में चर्चा की और एलबीडब्ल्यू के लिए रिव्यू ले लिया, जबकि पहली नजर में गेंद अफरीदी के शरीर या पैरों के पास भी नहीं दिख रही थी। सामान्य नियमों के अनुसार रिव्यू लेने का फैसला खिलाड़ियों को रिप्ले दिखने से पहले करना होता है, ताकि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली जानकारी से निर्णय प्रभावित न हो। पाकिस्तान का आरोप है कि इस मामले में यह प्रोटोकाल सही तरीके से नहीं अपनाया गया। उनका यह भी कहना है कि संभव है कि बांग्लादेश ने 15 सेकंड की तय समय-सीमा के बाद रिव्यू लिया हो, हालांकि प्रसारण में कोई टाइमर नहीं दिखाया गया, जिससे इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज़ से बाहर हुए ईश सोढ़ी

माउंट माउंगानुई। न्यूज़ीलैंड के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान गेंदबाजी करते समय उनके अंगूठे में चोट लग गई थी और स्कैन में अंगूठा टूटने की पुष्टि हुई है। डाक्टरों के अनुसार उन्हें पूरी तरह ठीक होने में करीब चार सप्ताह का समय लगेगा। टीम प्रबंधन के अनुसार, चोट के कारण सोढ़ी सीरीज़ के शेष मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इस बीच तेज गेंदबाज लाकी फर्ग्यूसन दूसरे और तीसरे मैच के लिए टीम से जुड़ चुके हैं, जो क्रमशः हैमिल्टन और आकलैंड में खेले जाएंगे। चयनकर्ताओं ने सोढ़ी की जगह किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अब मिचेल सैंटनर और कोल मैककान्ची संभालेंगे। न्यूज़ीलैंड टीम के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, ईश न्यूज़ीलैंड के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित रहते हैं और विश्व कप अभियान के बाद घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए भी वे काफी उत्सुक थे।

बीसीसीआई ने जारी किये सभी दस आईपीएल टीमों के कप्तानों के नाम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 के लिए कप्तानों के नाम घोषित कर दिये हैं। आईपीएल में इस बार भी 10 टीमें उतरेंगी। इन सभी टीमों के कप्तानों की घोषणा हो गयी है। कप्तानों की सूची में अधिक बदलाव नहीं हुए हैं। मौजूदा चैम्पियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तानी इस बार भी रजत पाटीदार के पास रहेगी। वहीं, पिछले साल की उपविजेता पंजाब किंग्स की कप्तानी एक बार फिर श्रेयस अय्यर करेंगे। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी अक्षर पटेल के पास रहेगी। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पांड्या करेंगे। पिछले सत्र में भी वहीं कप्तान थे। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ करेंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने भी पिछले बार के कप्तान अजिंक्य रहाणे को बरकरार रखा है। राजस्थान रायल्स की कप्तानी में बदलाव हुआ है और इस बार रियान पराग कप्तान बनाये ये थे। रियान ने हालांकि पिछली बार नियमित कप्तान संजू सैमसन के साथ कुछ मैचों में कप्तानी की थी। सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी इस बार भी पैट कमिंस करेंगे। पिछले बार भी वही कप्तान रहे थे। गुजरात टाइटन्स की कप्तानी शुभमन गिल ही करेंगे।

आईपीएल टीमों के कप्तान

- रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु – रजत पाटीदार
- पंजाब किंग्स – श्रेयस अय्यर
- लखनऊ सुपर जायंट्स – ऋषभ पंत
- मुंबई इंडियंस – हार्दिक पांड्या
- चेन्नई सुपर किंग्स – रुतुराज गायकवाड़
- कोलकाता नाइट राइडर्स – अजिंक्य रहाणे
- राजस्थान रायल्स – रियान पराग
- सनराइजर्स हैदराबाद – पैट कमिंस
- गुजरात टाइटन्स – शुभमन गिल
- दिल्ली कैपिटल्स – अक्षर पटेल

एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करेगी : पीटी उषा

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी ऊषा ने भारतीय खेलों में एथलीट-केंद्रित शासन व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र का भविष्य ऐसी नीतियों से तय होना चाहिए जिनमें खिलाड़ियों को निर्णय प्रक्रिया के केंद्र में रखा जाए। आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट फेडरेशन आफ इंडिया (एसजेएफआई) के स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की तैयारी, कल्याण और विकास खेल प्रशासकों तथा खेल संस्थाओं की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस सम्मेलन की मेजबानी दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (डीएसजेए) कर रहा है।

पीटी उषा ने कहा, एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करनी चाहिए। खिलाड़ियों की तैयारी, उनका कल्याण और विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए।

भारतीय खेलों के बदलते परिदृश्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश इस समय अपने खेल सफर के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। बेहतर बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और संस्थागत समर्थन के कारण भारतीय खिलाड़ी अब वैश्विक मंच पर अधिक आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, पिछले एक दशक में हमने देखा है कि देश में खेलों को समर्थन और सम्मान देने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। आज खिलाड़ियों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और मजबूत संस्थागत समर्थन मिल रहा है।

पीटी उषा ने जमीनी स्तर पर खेलों के विकास के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय खेलों की असली ताकत गांवों, कस्बों और स्कूलों में छिपी हुई प्रतिभाओं में है, जिन्हें पहचानने और आगे बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, भारतीय खेलों की असली ताकत जमीनी स्तर पर है—गांवों, कस्बों और स्कूलों में जहां नई प्रतिभाएं सामने आने का इंतजार कर रही हैं। यदि हम कोचिंग, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा पहचान में लगातार निवेश करते रहें, तो भारत लगातार विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर सकता है।

पीटी उषा ने खेल पत्रकारिता की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खेल पत्रकार केवल परिणाम बताने वाले नहीं होते, बल्कि वे खिलाड़ियों के संघर्ष, भावनाओं और उपलब्धियों की कहानियों को सामने लाते हैं। जिम्मेदार और गहन खेल पत्रकारिता देश में खेलों की मजबूत नींव तैयार करती है।

सम्मेलन के दौरान आयोजित एक पैनल चर्चा में आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि भारत इस समय अपने खेल विकास के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहां बढ़ती महत्वाकांक्षा, निवेश और भागीदारी देश को एक प्रमुख खेल राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि भारत खेलों में इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। हमारे पास महत्वाकांक्षा है और इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

अय्यर ने कहा कि खेलों में भारत की प्रगति को बनाए रखने के लिए मजबूत जमीनी खेल ढांचा तैयार करना बेहद जरूरी है, जिसकी शुरुआत समुदाय स्तर पर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी बढ़ाने से होगी।

उन्होंने कहा, हमें ऐसा खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा जिसमें समुदाय स्तर पर अधिक लोग खेलों में भाग लें। जब यह आधार तैयार होगा, तब सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर तक पहुंचने के लिए आवश्यक संसाधन और समर्थन दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रमंडल खेल जैसे आयोजनों के साथ-साथ अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी देश के खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और भारत की वैश्विक खेल पहचान को बढ़ाने में मदद करेगी।

उन्होंने कहा, एक राष्ट्र के रूप में हम बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की दिशा में भी काम कर रहे हैं। कामनवेल्थ गेम्स और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताएं उस दृष्टि का हिस्सा हैं, जिसके माध्यम से भारत भविष्य में ओलंपिक खेलों की मेजबानी की नींव तैयार कर रहा है।

नार्थ जोन ने जीता आईडीसीए 7वीं वनडे नेशनल जोनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब

इंदौर, 16 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित 7वीं वनडे नेशनल जोनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप का रविवार को समापन इंदौर में हुआ, जिसमें रोमांचक मुकाबलों के बाद नार्थ जोन ने खिताब अपने नाम किया, जबकि साउथ जोन उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में देश के पांच जोन की डेफ पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में नार्थ जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.1 ओवर में 120 रन बनाए। टीम की ओर से कुलदीप सिंह ने 31 रन की अहम पारी खेली। साउथ जोन की तरफ से यशवंत नायडू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ जोन ने 25.5 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। टीम की जीत में वैभव ने 42 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि रोहित सैनी ने गेंदबाजी में पांच विकेट लेकर अहम योगदान दिया। चैंपियनशिप के अन्य मुकाबलों में सेंट्रल जोन ने ईस्ट जोन को 55 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल जोन ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन बनाए, जिसमें विराज कोल्टे ने 30 गेंदों में 50 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में ईस्ट जोन की टीम 18.1 ओवर में 132 रन पर सिमट गई। संजू शर्मा ने तीन विकेट लेकर सेंट्रल जोन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि संतोष कुमार मोहापात्रा ने 34 रन बनाए।

व्यक्तिगत पुरस्कारः

मैन आफ द मैच: विवेक कुमार (नार्थ जोन), अमन चौकसे (सेंट्रल जोन)

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़: अभिषेक सिंह (ईस्ट जोन)

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़: विवेक कुमार (नार्थ जोन)

प्लेयर आफ द सीरीज़: विवेक कुमार (नार्थ जोन)

समापन समारोह में मुख्य अतिथि डा. अतुल मलिकराम ने विजेता टीम को ट्राफी प्रदान की, जबकि विशिष्ट अतिथि राखाल कुमार सेठी ने उपविजेता टीम को सम्मानित किया। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा कि इस चैंपियनशिप ने डेफ क्रिकेटरों की प्रतिभा और खेल के प्रति उनके समर्पण को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

31 मार्च को इंटरकान्टिनेंटल प्लेआफ मुकाबले में उतरेगी इराकी टीम

बगदाद। इराक की फुटबाल टीम इस माह के अंत में मेक्सिको में 31 मार्च को फीफा विश्वकप फुटबाल में प्रवेश के लिए इंटरकान्टिनेंटल प्लेआफ मुकाबले में उतरेगी। इस प्लेआफ मुकाबले में इराक का सामना बोलीविया या सूरीनाम में से किसी एक टीम से होगा। इस मैच की विजेता टीम को विश्वकप में खेलने का अवसर मिलेगा। इराक की टीम ने आखिरी बार साल 1986 में फीफा विश्व कप खेला था। अब टीम के पास 39 साल बाद विश्व कप में वापसी करने का बड़ा मौका है और खिलाड़ी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इराक ने क्वालिफायर में भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने पांचवें राउंड में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3-2 से हराकर प्लेआफ में जगह बनाई थी। खाड़ी में जारी संघर्ष को देखते हुए टीम को निज विमान से भेजा जाएगा। इराकी फुटबाल संघ के अध्यक्ष अदनान दिरजल ने कहा है कि खाड़ी में जारी संघर्ष को देखते हुए हालात बेहद खराब हैं। ऐसे में टीम को सुरक्षित भेजने की तैयारियां चल रही हैं। यह मुकाबला 31 मार्च को मेक्सिको के मोंटेरे शहर में खेला जाएगा। अदनान ने कहा कि मध्य पूर्व क्षेत्र में 28 फरवरी से ही हवाई क्षेत्र बंद है। जिस प्रकार से मध्यपूर्व में ड्रोन और मिसाइल हमले हो रहे हैं जिसमें टीम को सुरक्षित भेजना सबसे चुनौतीपूर्ण काम है। इन हालातों में हवाई यात्रा कठिन हो गयी है पर इसके बाद भी टीम को निजी विमान से मेक्सिको भेजा जाएगा। मेक्सिको ने सभी खिलाड़ियों को पहले ही वीजा जारी कर दिए हैं, जिससे टीम की यात्रा में परेशानी आने की संभावना नहीं है।

जयपुर ने जीता श्री सीमेंट पोलो कप का खिताब, नाहरगढ़ को 9-4½ से हराया

जयपुर, 16 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर पोलो टीम ने यहां आरपीसी ग्राउंड पर खेले गए श्री सीमेंट कप के फाइनल में नाहरगढ़ को 9-4½ से हराकर सीजन का अपना 11वां खिताब जीत लिया। जयपुर की जीत के नायक रहे महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात गोल दागे। उनकी अगुवाई में जयपुर ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अंत तक बढ़त कायम रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मुकाबले की शुरुआत में नाहरगढ़ को ½ गोल का हैंडीकैप बढ़त मिली थी, लेकिन जयपुर ने जल्दी ही मैच पर नियंत्रण कर लिया। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने पहला फील्ड गोल दागकर टीम का खाता खोला और फिर एक और गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद उन्होंने तेजी से हैट्रिक पूरी करते हुए जयपुर को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। पहले चुक्कर के अंत से ठीक पहले प्रताप सिंह कनोटा ने भी एक शानदार फील्ड गोल कर जयपुर की बढ़त को चार गोल तक पहुंचा दिया।

दूसरे चुक्कर में नाहरगढ़ ने वापसी की कोशिश की। तरुण बिलवाल ने जयपुर की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए नाहरगढ़ के लिए पहला फील्ड गोल किया। हालांकि जयपुर ने तुरंत जवाब दिया और महाराजा पद्मनाभ सिंह ने एक और गोल दागकर टीम की बढ़त कायम रखी। इसके बाद विशाल सिंह राठौड़ ने नाहरगढ़ के लिए एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन चुक्कर के अंत में फिर से महाराजा पद्मनाभ सिंह ने गोल कर जयपुर को मजबूती दी। हाफटाइम तक स्कोर जयपुर 6 – नाहरगढ़ 2½ रहा।

तीसरे चुक्कर में नाहरगढ़ ने शुरुआती मिनटों में फिर से दबाव बनाने की कोशिश की और तरुण बिलवाल ने दूसरा गोल कर टीम का स्कोर 3½ तक पहुंचाया। इसके जवाब में प्रताप सिंह कनोटा ने शानदार फील्ड गोल कर जयपुर की बढ़त फिर बढ़ा दी। इसके कुछ देर बाद महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने मैच का अपना छठा गोल दागते हुए जयपुर को निर्णायक बढ़त दिला दी।

आखिरी चुक्कर में भी जयपुर का दबदबा जारी रहा। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने एक और गोल कर टीम का स्कोर नौ तक पहुंचा दिया। नाहरगढ़ की ओर से एक पेनल्टी कन्वर्जन के जरिए स्कोर 4½ तक पहुंचा, लेकिन जयपुर की मजबूत रक्षा पंक्ति ने विशाल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में आए आखिरी दबाव को भी झेलते हुए जीत सुनिश्चित कर ली। जयपुर की ओर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने सात गोल किए, जबकि प्रताप सिंह कनोटा ने दो गोल जोड़े। नाहरगढ़ के लिए तरुण बिलवाल ने दो गोल और विशाल सिंह राठौड़ ने एक गोल किया, साथ ही एक पेनल्टी कन्वर्जन भी टीम के खाते में गया।

यानिक सिनर ने जीता इंडियन वेल्स 2026 का खिताब, जोकोविच-फेडरर के खास क्लब में शामिल

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया में रविवार को खेले गए प्रतिष्ठित इंडियन वेल्स 2026 टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने रूस के दानिल मेदवेदेव को 7-6(6), 7-6(4) से हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स खिताब जीत लिया।

कैलिफोर्निया के रेगिस्तानी मौसम में खेले गए इस मुकाबले में सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान 28 विनर्स और 10 ऐस लगाए तथा नेट पर खेले गए सभी आठ अंकों में सफलता हासिल की।

इस जीत के साथ सिनर इतिहास में ऐसे तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने सभी छह एटीपी मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट खिताब जीते हैं। इस उपलब्धि के साथ वह टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर के विशेष क्लब में शामिल हो गए।

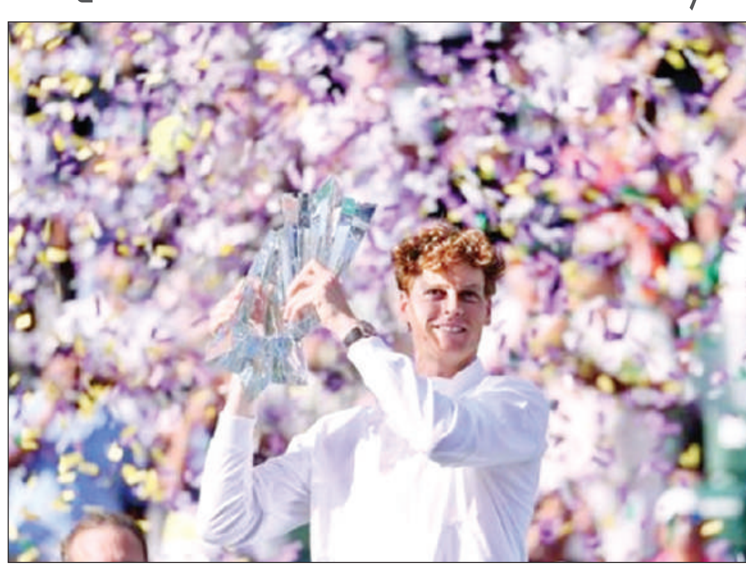

साल का यह उनका पहला खिताब है। इसके साथ ही वह 1990 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार दो मास्टर्स 1000 खिताब बिना एक भी सेट गंवाए जीते हैं। पेरिस में पिछले वर्ष जीते खिताब से शुरू हुई उनकी जीत की लय इस श्रेणी में 11 मैचों तक पहुंच गई है।

मुकाबले का हाल – पहला सेट काफी रोमांचक रहा। मेदवेदेव ने आक्रामक शुरुआत करते हुए सिनर पर लगातार दबाव बनाया और स्कोर 6-5 तक पहुंचाया, लेकिन सिनर ने वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में इतालवी खिलाड़ी ज्यादा सटीक साबित हुए और 7-6(6) से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिनर ने पांचवें गेम में बिना कोई अंक गंवाए ब्रेक लेकर 3-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मेदवेदेव ने हार नहीं मानी और स्कोर 6-6 कर दिया, जिससे मैच एक और टाईब्रेक में पहुंच गया।

टाईब्रेक में मेदवेदेव ने 4-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सिनर ने शानदार वापसी करते हुए लगातार अंक हासिल किए और 7-4 से टाईब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। मैच के बाद सिनर ने कहा, मैं लगातार विश्वास बनाए रखता रहा और अपने शाट्स खेलने की कोशिश करता रहा। अगर तीसरा सेट होता तो मुकाबला बराबरी से शुरू होता, इसलिए मैंने मैच खत्म करने की पूरी कोशिश की और इस जीत से बेहद खुश हूं।

मेदवेदेव का शानदार सफर – मेदवेदेव ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। सेमीफाइनल में उन्होंने विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज़ को हराकर बड़ा उलटफेर किया था और आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन की सीजन की 16 मैचों की जीत की लय को भी तोड़ दिया था। हालांकि, इंडियन वेल्स में यह उनका तीसरा फाइनल था और उन्हें एक बार फिर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

आरबीआई की मौद्रिक नीति में 10 साल का चक्र, संकटों ने बढ़ाई अस्थिरता

शुरू में दरों में कटौती, बाद में बढ़ोतरी और फिर लंबे समय तक स्थिरता का दौर आया

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

पिछले 10 साल (2016-2026) में भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दरों का पूरा चक्र देखा। शुरू में दरों में कटौती हुई, बाद में तेजी से बढ़ोतरी और फिर लंबे समय तक स्थिरता का दौर आया। सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव शक्तिकांत दास के कार्यकाल में देखे गए, जब कोविड-19 महामारी और वैश्विक महंगाई जैसी चुनौतियों ने नीति निर्णयों को प्रभावित किया। 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था को राहत देने के लिए आरबीआई ने रेपो रेट में तेजी से कटौती की। इसके विपरीत, 2022 में वैश्विक महंगाई के दबाव में दरों में तेजी से वृद्धि हुई। इस अवधि में नीति का रुख कुछ ही वर्षों में ढील से सख्ती की ओर बदल गया। महंगाई लक्ष्य प्रणाली लागू होने के बाद दरों में बदलाव कम हुए। 2010-2015 में 16 बार ब्याज दर बढ़ाई गई, लेकिन 2016-2026 में दरें लंबे समय तक स्थिर रहीं। 2021 और 2024 जैसे साल पूरे साल रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं हुए। 2024 को फुल कंसेंसस साल माना गया, हालांकि नीति रुख को लेकर मतभेद भी सामने आए। मानिटरी पालिसी कमिटी (एमपीसी) के फैसलों में सदस्यों की सहमति मजबूत रही। दर तय करने में एकमत देखा गया, लेकिन भविष्य के संकेत और नीति रुख पर मतभेद रहे।

मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में हयूदै क्रेटा रही नंबर-1

नई दिल्ली। मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में आटो बाजार में फिर हयूदै क्रेटा का दबदबा देखने को मिला है। फरवरी 2026 में हुई बिक्री के आंकड़ों के अनुसार इस लोकप्रिय एसयूवी ने एक बार फिर टाप पोजीशन हासिल कर ली। बीते महीने क्रेटा को कुल 17,938 नए ग्राहक मिले। यह आंकड़ा पिछले साल फरवरी 2025 में हुई 16,317 यूनिट की बिक्री के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत अधिक है। बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर महिंद्रा स्कार्पियो रही। इस एसयूवी ने सालाना आधार पर करीब 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज करते हुए फरवरी 2026 में 14,665 यूनिट की बिक्री की। वहीं तीसरे स्थान पर मारुति सुजुकी ग्रांड विटारा रही, जिसे इस दौरान 13,021 ग्राहकों ने खरीदा। सूची में चौथे स्थान पर किआ सेल्टास रही। किआ की इस एसयूवी की बिक्री में उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली और सालाना आधार पर करीब 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ इसकी 10,308 यूनिट बिकीं। वहीं पांचवें स्थान पर टोयोटा अर्बन क्रूजर हायराइडर रही, जिसकी बिक्री में जबरदस्त 117 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई और कुल 9,359 यूनिट की बिक्री हुई। इसके बाद छठे स्थान पर महिंद्रा एक्सयूवी700 रही, जिसे फरवरी में 9,112 नए ग्राहक मिले। सातवें स्थान पर टाटा सियेरा रही, जिसकी 7,100 यूनिट बिकीं। बिक्री की सूची में आठवें स्थान पर मारुति सुजुकी ग्रांड विटारा रही, जिसकी बिक्री में 45 प्रतिशत की सालाना गिरावट दर्ज की गई ।

न्यूज ब्रीफ

मार्च की बढ़ती गर्मी से रबी फसलें प्रभावित, गेहूं-सौंफ की पैदावार 20 फीसदी घटने का खतरा

नई दिल्ली। मार्च की शुरुआत में जिले के कई इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। अचानक बढ़ी गर्मी से गेहूं, जौ और सौंफ जैसी रबी फसलें हीट स्ट्रेस का शिकार हो रही हैं। इस समय फसलें दाना बनने और भरने की अवस्था में हैं, इसलिए अधिक तापमान उनके सामान्य विकास में बाधा डाल रहा है और किसानों की चिंता बढ़ा रहा है। एग्रीकल्चर एक्सपर्ट के अनुसार यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो जिले के कुल उत्पादन पर बड़ा असर पड़ेगा। इस सीजन में जिले में कुल 36 हजार हेक्टेयर में रबी फसलें बोई गई थीं। सामान्य परिस्थितियों में अनुमानित उत्पादन 5.50 लाख क्विंटल था लेकिन अचानक बढ़ी गर्मी के कारण अब लगभग 1.10 लाख क्विंटल उत्पादन कम होने का अनुमान है, यानी कुल पैदावार में गिरावट संभव है। गर्म मौसम से पौधों में फोर्स मैच्योरिटी प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसका असर यह होता है कि दाने पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते और समय से पहले सूख जाते हैं। गेहूं और जौ के दाने छोटे, पतले और सिकुड़े रहते हैं। सौंफ की चमक और गुणवत्ता भी प्रभावित होती है, जिससे किसानों की आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

ईरान संघर्ष से रुपया दबाव में, आरबीआई के लिए बढ़ी चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय रुपये ने नया ऐतिहासिक निम्नतम स्तर छू लिया है। इस सप्ताह डालर के मुकाबले रुपया 91.71 से 92.47 के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा और सप्ताह का बंद 92.46 प्रति डालर पर हुआ। यह पिछले सप्ताह के 91.75 प्रति डालर से कमजोर है। रुपये की कमजोरी का मुख्य कारण वैश्विक जोखिम में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों का तेज़ बढ़ना है। ईरान संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमत 70 डालर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 98.7 डालर प्रति बैरल हो गई है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है, जो वैश्विक तेल शिपमेंट के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। अमेरिका ने भी 13 मार्च को ईरान पर हमले तेज किए। आईएफए ग्लोबल के एक प्रमुख अधिकारी का कहना है कि रुपये पर दबाव तब तक रहेगा जब तक ब्रेंट क्रूड 100 डालर प्रति बैरल के आसपास बना रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है।

भारत और अमेरिका में डब्ल्यूटीओ सुधार पर टकराव की आशंका

नई दिल्ली। भारत ने डब्ल्यूटीओ के मूल सिद्धांतों की सुरक्षा पर जोर दिया है। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लेना और तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) सिद्धांत शामिल हैं। सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि संगठन के बुनियादी नियम नहीं बदले जाने चाहिए।

उनका मानना है कि पहले पुराने लंबित मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिए, उसके बाद ही नए सुधारों को जोड़ा जाए।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला जीएसपी क्राप साइंस का आईपीओ, 24 मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

एग्रोकेमिकल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी जीएसपी क्राप साइंस का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 18 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 20 मार्च को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 मार्च को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 304 रुपये से लेकर 320 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 46 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 46 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,720 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,91,360 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 598 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.25 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 240 करोड़ रुपये के 75 लाख नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 17.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 55.54 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 81.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 81.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 1,206.05 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 1,158.23 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 1,301.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 847.61 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 324.26 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 235.44 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 296.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 321.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 336 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 344.46 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 411.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 490.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 81.28 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 130.41 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 164.03 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 138.86 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात पर पश्चिम एशिया संकट का असर

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात में इस महीने लगभग 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि यही स्थिति बनी रहती है तो अगले तीन महीनों में 1.2 अरब डालर के निर्यात पर असर पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष से 20 फीसदी की गिरावट

कुल मिलाकर संभावित नुकसान लगभग 2 अरब डालर तक हो सकता है, हालांकि चीन और हान्गकान्ग जैसे बाजारों से इसकी कुछ भरपाई हो सकती है। भारतीय निर्यातक अमेरिकी शुल्कों के दबाव से बचने के लिए यूएई के बाजार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कुल निर्यात का लगभग 65 प्रतिशत दुबई पहुंचा, जो खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में वितरित होता है।

दुबई अब भारत का प्रमुख आपूर्ति केंद्र बन गया है और यहां कच्चे और तैयार हीरों का व्यापार बेल्जियम की जगह ले चुका है। यूएई और विशेष रूप से दुबई को किए जाने वाले कुल निर्यात का मूल्य 8.3 अरब डालर है।

भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के कारण देश में लगभग 200 टन सोने के आयात पर भी असर पड़ने की संभावना है। हालांकि फरवरी 2026 में भारतीय रत्न और आभूषण का निर्यात 2.68 अरब डालर रहा, जो सालाना आधार पर 3.86 प्रतिशत बढ़ा। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक निर्यात 25.93 अरब डालर के स्तर पर स्थिर रहा, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 25.92 अरब डालर था।

नई इलेक्ट्रिक एसयूवी एमजी 4एक्स पेश

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में पिछले कुछ वर्षों में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मजबूत पकड़ बनाई है। इस सफलता में सबसे बड़ा योगदान एमजी विंडसोर ईवी की शानदार बिक्री का माना जाता है। कंपनी का बीएएएस यानी बैटरी ऐज ए सर्विस प्राइसिंग माडल भी ग्राहकों को आकर्षित करने में सफल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी वर्ष 2027 तक झेडएस ईवी और एमजी अस्टार की जगह नए माडल लाने की तैयारी कर रही है। इसी बीच कंपनी ने अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी एमजी 4एक्स को पेश किया है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि यह भविष्य में झेडएस ईवी का विकल्प बन सकती है। इससे पहले एमजी ईएस5 को भी झेडएस ईवी की जगह लेने वाला माडल माना जा रहा था, लेकिन अब एमजी 4एक्स को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस नई एसयूवी को अगले महीने बीजिंग में होने वाले आटो चाइना शो में आधिकारिक तौर पर ग्लोबल डेब्यू किया जाएगा। इसके आयामों की बात करें तो एमजी 4एक्स की लंबाई 4,395 मिमी, चौड़ाई 1,842 मिमी, ऊंचाई 1,551 मिमी और व्हीलबेस 2,750 मिमी है। आकार के लिहाज से इसका मुकाबला बीवायडी अटटो 2 से माना जा रहा है। डिजाइन की बात करें तो इसमें कनेक्टेड एलईडी लाइट बार, स्टाइलिश हेडलाइट्स, स्पोर्टी बंपर, क्रोम विंडो लाइन और डुअल-टोन एलाय व्हील्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे प्रीमियम लुक देते हैं।

सोना और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, 16 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये से लेकर 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये से लेकर 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,59,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तेलंगाना राइजिंग...

का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। राज्य ने रायथु भरोसा योजना के तगत 8,744 करोड़ रुपये जारी किए हैं और 25 लाख से अधिक किसानों के दो लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ किए हैं, जो कुल मिलाकर 20,616 करोड़ रुपये हैं।

कल्याणकारी योजनाओं पर उन्होंने कहा कि सरकार ने 15.12 लाख नए राशन कार्ड जारी किए, 4.5 लाख घरों को लक्षित करते हुए इंदिराम्मा इंदलू आवास योजना शुरू की और महालक्ष्मी योजना लागू की, जिसके द्वारा महिलाओं ने 269 करोड़ से अधिक मुफ्त बस यात्राएं की हैं और यात्रा लागत में 9,222 करोड़ रुपये की बचत हुई है।राज्यपाल ने महिला सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई पहलों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें इंदिरा महिला शक्ति कार्यक्रम, स्वयं सहायता समूहों का विस्तार और एक करोड़ महिला उद्यमियों को तैयार करना शामिल है। शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में, सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल, यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और डॉ. मनमोहन सिंह अर्थ साइंसेज यूनिवर्सिटी जैसे विशेष संस्थानों की स्थापना कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में, सरकार वारंगल हेल्थ सिटी, नए टीआईएमएस अस्पतालों और 17 मेडिकल कॉलेजों के साथ चिकित्सा अवसंरचना का विस्तार कर रही है जबकि राजीव आरोग्यश्री योजना के अंतर्गत प्रति परिवार को पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये तक का कवरेज प्रदान कर रही है।राज्यपाल ने शासन सुधारों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें प्रजा पालना की 99 दिवसीय कार्य योजना, राज्यव्यापी जाति एवं सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण, शिक्षा और रोजगार में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण और प्रमुख भर्ती सुधार शामिल हैं, जिनके परिणामस्वरूप 67,763 सरकारी पदों को भरा गया है।

राज्यपाल के संबोधन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार और विधान परिषद अध्यक्ष गुट्टा सुकेंदर रेड्डी मंच पर उपस्थित थे। राज्यपाल के संबोधन के दौरान बीआरएस सदस्यों ने अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि सरकार राज्यपाल के माध्यम से गलत जानकारी प्रस्तुत कर रही है।

रमजान में...

वहीं कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इब्राहीमी मस्जिद में केवल लगभग 50 नमाजियों को ही इबादत करने की अनुमति दी जा रही है।

यह बंदी अब तक 16-17 दिनों से जारी है। 1967 में पूर्वी यरुशलम पर इजरायल के कब्जे के बाद से रमजान के दौरान यह सबसे लंबी बंदी मानी जा रही है।इजरायल का तर्क है कि उसने सुरक्षा कारणों और क्षेत्रीय युद्ध (ईरान के साथ चल रहे संघर्ष) के चलते बंदी लागू की है। उसका कहना है कि ईरान से मिसाइल हमलों का खतरा हो सकता है।इस बंदी के कारण अल-अक्सा परिसर खाली पड़ा हुआ है, और हजारों फिलिस्तीनी मुसलमानों को पुराने शहर की सड़कों और दीवारों के आसपास ही नमाज अदा करनी पड़ रही है। रमजान के आखिरी दस दिनों में मस्जिद बंद होने से (जिसमें लैलतुल कद्र शामिल है) और इतिकाफ जैसी इबादतें प्रभावित हुई हैं।

मुस्लिम संगठनों और इस्लामिक देशों ने की इजरायल की कड़ी निंदा

अरब लीग के अलावा, कई अन्य संगठनों और देशों ने भी इसकी कड़ी निंदा की है। कतर, जॉर्डन, इंडोनेशिया, तुर्की, पाकिस्तान, सऊदी अरब, मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात जैसे आठ अरब-इस्लामी देशों ने संयुक्त रूप से मस्जिद को बंद रखने की निंदा की है।ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन, मुस्लिम वर्ल्ड लीग, अल-अजहर, अफ्रीकन यूनियन और अरब पार्लियामेंट ने भी इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और इबादत की आजादी पर हमला बताया।फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने इसे 1967 के बाद की सबसे लंबी बंदी करार दिया और इसे खतरनाक उदाहरण बताया। हमास ने इसे 'युद्ध की घोषणा' जैसा कदम कहा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की गई है कि वह इजरायल पर दबाव बनाकर अल-अक्सा मस्जिद को श्रद्धालुओं के लिए खोलने के लिए कदम उठाए।

फीकी पड़ी ...

ऑस्ट्रेलिया ने इस क्षेत्र में नौसैनिक सहायता देने से मना कर दिया है। कैबिनेट मंत्री कैथरीन किंग ने बताया कि यह समुद्री रास्ता बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पास जहाज भेजने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास इस संबंध में कोई औपचारिक अनुरोध नहीं आया है।

जापान ने भी किया इनकार

मामले पर जापान का रुख भी कुछ ऐसा ही है। प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने सोमवार को संसद में कहा कि फिलहाल पश्चिम एशिया में जहाजों की सुरक्षा के लिए युद्धपोत भेजने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने साफ किया कि जापान ने अभी तक किसी भी सैन्य भागीदारी के लिए हामी नहीं भरी है। सरकार अभी इस बात की जांच कर रही है कि वह अपने कानूनों के दायरे में रहकर स्वतंत्र रूप से क्या कर सकती है।

दक्षिण कोरिया ने क्या कहा?

वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा है कि वह इस मुद्दे पर वाशिंगटन के साथ बातचीत कर रहा है। सियोल के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, कोई भी फैसला लेने से पहले स्थिति की गहराई से समीक्षा की जाएगी। वहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस मामले में कूटनीतिक रास्ता अपनाया है। उन्होंने ट्रंप से बात की और समुद्री रास्ते को फिर से खोलने की जरूरत पर जोर दिया ताकि दुनिया भर में सामान की आवाजाही न रुके। स्टार्मर ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी इस संकट पर चर्चा की है।

क्या बोले थे ट्रंप?

राष्ट्रपति ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जो देश अपनी तेल जरूरतों के लिए मध्य पूर्व पर निर्भर हैं, उन्हें इस रास्ते की सुरक्षा में मदद करनी चाहिए। ट्रंप का तर्क है कि इन देशों को अपने हितों की रक्षा खुद करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अब इस रास्ते पर उतना निर्भर नहीं है जितना कि दूसरे बड़े देश हैं।

चीन का भी किया था जिक्र

ट्रंप ने खास तौर पर चीन का नाम लिया। उन्होंने कहा कि चीन अपनी तेल सप्लाई का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से मंगवाता है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि चीन इस गठबंधन का हिस्सा बनेगा या नहीं। ट्रंप की इन कोशिशों के बावजूद अभी तक किसी भी देश ने सेना भेजने का पक्का वादा नहीं किया है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप ...

वादी ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह से निराधार, मनगढ़ंत और तथ्यों से परे बताया है। उन्होंने अदालत को बताया कि सनसनीखेज फॉर्मेट और छेड़छाड़ किए गए वीडियो का उपयोग केवल सार्वजनिक आक्रोश और डिजिटल वायरल होने के उद्देश्य से किया गया था।

राजनीतिक पहचान के कारण निशाना बनाने का दावा

वादी ने कहा कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इन झूठी खबरों से वित्तीय उद्योग में उनकी पेशेवर प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत गरिमा को वैश्विक स्तर पर नुकसान पहुँचा है। अदालत का दरवाजा खटखटाने से पहले, 6 मार्च 2026 को एक कानूनी नोटिस भेजकर 72 घंटे के भीतर अपमानजनक सामग्री हटाने को कहा गया था, लेकिन आदेश का पालन न होने पर उन्होंने अब अदालत से हस्तक्षेप, 10 करोड़ रुपये के हर्जाने और दोषियों से माफी की मांग की है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 17 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

हिंदू उत्सव समिति भाग्यनगर की 11 रविवार मसाला ठंडी छाछ सेवा 22 से, दस साल से जारी पुण्य कार्य

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू उत्सव समिति भाग्यनगर द्वारा पिछले 10 वर्षों से गर्मी के मौसम में राहगीरों के लिए मसाला ठंडी छाछ सेवा का आयोजन किया जा रहा है, जो समाज में सराहना का विषय बना हुआ है।

10 साल से जारी नि:शुल्क सेवा, राहगीरों को मिल रही राहत

समिति द्वारा गरमी के कुल 11 रविवार को दोपहर 12.00 से 2.00 बजे तक मसाला ठंडी छाछ सेवा आर. नानकराम जी के निवास, हाई कोर्ट पोस्ट के सामने राहगीरों में वितरित की जाती है।

इस सेवा का उद्देश्य भीषण गर्मी में राहगीरों, यात्रियों और जरूरतमंद लोगों को ठंडक और राहत प्रदान करना है। समिति के सदस्य स्वयंसेवक बनकर इस पुण्य कार्य में सक्रिय योगदान देते हैं।

22 मार्च से 31 मई तक चलेगी विशेष अभियान

समिति के सभी सदस्यों की सहमति से अगामी रविवार 22/3/26 से 31/5/26 तक यह विशेष सेवा अभियान चलाया जाएगा।

इस दौरान हर रविवार दोपहर 12 से 2 बजे तक छाछ वितरण का कार्य निरंतर जारी रहेगा। समिति ने इस बार भी व्यवस्थित तरीके से सेवा प्रदान करने की तैयारी पूरी कर ली है।

सहयोग की अपील: किरन तायल ने की गुजारिश

समिति के प्रतिनिधि किरन तायल ने समिति के सभी सेवा सदस्यों, सहयोगियों, पुलिस प्रशासन और सफाई कर्मचारियों से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस पुण्य कार्य को सफल बनाने के लिए सभी वर्गों के सहयोग की आवश्यकता है। समिति ने स्थानीय नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस सेवा अभियान में स्वयंसेवक बनकर जुड़ें और समाज सेवा का पुण्य कमाएं।

मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं : अनीता सुगंधा

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद और राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर समाजसेविका अनीता सुगंधा ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भावना से जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायी है। आज के समय में जब कई लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त रहते हैं, ऐसे में जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना बहुत बड़ी बात है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान को हमारे धर्म और संस्कृति में सबसे बड़ा दान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना न केवल एक पुण्य का कार्य है, बल्कि यह मानवता की सच्ची सेवा भी है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अन्नदान, सेवा और सहयोग के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश दे रहे हैं।

अनीता सुगंधा ने कहा कि इस तरह के सेवा कार्यों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। जब समाज के लोग मिलकर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आते हैं, तो समाज में एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार होता है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने मिलकर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया और सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर रवि अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, गोविंद राम पचेरिया, अनिल भाई, अरुण विजयवर्गी, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, पूजा सांघी, अनीता सुगंधा और शर्मिला अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा व्यापारिक प्रकोष्ठ सहसंयोजक मनोनीत होने पर

सतीश कुमार जाजू का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा नेता एवं प्रमुख समाज-सेवी सतीश कुमार जाजू का विभिन्न संस्थाओं की ओर से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ओर से चेयरमैन जसमत पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से रिद्धिश जागीरदार, गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से अध्यक्ष तरूण महेता एवं आर्य कन्या विद्यालय की ओर से भरत मुनि, श्रुतिकांत भारती, सत्यनारायण शर्मा, प्रदीप जाजू, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, का. पद्मा, सुधा ठाकुर, उमा दुबे एवं भक्त राम ने गौभक्त सतीश कुमार जाजू का भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य के व्यापारिक प्रकोष्ठ सहसंयोजक मनोनीत होने पर अभिनंदन किया।

युवा नेता सतीश जाजू: समाज सेवा, स्वास्थ्य एवं जीव दया के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य

अवसर पर जसमत पटेल ने सतीश जाजू की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह काफी कम उम्र से ही समाज सेवा, स्वास्थ्य सेवा, जीव दया के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। इन्हें इनके कार्यों को देखते हुए विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। वह प्रभु से प्रार्थना करते हुए सतीश जाजू को जीवन शरदशतम् अर्थात शतायुष्यमान रहकर रोग पीड़ित मानव समाज की जीवन और स्वास्थ्य प्रदान करें।

सतीश जाजू का परिचय देते हुए रिद्धिश जागीरदार ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं गौभक्त सतीश कुमार जाजू को भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य के व्यापारिक प्रकोष्ठ सहसंयोजक मनोनीत किया गया। विगत में उन्होंने प्रकोष्ठ के हैदराबाद नगर संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। श्री जाजू भारतीय जनता पार्टी में करीब 2 दशक से भी ज्यादा समय से जुड़े हैं, इसके साथ साथ वह विभिन्न सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

सतीश जाजू ने व्यक्त किया आभार, भाजपा की जीत के लिए संकल्प

भक्त राम ने कहा कि सतीश कुमार जाजू भाजपा व्यापारिक प्रकोष्ठ सहसंयोजक मनोनीत होने पर हम सभी को गर्व का अनुभव हो रहा है। सतीश जाजू ने भाजपा तेलंगाना राज्य के सभी वरिष्ठ नेताओं एवं विशेषकर भाजपा तेलंगाना राज्य अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव का आभार प्रकट किया और उन्होंने कहा कि वह व्यापारिक समूह से सहयोग लेकर एवं सबको एक मंच पर लाकर अगले जी.एच.एम.सी. एवं विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के लिए प्रयास करने का विश्वास दिलाया।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं समाजसेवियों ने सौजन्य भेंट की और उनका हार्दिक अभिनंदन किया। अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सोहनलाल कड़ेल, उद्योगपति एवं समाजसेवी मोतीलाल भलगत, अविनाश देवड़ा, मनमीत सिंह तथा अंजनेयलू उपस्थित रहे। सभी ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला का अभिनंदन करते हुए राज्य के विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विचारों पर चर्चा की।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सहयोग से नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन, सैकड़ों लोगों ने लिया लाभ

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस इंटरनेशनल क्लब के अंतर्गत हैदराबाद आदर्श नगर लायंस क्लब, हैदराबाद ग्रेटर बंजारा लायंस क्लब और हैदराबाद कैपिटल लायंस क्लब के तत्वावधान में शनिवार को श्रीनिवासा नगर कम्युनिटी हॉल, सेंट्रल एक्साइज कॉलोनी, अमीरपेट के पास एक नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच करवाई और डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया।

इस अवसर पर मरीजों को आवश्यक दवाइयाँ गोयल फार्मा और गोयल ड्रग्स की ओर से नि:शुल्क वितरित की गईं। कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया और सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम में लायन महेंद्र कुमार रेड्डी, लायन ए. अमरनाथ राव, लायन शशिकला मदुर और लायन रमा देवी रेड्डी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे हेल्थ कैंप समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद लाभकारी होते हैं और इससे उन्हें समय पर स्वास्थ्य जांच व इलाज की सुविधा मिलती है।

इस दौरान टीम गोयल के महावीर बोहरा और विजया शांति सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने मिलकर इस सेवा कार्य को समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लंबे समय से अन्नदान, स्वास्थ्य सेवा और अन्य सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता करता आ रहा है। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के सेवा कार्य लगातार जारी रखे जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

एकादशी के पावन अवसर पर पहाडी श्याम मंदिर में गूंजा भजनोत्सव श्याम का

चेतन दाहिमा की मधुर वाणी ने बांधा भक्तों का मन

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पहाडी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स में एकादशी के पावन अवसर पर प्रेमी पहाड़ी श्याम के द्वारा आयोजित भजनोत्सव श्याम का में भक्तिमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में भजन सम्राट चेतन दाहिमा ने अपनी मधुर वाणी से श्याम बाबा के भजन प्रस्तुत किए, जिससे उपस्थित भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए।

चेतन दाहिमा की भजन प्रस्तुति ने किया भक्तों को मंत्रमुग्ध

भजनोत्सव श्याम का के मुख्य आकर्षण रहे चेतन दाहिमा ने अपने सुरीले स्वर में श्याम बाबा के भजन गाकर भक्तों की भक्ति भावना को और भी गहरा कर दिया। उनके भजनों ने सभास्थल में एक अलौकिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। भक्तगण भजन की धुन में झूम उठे और श्याम बाबा की भक्ति में लीन हो गए।

विशिष्ट अतिथियों का सम्मान, मंदिर प्रबंधन ने व्यक्त आभार

अवसर पर मंदिर के चेयरमैन अरुणा डाकोतिया ने विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया। इस दौरान ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, रुपेश सिंघानिया, प्रवीण अग्रवाल (नाचारम), सुरेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल सहित प्रेमी पहाड़ी श्याम के के सदस्य एवं उपस्थित भक्तगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को मंदिर प्रबंधन की ओर से शाल, श्रीफल एवं प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया।

एकादशी का पावन पर्व बना हर्षोल्लास

एकादशी के पावन पर्व पर आयोजित इस भजनोत्सव में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सभी ने मिलकर श्याम बाबा के भजन गाए और आरती की। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों से समाज में आस्था और भाईचारे का संदेश फैलता है। आगामी दिनों में भी मंदिर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी भक्तजन सम्मिलित होकर पुण्य के भागीदार बन सकते हैं।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा का होली मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा द्वारा 15 मार्च, रविवार को किंग कोठी स्थित केमिस्ट भवन में होली मिलन समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे सदस्यों ने एक साथ मिलकर होली के पावन पर्व को धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना से की गई। सभी सदस्यों ने विधि-विधान से पूजा की और समाज के उत्थान एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात वातावरण में भक्ति और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला।

इसके पश्चात डीएमजी म्यूजिकल ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा शानदार संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं।

ग्रुप की मनमोहक प्रस्तुति के साथ फूलों की होली भी खेली गई, जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का संयोजन मंजू अग्रवाल द्वारा किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने संगीत और नृत्य के साथ होली के इस पर्व को हंसी-खुशी मनाया।

कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए स्नेहभोज (डिनर) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष सीमा मोदी, उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल तथा के.एस. सदस्य रमेश गुप्ता और शिव शंकर बगारिया उपस्थित रहे। इसके अलावा पवन चौधरी, सुनील मोदी, पीयूष अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, माणिक लाल अग्रवाल, आनंद चौधरी, आनंद अग्रवाल, भगवती प्रसाद अग्रवाल सहित अन्य कई गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद में साधारण सभा एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सम्पन्न

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र – 104 की साधारण सभा एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन काचीगुड़ा स्थित भावसार भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसमें सभी गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता निभाई।

सभा ने हिंगुलांबिका पूजा, आरती की और गायत्री मंत्र का पाठ किया, जिसके बाद दिवंगत आत्माओं के सम्मान में एक मिनट का मौन रखा गया। गणेश वंदना प्रियांशी दांडगे द्वारा किया गया। सम्माननीय अतिथि के रूप में श्री मनीष सुत्रावे (भावसार विजन इण्डिया राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री बाबूराव गडाले (बीवीआई गवर्नर), श्रीमती ज्योति चुटके, श्री मोहनराव देवतराज, श्री शशिकांत पिस्से, श्रीमती अश्विनी प्रवीण पतंगे, अध्यक्ष श्री घनश्याम पतंगे, मंत्री श्री जवाहर भरडे, कोषाध्यक्ष बीवीआई हैदराबाद एवं अन्य ने इस अवसर पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विश्व हिंदू परिषद की सम्मानित वक्ता, श्रीमती कमल पंत द्वारा दिया गया प्रेरणादायक भाषण था। उनके बहुमूल्य विचारों और मार्गदर्शन ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरित किया और उन्हें समाज में अपनी शक्ति और महत्व को पहचानने के लिए प्रोत्साहित किया। इस उत्सव को आनंदमय और रोचक बनाने के लिए, महिलाओं के लिए 'स्पॉट प्रश्न', मज़ेदार खेल और एक जीवंत 'रैंप वॉक' जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन खेलों का संचालन श्रीमती अनीता पारेकर, श्रीमती ललिता सुत्रावे और श्रीमती अर्चना सुत्रावे ने बहुत ही बेहतरीन ढंग से किया, जिससे कार्यक्रम में और भी अधिक उत्साह और आनंद का संचार हुआ। भावसार हैदराबाद द्वारा आयोजित पिछली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी इस कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

महिला कल्याण निदेशक, श्रीमती ललिता सुत्रावे ने सम्मान और सराहना के प्रतीक के रूप में, उपस्थित सभी महिलाओं को पारंपरिक 'खंडवा' भेंट कर सम्मानित किया। हमारे संगठन के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण वह था, जब हमारी समर्पित 'बुलेटिन संपादक' श्रीमती हेमा रानी परंकर को 'नारी शक्ति गौरव पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। श्रीमती हेमा रानी, भावसार हैदराबाद की गतिविधियों को समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाने और हमारे समुदाय को पहचान दिलाने के लिए अथक परिश्रम कर रही हैं। इस कार्यक्रम का संचालन हमारी 'मास्टर्स ऑफ़ सेरेमनी' (संचालिकाएँ), श्रीमती अर्चना बासुतकर और श्रीमती स्वाति डवलागर ने अत्यंत कुशलता से किया। उनके बेहतरीन तालमेल और गरिमामयी संचालन ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा और इस कार्यक्रम को जीवंत तथा यादगार बना दिया। कार्यक्रम का समापन सभी सदस्यों के लिए आयोजित एक स्वादिष्ट दोपहर के भोजन के साथ हुआ। कुल मिलाकर, यह कार्यक्रम एक भव्य सफलता थी और सभी ने एक साथ मिलकर एक अद्भुत और यादगार समय बिताया। आयोजकों ने उन सभी सदस्यों और आयोजकों का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम सफल हो पाया।

सेवा और सहयोग की मिसाल है राधे-राधे ग्रुप : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संजय गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है। जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराना सच्ची मानव सेवा है और ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर सेवा कार्य कर रहा है। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, हरीश तोलाराम हिंदूजा, रणधीर सहित अन्य सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित रहकर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया। सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा कार्य में सहयोग दिया और कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को बढ़ावा देना है। ग्रुप द्वारा इस प्रकार के सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

श्री बालवीर हनुमान मंदिर में श्री गणपति-नागदेवता सहित सर्वदेवता प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

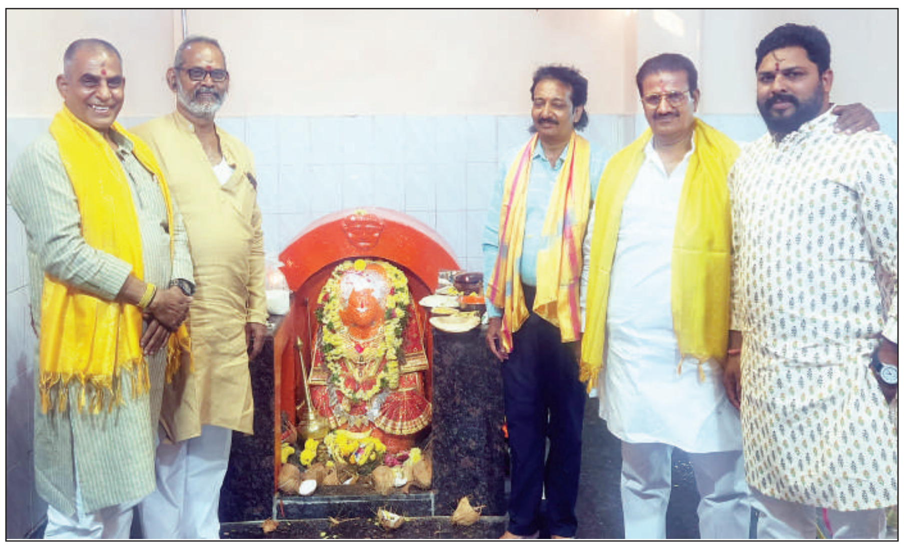

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। उप्पलनेमिला, भाग्यनगर स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर में सोमवार, 16 मार्च को श्री गणपति, नागदेवता सहित सर्वदेवता प्रतिष्ठा महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। धार्मिक आस्था और उत्साह के बीच भक्तों ने इस पावन अवसर पर दर्शन का सौभाग्य प्राप्त किया।

प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत सुबह 7:00 बजे गुरु प्रार्थना, गोपूजा और अभिषेक पूजा के साथ हुई। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन का पावन वातावरण बना रहा। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और देवताओं के आशीर्वाद की कामना की।सुबह 9:25 बजे शुभ मुहूर्त में देवताओं की प्रतिष्ठा, मंगल स्नान, अधिवास क्रियाएं, महापूर्णाहुति और मंगल हवन का आयोजन किया गया। इसके बाद भक्तों में तीर्थ प्रसाद का वितरण किया गया। इस पावन अवसर पर माणिक राव पातंगे, संजय घनाटे, रघुनंदन यादव, नवीन पाटलय तथा प्रशांत नीमकर ने भी सहभागिता निभाई और देवताओं के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।मंदिर प्रबंधन ने बताया कि इस प्रतिष्ठा महोत्सव से क्षेत्रवासियों में धार्मिक जागरूकता और आस्था का संचार हुआ है। आगामी दिनों में भी मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी भक्तजन सम्मिलित होकर पुण्य के भागीदार बन सकते हैं।

साहित्य गरिमा पुरस्कार 2025 का भव्य आयोजन संपन्न, 13 साहित्यकार सम्मानित

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति हैदराबाद, कादम्बिनी क्लब हैदराबाद तथा ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 15 मार्च को होटल अबोड (लकड़ी का पुल) के सभागार में साहित्य गरिमा पुरस्कार 2025 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन तीन सत्रों में किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए साहित्यकारों और अतिथियों ने सहभागिता की।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रो. शुभदा वांजपे ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में विश्वजीत सपन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शिवशंकर अवस्थी (नई दिल्ली) और श्रीमती शांति अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती और साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति की संस्थापिका स्वर्गीय डॉ. अहिल्या मिश्र के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। शुभ्रा मोहंतो ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण प्रणव ने स्वागत भाषण में कहा कि डॉ. अहिल्या मिश्र का सपना महिला रचनाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना था, जिसे समिति आगे बढ़ा रही है। महासचिव मोहित ने बताया कि इस वर्ष से साहित्य गरिमा पुरस्कार का नाम बदलकर डॉ. अहिल्या मिश्र स्मृति सम्मान रखा गया है।

इस अवसर पर चेन्नई की अहिंदी भाषी साहित्यकार डॉ. मंजु रुस्तगी को उनके काव्य संग्रह खाट की निवाड़ के लिए शॉल, श्रीफल, मोमेंटो, प्रमाण पत्र एवं 21,000 रुपये की राशि देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा विभिन्न विधाओं में कुल 13 साहित्यकारों को सम्मानित किया गया, जिनमें गरिमा सक्सेना, शिवप्रसाद जोशी, हरीशकुमार सिंह, डॉ. निर्मला देवी चिट्टिल्ला, डॉ. शीलक्ष्मी, डॉ. अखिलेश पालरिया, डॉ. प्रिया ए., रेखा बैजल, के. राजन्ना, पुष्पा वर्मा, भँवरलाल उपाध्याय और सस्मिता नायक प्रमुख रहे।

द्वितीय सत्र में प्रो. ऋषभदेव शर्मा की अध्यक्षता में छह पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस दौरान महासहस्त्रावधानी डॉ. गरिकिपाटि नरसिम्हाराव, अवधेशकुमार सिन्हा, प्रो. गोपाल शर्मा सहित अनेक साहित्यकारों ने साहित्य की नई पीढ़ी को तैयार करने और भाषा-संवर्धन पर अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम के अंतिम चरण में बहुभाषी कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें मारवाड़ी, सिंधी, पंजाबी, मराठी और हिंदी सहित कई भाषाओं में कवियों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम में लगभग 110 साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर मध्यान्ह भोजन एवं अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी।

गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जीएनआईटी), हैदराबाद के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने एक बार फिर अपनी तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता का परिचय देते हुए 13वीं राष्ट्रीय स्तर की ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) गो-कार्ट डिज़ाइन चैलेंज प्रतियोगिता में ईवी श्रेणी में 5वाँ स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित कारी मोटर स्पीडवे में आयोजित की गई, जिसका आयोजन आईएसएनईई मोटरस्पोर्ट्स, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया था। इस प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 80 प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों की टीमों ने भाग लिया, जिससे प्रतिस्पर्धा का स्तर अत्यंत उच्च रहा। ऐसे में गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जीएनआईटी) के छात्रों की यह उपलब्धि विशेष रूप से सराहनीय मानी जा रही है।

वसुधैव कुटुंबकम महिलाओं का होली मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिल रिज स्प्रिंग्स, गच्ची बावली में वसुधैव कुटुंबकम की महिलाओं ने होली मिलन एवं फूलों की होली का कार्यक्रम प्रभा मेहता के निवास स्थान पर बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया। रंग-बिरंगी पारंपरिक पोशाकों में सजी महिलाओं ने एक साथ मिलकर होली के पावन पर्व को धूमधाम से मनाया।

कार्यक्रम में गीता अग्रवाल द्वारा तैयार किए गए फिल्मी गानों पर 'मस्ती टाइटल गीत' की धुन पर महिलाओं ने खूब ठुमके लगाए। इसके अलावा तंबोला खेल का भी आनंद लिया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वातावरण में हंसी-खुशी और आपसी सौहार्द का अनोखा संगम देखने को मिला।

अधिकतर महिलाओं ने पारंपरिक पोशाकों में शिरकत की, जिससे कार्यक्रम की शोभा और भी बढ़ गई। होली के अवसर पर चटपटे चाट व्यंजनों का विशेष आनंद लिया गया। भोजन के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाया।

कार्यक्रम में आशा अग्रवाल, राज माथुर, गीता अग्रवाल, प्रभा मेहता, रश्मि मेहता, आस्था मेहता, लक्ष्मी मामतानी, कमलेश अग्रवाल, मंजू शर्मा, मैत्री धुमे, अनु के, श्रीदेवी, हरिनी रेला मुनी, सरस्वती के के, नेहा खाडीकर, वीना मदान आदि ने भाग लिया। आयोजकों ने सभी महिलाओं के सहयोग और उत्साह के लिए आभार व्यक्त किया।

सेठ श्री कल्याणजी परमानंदजी पेढ़ी, सिरोही में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पुनः निर्वाचित

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सेठ श्री कल्याणजी परमानंदजी पेढ़ी, सिरोही के पाँच वर्षीय कार्यकाल के पूर्ण होने के पश्चात जैन रत्न रमेश पी. तातेड, हैदराबाद सिरोही निवासी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आयोजित श्री संघ की बैठक में नए पदाधिकारियों का चयन किया गया।

श्री संघ की बैठक में पंकजभाई ज्ञानचंदजी गांधी को पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। वे पिछले पाँच वर्षों से भी इसी पद पर कार्यरत रहे हैं तथा उनके नेतृत्व में पेढ़ी के माध्यम से अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं तीर्थ विकास से जुड़े उल्लेखनीय कार्य संपन्न हुए। साथ ही सुनीलभाई जीवराजजी सिंघी को पुनः उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई, जो भारत सरकार के राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं।

प्राचीन जैन पेढ़ी की जिम्मेदारी, कई प्रसिद्ध तीर्थों का संरक्षण

सेठ कल्याणजी परमानंदजी पेढ़ी, सिरोही भारत की प्रतिष्ठित एवं प्राचीन जैन धार्मिक पेढ़ियों में से एक मानी जाती है, जिसके अंतर्गत माउंट आबू का दिलवाड़ा जैन मंदिर, मिरपुर जैन तीर्थ, बामनवाड़ा जैन तीर्थ, बालदा तीर्थ, मुंगथला जैन मंदिर तथा सिवेरा जैन तीर्थ जैसे अन्य महत्वपूर्ण तीर्थ आते हैं, जिनके संरक्षण और व्यवस्थापन का कार्य पेढ़ी द्वारा किया जाता है। साथ ही माउंट आबू का नाम आबूराज किए जाने के निर्णय के समाचार से हर्ष का वातावरण देखा गया।

पदाधिकारियों को बधाई, समाज ने व्यक्त किया आभार

अंत में जैन रत्न रमेश पी. तातेड व अन्य प्रवासी संघों के पदाधिकारियों ने दोनों पदाधिकारियों व सभी ट्रस्टीगण को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त की तथा समाज की ओर से सभी के प्रति आभार प्रकट किया एवं दोनो महानुभावों को हैदराबाद पधारने का आमंत्रित किया गया।

बीबी पाटिल ने जेल से रिहा कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

बांसवाड़ा, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा शहर में हाल ही में हुई घटनाओं के बाद, इगझ नेताओं और हिंदू युवाओं को गैर-कानूनी तरीके से गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया था। पार्टी हाईकमान ने उन्हें बेल दिलाने की कोशिश की और रविवार को पूर्व सांसद बी.बी. पाटिल उन पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले, जो बेल पर रिहा हुए थे। इस मौके पर, उन्होंने घटना की पूरी जानकारी ली और उन्हें हिम्मत दी।

इस मौके पर पूर्व सांसद बी.बी. पाटिल ने कहा कि जो लोग धर्म के लिए काम करते हैं, उन्हें ऐसे टेस्ट का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बिना किसी डर के हिम्मत से आगे बढ़ने और समाज को न्याय दिलाने के लिए काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अगर वे जनता की समस्याओं को हल करने के लिए लगातार लड़ते रहेंगे, तो लोग उन्हें ज़रूर याद रखेंगे।उन्होंने भरोसा दिलाया कि कार्यकर्ता पार्टी के सिद्धांतों की रक्षा करते हुए लोगों की सेवा करें और पार्टी हमेशा कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी रहेगी।इस कार्यक्रम में टाउन प्रेसिडेंट कोनाला गंगारेड्डी, पार्टी डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी पोतुला बोगुडा श्रीनिवास रेड्डी, स्टेट स्पोक्सपर्सन इंद्रसेन रेड्डी, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी शंकर गौड़, लीडर कोनेरू शशांक, बांसवाड़ा म्युनिसिपल काउंसलर गजला महेश, डिस्ट्रिक्ट काउंसिल मेंबर थुप्ति शिवप्रसाद, पूर्व असेंबली कन्वीनर गुडुगुडला श्रीनिवास, रुद्रुर मंडल प्रेसिडेंट हरि, बिरकुर मंडल प्रेसिडेंट साई किरण, पाशम भास्कर रेड्डी, चीकटला राजू, कोंडानी गंगाराम, अर्सापल्ली साई रेड्डी, मोहन रेड्डी, सुन्नम सैलू, पार्टी वर्कर्स, हिंदू युवा और दूसरे लोग शामिल हुए।

गरीबों के चेहरे पर मुस्कान ला रहा राधे-राधे ग्रुप : मनीष चिंडालिया

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद और गरीब लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर मनीष चिंडालिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भूखे लोगों को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और यह सेवा निरंतर जारी रहेगी।

कार्यक्रम में सुशील कुमार, शीतल अग्रवाल, मनीष कुमार, निशा अग्रवाल, प्रतिका अग्रवाल , ई जगन चंपापेट, मनीष चिंडालिया, कैलाश चंद केडिया और जयप्रकाश सारडा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य में अपना सहयोग दिया।

डॉ. संजय हेल्थकेयर का भव्य उद्घाटन

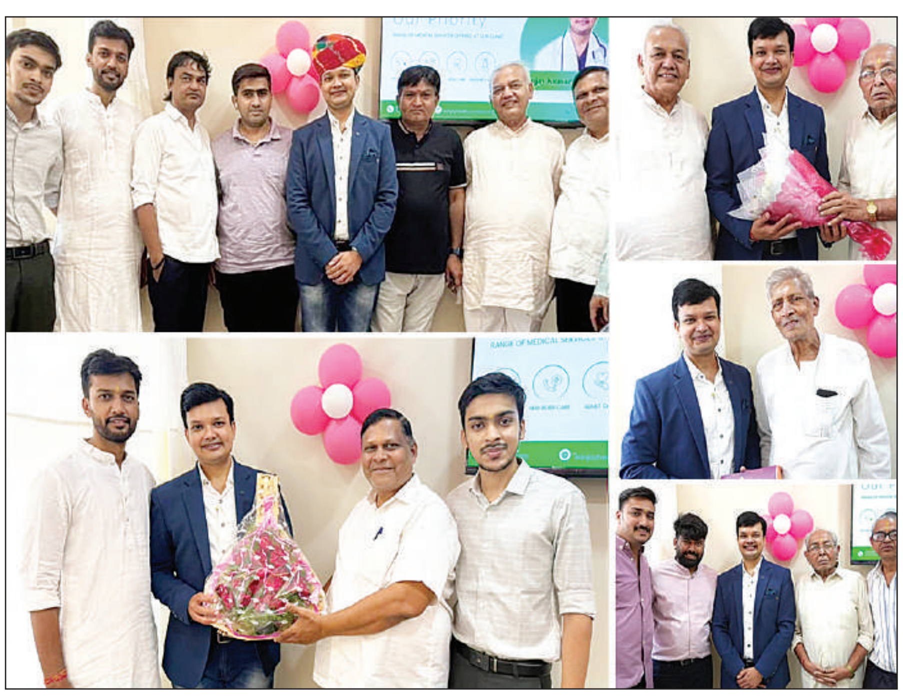

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चिल्ड्रन स्पेशलिस्ट एवं जनरल फिजिशियन डॉ. संजय कुमार जैन के नूतन क्लिनिक 'डॉ. संजय हेल्थकेयर' के उद्घाटन के शुभ अवसर पर स्थानीय समाजसेवियों एवं व्यवसायियों ने हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

डॉ. संजय कुमार जैन (एमबीबीएस, डीसीएच (नीलोफर-उस्मानिया), डीएनबी (पीडियाट्रिक्स) योग्यता प्राप्त एक सुयोग्य चिकित्सक हैं। वे शा घेवरचंद लादाजी बंदामुथा धानसा के सुपुत्र हैं। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग एवं सामान्य चिकित्सा में है, जिससे स्थानीय निवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलने की उम्मीद है।

नूतन क्लिनिक 'डॉ. संजय हेल्थकेयर' हैदराबाद के उस्मानगंज सिटी बस स्टॉप के पास स्थित है। इस अवसर पर जसराज देवड़ाधोका, गौतमचंद चोपडा, चौहान मुकेश जैन, जुठाराम देवासी, प्रवीण देवासी, चंपालाल आहोर, अमित श्रीश्रीश्रीमाल, घेवरचंद बंदामुथा, हेमराज बंदामुथा, ललित जैन, प्रवीण बंदामुथा, प्रीतम, अमन एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. संजय कुमार जैन को बधाई दी और क्लिनिक की सफलता की कामना की।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र का तीसरा स्थापना दिवस समारोह कल

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ बयूरो)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं), हैदराबाद ने अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष (आईवाईएम) 2023 के दौरान श्री अन्न क्षेत्र में अपने नेतृत्व से वैश्विक पहचान बनाई। संस्थान ने अपने गहन अनुसंधान, विस्तार, लोकसंपर्क कार्यक्रमों, जागरूकता अभियान एवं नीतियों में योगदान के माध्यम से श्री अन्न को प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री अन्न अनुसंधान एवं विकास में महत्वपूर्ण इन योगदानों को देखते हुए, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के रूप में उन्नत किया गया। इसी उपलक्ष्य में, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं हैदराबाद के राजेंद्रनगर स्थित अपने परिसर में 18 मार्च 2026 को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र का 3रा स्थापना दिवस मनाएगा। यह कार्यक्रम श्री अन्न विज्ञान को आगे बढ़ाने, नवोन्मेष को बढ़ावा देने तथा जलवायु लचीचे एवं पौष्टिक फसलों के रूप में श्री अन्न की वैश्विक पहचान को सुदृढ़ करने के लिए संस्थान के सतत प्रयोगों का स्मरण करेगा। वैज्ञानिक, नीति-निर्माता, किसान, उद्यमी एवं अन्य हितधारक से आशा है कि वे इस समारोह में भाग लेंगे और संस्थान की उपलब्धियों और आगे की दिशाओं पर चर्चा करेंगे।डॉ. सी तारा सत्यवती ने अपनी

प्रेस वार्ता में बताया कि, स्थापना दिवस समारोह में संस्थान की वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा लोक संपर्क प्रयासों को प्रदर्शित करती गतिविधियां शामिल होंगी। कार्यक्रम में लब्ध-प्रतिष्ठ अतिथियों तथा विशेषज्ञों के संबोधन, श्री अन्न अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति पर प्रस्तुतीकरण, तथा श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन में उभरते अवसरों पर चर्चा होगी। इस कार्यक्रम में श्री अन्न अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता तथा श्री अन्न मूल्य शृंखला में शामिल हितधारकों के साथ चर्चा तथा किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, स्टार्टअप्स तथा श्री अन्न विकास में योगदान देने वालों का सम्मान शामिल होगा।

इसके अलावा समारोह में श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं उद्यमिता विकास में संस्थान की पहलों के साथ संस्थान द्वारा नव विकसित श्री अन्न आधारित उत्पाद एवं प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इन गतिविधियों का उद्देश्य जलवायु लचीली कृषि, बेहतर किसान आजीविका तथा उपभोक्ताओं हेतु बेहतर पोषण सुनिश्चित करने में श्री अन्न के महत्व के संबंध में जागरूकता पैदा करना है।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने पिछले कुछ वर्षों में श्री अन्न की बेहतर किस्मों, सतत खेती के तरीकों, तथा उन्नत प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्थान ने किसान उत्पादगक संगठन (एफपीओ) को भी बढ़ावा दिया है और तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बाजार संपर्क के माध्यम से किसानों की सहायता की है, जिससे वे श्री अन्न आधारित खेती को सुदृढ़ कर सकें और अपनी आय बढ़ा सकें। इसके अलावा, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने अपने टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्कुबेटर, न्यूट्रीहब के माध्यम से उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया है और श्री अन्न आधारित उद्यमों हेतु बाजार के अवसरों को आसान बनाया है, जिससे किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा ग्रामीण युवाओं के लिए आजीविका के अवसर तैयार हुए हैं। अपनी अनुसंधान, विस्तार गतिविधियों एवं क्षमता निर्माण पहल के माध्यम से संस्थान ने पूरे देश में श्री अन्न खेती को बढ़ाने और उपभोकताओं के बीच श्री अन्न को पौष्टिक तथा आर्थिक महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं अर्थात श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र स्थापना दिवस समारोह के माध्यम से श्री अन्न अनुसंधान को आगे बढ़ाने तथा भारत व विश्वभर में सतत खाद्य प्रणाली के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में श्री अन्न को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है।

श्री गोड़वाड़ सिरवी क्षत्रिय समाज ट्रस्ट बिबवेवाड़ी की नई कार्यकारिणी गठित

पुणे, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गोड़वाड़ सिरवी क्षत्रिय समाज ट्रस्ट बिबवेवाड़ी संस्था की जनरल मीटिंग रविवार को आईमाताजी मंदिर, बिबवेवाड़ी वडेर स्थित आईजी सभागार में आयोजित की गई। बैठक में समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से जगाराम सिन्दरा को अध्यक्ष तथा लच्छाराम वरपा को सचिव चुना गया। अन्य पदाधिकारियों में लच्छाराम काग को उपाध्यक्ष, हरिराम गेहलोत को सहसचिव, नेनाराम काग को कोषाध्यक्ष तथा कानाराम लसेटा को सहकोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

इसके अलावा सीए. अशोक आगलेचा को मीडिया प्रभारी, मुलाराम काग और छतराराम काग को सलाहकार बनाया गया। कार्यकारिणी समिति में खरताराम होम्बर, मोडाराम काग, नथाराम काग, जीवाराम सोयल, खुमाराम राठौड़, कानाराम वरपा, गणेशराम सोलंकी, घिसाराम गेहलोत, कानाराम होम्बर तथा बाबूलाल पंवार को सदस्य चुना गया।

बैठक के दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों को शपथ दिलाई गई तथा समाज की ओर से उनका सम्मान किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष हिरालाल कलाजी राठौड़ ने नई टीम को बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगाराम सिन्दरा ने कहा कि समाज ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया जाएगा।

इस अवसर पर सीरवी महासभा महाराष्ट्र प्रांत के महासचिव रामलाल काग, सीरवी शिक्षण संस्थान उदयपुर के अध्यक्ष खिवराज परमार, महिला मंडल अध्यक्ष संगीता सिन्दरा सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की जानकारी जीवाराम सेपटा ने दी।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुड़ा-बेगमपेट शाखा का होली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज सोमाजीगुड़ा-बेगमपेट शाखा द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन बेगमपेट स्थित वात्सल्य गेस्ट हाउस में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना से हुई, जिसे शाखा अध्यक्ष कविता अग्रवाल ने अपने पदाधिकारियों संगीता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, रीना ऋचा अग्रवाल, शशि गुप्ता तथा केंद्रीय समिति सदस्य सुमन गुप्ता सहित अन्य महिला सदस्यों के साथ संपन्न कराया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत शाखा सचिव प्रीति अग्रवाल ने की। इस दौरान महा तंबोला, फूलों की होली और विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका सभी सदस्यों ने आनंद लिया।समारोह में स्वादिष्ट ठंडाई और उत्तम भोजन की व्यवस्था के लिए विष्णु गुप्ता और शशि गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। वहीं नृत्य और संगीत की व्यवस्था रंजु अग्रवाल तथा रीना-ऋचा अग्रवाल ने संभाली। फूलों की रंगीन होली के आयोजन में सुमन गुप्ता की विशेष भूमिका रही।कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया और सौहार्दपूर्ण वातावरण में समारोह का समापन हुआ।

केंद्रीय हिंदी संस्थान के 494वें नवीकरण पाठ्यक्रम का उद्घाटन सम्पन्न

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा महाराष्ट्र राज्य के वाशिम जिले के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु 16 से 28 मार्च 2026 तक आयोजित 494वें नवीकरण पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह सोमवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फत्ताराम नायक रहे। इस अवसर पर डॉ. दीपेश व्यास, अतिथि प्रवक्ता डॉ. एस. राधा, के. इंद्रा तथा शेख मस्तान वली उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ तथा सजग तिवारी ने ऑनलाइन संस्थान गीत और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. कुळकर्णी ने कहा कि हिंदी साहित्य को समृद्ध करने में महाराष्ट्र के साहित्यकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं की लिपि देवनागरी होने के कारण दोनों का साहित्य कई मायनों में समान दिखाई देता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण के बाद शिक्षक नई ऊर्जा के साथ विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देंगे।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फत्ताराम नायक ने कहा कि 12 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक अपने छात्र जीवन का अनुभव पुनः प्राप्त करेंगे और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से परिचित होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का है, इसलिए शिक्षकों को नई तकनीकों का उपयोग करते हुए शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाना चाहिए।

डॉ. दीपेश व्यास ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान हिंदी साहित्य, व्याकरण और भाषा विज्ञान से संबंधित शिक्षण समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।कार्यक्रम का संचालन शेख मस्तान वली ने किया। पाठ्यक्रम में वाशिम जिले के हिंदी अध्यापक मनीष दीक्षित, पूजा दत्तात्रय भोयर सहित अन्य शिक्षकों ने प्रशिक्षण से संबंधित अपनी अपेक्षाएँ व्यक्त कीं। अंत में डॉ. एस. राधा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग सजग तिवारी और के. इंद्र ने प्रदान किया। राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SANJANA, R/o Vill: Kodaroti, P.O:Mandai Buzurg, Teh: Betul, State:Madhya Pradesh - 460001, Changed My name from SANJANA to SANJANA YADAV vide affidavit dt:17-03-2026 before Judicial Mejstrate Court, Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, Service No 6948693F NK LOPINTI RAVIKIRAN of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my daughter's name is changed from HASINI to LOPINTI HASINI in accordance to Affidavit dated 16 March 2026.

CHANGE OF NAME
I, M PADMAVATI Spouse of Service No 2601703X Hav M VENKAT RAMULU, R/o.H.No.1-09-039, Bapuji Nagar, Opp:Ashok Garden, Old Bowenpally, Tirumalagiri, PO:Bowenpally, Dist:Hyderabad - 500011, Telangana have changed my name from M PADMAVATI to M PADMAVATHI vide affidavit dt:16-03-2026 before Mohd Hameed Khan, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No 2601703X Hav M VENKAT RAMULU, R/o. H.No.1-09-039, Bapuji Nagar, Opp:Ashok Garden, Old Bowenpally, Tirumalagiri, PO:Bowenpally, Dist:Hyderabad-500011, Telangana that my daughter name is changed from M PUJITHA to MALKAPURAM POOJITHA, Son name is changed from M AKEL to MALKAPURAM AKHIL and mother name is changed from MANIAMMA to MALKAPUR MANEMMA vide affidavit dt:16-03-2026 before Mohd Hameed Khan, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, MADHURIMA Spouse of Service No 9514005A Hav ARVIND KUMAR, Residing at Vill:Jasaepur, PO: Captainganj, Teh:Harriya, Dist:Basti, Uttar Pradesh-272131 have changed my name from MADHURIMA to MADHURIMA GUPTA vide affidavit dt:16-03-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमण्यन ने की मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से की मुलाकात

राज्य की अर्थव्यवस्था पर हुई गहन चर्चा

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के जाने-माने अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमण्यन ने सोमवार को विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक के दौरान राज्य से संबंधित विभिन्न आर्थिक मुद्दों और वित्तीय सुधारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रमुख मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के बीच हुई इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य राज्य की आर्थिक स्थिति को और सुदृढ़ बनाने के मार्ग तलाशना था।

ऊर्जा, जीएसटी और राजस्व क्षेत्रों पर विशेष मंथन

बातचीत के दौरान, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने अरविंद सुब्रमण्यन के साथ प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की, जिनमें मुख्य रूप से बिजली क्षेत्र, स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग और वस्तु एवं सेवा कर शामिल रहे। बैठक में बिजली क्षेत्र की लागत संरचना, स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग में मॉडल मूल्यांकन और जीएसटी के तहत कर निर्धारण जैसे तकनीकी व आर्थिक विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

वित्तीय स्थिति मजबूत करने हेतु विशेषज्ञ सुझाव

अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमण्यन ने तेलंगाना की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने सलाह दी कि राज्य को अपनी आर्थिक परिस्थितियों को मजबूत करने के लिए एक सुनियोजित रणनीति के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने राजस्व बढ़ाने और खर्चों के प्रबंधन के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

टीजीएसआरटीसी उगादी एवं रमजान पर्व पर चलाएगा विशेष बस सेवाएं

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने आगामी उगादी और रमजान त्योहारों के दौरान यात्रियों की अपेक्षित भीड़ को देखते हुए विशेष बस सेवाएं चलाने की घोषणा की है। निगम के अनुसार, 17 और 18 मार्च को यातायात प्रवाह विशेष रूप से अधिक रहने की संभावना है और मांग को पूरा करने के लिए विशेष बसें चलाई जाएंगी। वापसी के लिए भी 23 मार्च को भी इसी तरह के प्रबंध किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रमुख त्योहारों और विशेष अवसरों के दौरान, निगम यात्रियों के लिए कठिनाइयों से बचने और उनकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष सेवाएं उपलब्ध करता है। भले ही वापसी यात्राओं पर यातायात सीमित हो, आरटीसी बसों का संचालन करेगा और यात्रियों की असुविधा से बचाने के लिए उन्हें अधिक मांग वाले मार्गों पर तैनात करेगा। वर्ष 2003 में जारी सरकारी आदेश (जी.ओ.) संख्या 16 के अनुसार, निगम के पास डीजल और परिचालन लागत को पूरा करने के लिए त्योहारों के दौरान विशेष बसों के टिकट किराए में संशोधन करने का अधिकार है। तदनुसार, इन विशेष सेवाओं के लिए किराए को सामान्य टिकट मूल्य से 1.5 गुना तक संशोधित किया गया है।

संशोधित किराए केवल 17, 18 और 23 मार्च को तेलंगाना के भीतर और अन्य राज्यों के लिए चलने वाली विशेष बसों पर लागू होंगे, जबकि नियमित सेवाएं मानक किराए पर चलती रहेंगी। इस बीच, राज्य सरकार की 'महालक्ष्मी योजना' के तहत, त्योहार की अवधि के दौरान पल्ले वेलुगु, एक्सप्रेस, सिटी ऑर्डिनरी और मेट्रो एक्सप्रेस बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जारी रहेगी। आरटीसी प्रबंधन ने यात्रियों को आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से पहले से टिकट बुक करने की सलाह दी है। विशेष सेवाओं के के लिए यात्री आरटीसी कॉल सेंटर के फोन नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन 3 अप्रैल से

12 दिवसीय प्रशिक्षण से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से महिलाओं के लिए विशेष महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी संयोजिका समाज के संयुक्त मंत्री डॉ. सीमा जैन व अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध जी गुप्ता द्वारा पोस्टर का विमोचन अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यालय में आज किया गया।

यह कार्यक्रम 3 से 14 अप्रैल तक अग्रवाल समाज मीटिंग हाल में आयोजित किया जाएगा। इस 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना है। समाज की महिलाएं इस अवसर का लाभ उठाकर अपने व्यक्तित्व और कौशल में निखार ला सकती हैं।

विविध प्रशिक्षण मॉड्यूल: टीचर ट्रेनिंग से लेकर रेजिन आर्ट तक

इस कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को कई प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाएंगे, जिनमें टीचर ट्रेनिंग, मसाला मेकिंग, वेजिटेबल कार्विंग, चॉकलेट पैकिंग, मेकअप सेशन, मेहंदी डिजाइन, डाइट फूड, जार केक, कुकीज़ मेकिंग, लर्न डिजिटल स्किल्स एवं वर्क फ्रॉम होम, तंजोर पेंटिंग वर्कशॉप, न्यूमरोलॉजी कोर्स, लिपन आर्ट वर्कशॉप और रेजिन आर्ट शामिल हैं। ये सभी कौशल आज के समय में महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर खोल सकते हैं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने सभी महिलाओं से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है, ताकि वे नए कौशल सीखकर अपने जीवन में आत्मनिर्भर बन सकें। अगर आपको कुछ भी जानकारी चाहिए तो आप समाज के कार्यालय में शीतल अग्रवाल (9160605000) पर संपर्क कर सकते हैं।

समाज प्रबंधन ने बताया कि इस कार्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक महिलाएं उठाएं और अपने हुनर को निखारते हुए आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनें।

सूर्यांश सिंह का जन्मदिन भक्तिमय वातावरण में मनाया गया

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एन.के.एस. ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन एन.के. सिंह के पौत्र सूर्यांश सिंह का जन्मदिन 15 मार्चसिको वनस्थलीपुरम् स्थित श्रद्धा नगर कॉलोनी निवास पर अत्यंत धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें शहर की कई गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की।

जन्मोत्सव का शुभारंभ सर्वप्रथम वनस्थलीपुरम् स्थित गणेश मंदिर में भगवान श्री गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए, परिवार द्वारा साहेब नगर स्थित शांति निकेतन अनाथ आश्रम में अनाथ बच्चों और मानसिक रूप से विक्षिप्त लोगों को दोपहर का भोजन (लंच) कराया गया। सेवा के इस कार्य की उपस्थित लोगों ने काफी सराहना की।

शाम 7:01 बजे से कार्यक्रम में भक्ति का रंग और गहरा हो गया। भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण जी और हनुमान जी की विशेष पूजा के साथ सुंदरकांड का पाठ आरंभ हुआ। पाठ के समापन पर भव्य आरती की गई, जिसके पश्चात महाप्रसाद और भंडारे का आयोजन हुआ। इस दौरान पूरा वातावरण जय श्री राम के उद्घोष से गुंजायमान रहा।

इस मांगलिक अवसर पर एन.के. सिंह, श्रीमती मालती देवी, श्रीमती दीपिका सिंह, नंदकिशोर सिंह, श्रीमती नेहा सिंह, अमरजीत सिंह, श्रीमती शीतल सिंह, आशुतोष सिंह, ज्योति सिंह, सूर्यांश सिंह, गायत्री सिंह, लक्षजीत सिंह, छवि सिंह और देवांशी सिंह सहित परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

समारोह में अतिथि के रूप में महेश गुदवानी, रमेश काबरा, भारत लाल मानसिंह, गजानंद चौधरी, विष्णु यादव, एस.एस. यादव, राज शेखर शर्मा सहित कई अन्य भक्त और गणमान्य जन उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के दौरान सभी आगंतुकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी शुभचिंतकों ने सूर्यांश सिंह को उनके जन्मदिन पर लंबी आयु और उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक बधाइयां एवं आशीर्वाद दिया।

संघी समिति तेलंगाना का होली मिलन समारोह भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। संघी समिति तेलंगाना द्वारा होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन शमशाबाद स्थित एन.एस. फार्म्स में उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री शीतला माता की पूजा-अर्चना से हुई। इसके पश्चात समिति के अध्यक्ष नागेन्द्र संघी ने सभी संघी बंधुओं का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन पंकज कुमार संघी ने किया।समिति के सलाहकार प्रताप नारायण संघी ने अपने संबोधन में समिति की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए इसके उद्देश्यों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से समिति को आने वाले समय में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान निर्मला संघी ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा कर उन्हें पुरस्कार प्रदान किए। इसके अलावा फूलों की होली, डीजे और नृत्य का आयोजन भी किया गया, जिससे पूरा वातावरण रंगों और उल्लास से भर गया।

समारोह के अंत में अवधेश संघी ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए विशेष रूप से प्रेम संघी और सुषमा संघी का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस होली मिलन के लिए अपना रिसॉर्ट उपलब्ध कराया।

इस अवसर पर अध्यक्ष नागेन्द्र संघी, उपाध्यक्ष पंकज कुमार संघी, सचिव प्रभात संघी, संयुक्त सचिव संजय संघी व अवधेश संघी, सलाहकार प्रताप नारायण संघी, राजेन्द्र संघी, भूपेन्द्र संघी, विवेक संघी, प्रेम संघी, गौरव संघी, प्रकाश संघी, निर्मला संघी, कविता संघी, सुषमा संघी, डिम्पल संघी, उषा संघी सहित अनेक संघी बंधु उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की 32वीं बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डाटा कमेटी की 32वीं बैठक समाज कार्यालय, चिराग अली लेन (रूम नंबर 301) में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में समाज के पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

सभा में चेयरमैन अजय अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुनील मित्तल, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल और गोविन्द अग्रवाल ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौरान लक्ष्मी नारायण अग्रवाल ने डाटा कमेटी को और अधिक उन्नत और प्रभावी बनाने के लिए एक प्रस्ताव रखा, जिसे चेयरमैन के नेतृत्व में सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की।

बैठक के दौरान कुछ अभिभावकों से फोन पर वार्तालाप भी किया गया और समाज के युवाओं के वैवाहिक संबंधों को आगे बढ़ाने के विषय में विचार-विमर्श किया गया।

इस्तम झील में तैरने उतरे तीन युवक डूबे

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में रंगारेड्डी जिले के गांडीपेट मंडल में सोमवार को इस्तम झील में तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, युवक झील में तैरने के लिए उतरे थे, तभी वे डूब गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से झील से शवों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान कार्तिक (25), गोवर्धन (23) और वेंकटेश (25) के रूप में हुई है।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह हादसा तैराकी के दौरान पैर फिसलने या गहरा पानी होने के कारण हुआ प्रतीत होता है। उन्होंने स्थानीय युवाओं से अपील की है कि वे बिना सुरक्षा उपायों के झीलों या तालाबों में न उतरें।

कमलापुरी कॉलोनी महिला मंडल द्वारा गंगौर महोत्सव में नाटिका की प्रस्तुति

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कमलापुरी कॉलोनी महिला मंडल, श्रीनगर कॉलोनी के तत्वावधान में आयोजित गंगौर महोत्सव के तहत महिला सदस्यों द्वारा आकर्षक नाटिका की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम में सूरज सुराणा, उषा कोठारी, मनीषा मालपानी, सरिता खटेड, सोनू जैन, प्रार्थना कोठारी, वीना सोलंकी, दिव्या सेठिया, सुनीता बंसाली, पुष्पा काबरा, सुष्मिता आंचलिया सहित कार्यकारी सदस्य एवं अन्य महिलाएँ उपस्थित रहीं।

नाटिका के माध्यम से गंगौर पर्व की परंपराओं और सांस्कृतिक महत्व को प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.